बॉबमैत्री Bobmaitri

जनवरी-मार्च • January - March 2023

जयपुर लिट्रेचर फेस्टिवल में बैंक द्वारा 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' के शुभारंभ की घोषणा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

गृह पत्रिका House Journal

Bank organises Sun Run 2.0 at Mumbai

On 29th January, 2023 Bank organised Sun Run 2.0 with double the Energy, Fitness and Fun. The run started from Jio World Garden, Bandra Kurla Complex, Mumbai and featured two race categories i.e. a 10 km timed BOB Pro Run and a 5 km non-timed BOB Fun Run. Ms. PV Sindhu, India's badminton superstar and Bank of Baroda's brand endorser along with the top management led by Executive Directors Shri Ajay K Khurana, Shri Debadatta Chand and Shri Lalit Tyagi flagged off the event.

Our Bank Named Best Public Sector Bank by State Forum of Bankers' Clubs, Kerala

Our Bank was named the "Best Bank" in the Large Public Sector Banks category by the State Forum of Bankers' Clubs, Kerala (SFBCK) based on the Bank's performance in the financial year 2021–22. In addition, the Bank's Balaramapuram Branch was adjudged the Best Performing Public Sector Bank Branch in Kerala for FY 2021-22. Shri Sreejith Kottarathil, Zonal Head, Ernakulum Zone, Shri Hussain Riyaz Syed, former Branch Head of the Balaramapuram branch received the awards from Hon'ble former President of India, Shri Ram Nath Kovind, the Chief Guest of the function.

Bank organises Industry Level Symposium on "Digital Journey in Banking-Legal and Business Challenges"

On 17th February, 2023 Corporate Legal Dept organised an industry-level symposium with the theme "Digital Journey in Banking – Legal and Business Challenges". The aim of the symposium was to provide a platform for dialogue and discussion amongst banking and legal experts on the spectrum of changing laws and their materiality in the current market framework. Shri B Meher Kumar, Head - Legal & RTI hosted the symposium and Shri Lalit Tyagi, Executive Director delivered the keynote address. Shri Debadatta Chand, Executive Director, Shri Surendra Kumar Dixit, CVO, Executives and other dignitaries were present on the occasion.

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

Managing Director & Chief Executive Officer's Message

संजीव चड्ढा
Sanjiv Chadha

प्रिय साथियो,

बैंक की पत्रिका के इस अंक के माध्यम से आप सभी से संवाद स्थापित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है.

हम नए वित्त वर्ष 2023–24 में प्रवेश कर चुके हैं. पत्रिका का यह अंक आपके पास पहुंचने तक के समय वित्त वर्ष 2022–2023 एवं मार्च 2023 के लिए बैंक के परिणामों को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा होगा. परंतु दिसंबर 2022 को समाप्त नौ महीने के दौरान हमने जो परिणाम हासिल किए हैं, वे काफी उत्साहवर्द्धक हैं और अंतिम तिमाही के सकारात्मक परिणामों की प्रबल संभावनाएं दर्शाते हैं. आप जानते हैं कि दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक का शुद्ध लाभ 75.4% की वृद्धि के साथ रु. 3,853 करोड़ रहा जो कि अब तक का सबसे ज्यादा मुनाफा है. वहीं वित्त वर्ष की नौमाही के लिए 69.9% की मजबूत वृद्धि के साथ शुद्ध लाभ रु. 9334 करोड़ रहा. वैश्विक अग्रिमों में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 19.7% की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई. गृह ऋण, वैयक्तिक ऋण, ऑटो ऋण और शिक्षा ऋण जैसे अधिक फोकस वाले क्षेत्रों में बढ़ोत्तरी की वजह से ऑर्गेनिक रिटेल अग्रिमों में 29.4% की वृद्धि हुई. वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 272 आधार बिंदु और तिमाही–दर–तिमाही आधार पर 78 आधार बिंदु की गिरावट के साथ सकल गैर निष्पादक आस्तियों का स्तर 4.53% रहा. वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 24 आधार बिंदु की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 23 की तीसरी तिमाही में निवल ब्याज मार्जिन 3.37% रहा. मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी ने वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान जो प्रयास किए हैं उससे बैंक के वार्षिक परिणाम काफी उत्साहवर्द्धक होने वाले हैं.

हमारा बैंक हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के विकास एवं प्रोत्साहन हेतु भी निरंतर प्रयासरत है. दिनांक 19–23 जनवरी, 2023 के दौरान जयपुर में आयोजित जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान बैंक द्वारा साहित्य जगत के सबसे बड़े सम्मान 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' की घोषणा की गई है जिसके तहत संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद हेतु अनुवादकों एवं मूल लेखकों को सम्मानित करने की योजना तैयार की गई है. यह सम्मान समग्र रूप से भारतीय साहित्य को बढ़ावा देने और हिंदी के माध्यम से देश के बड़े पाठक समुदाय को इसे उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा और साथ ही साथ बैंक को देश के बौद्धिक समुदाय के बीच स्थापित करने में भी मदद करेगा.

डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने की दृष्टि से हाल ही में बैंक ने देश में डिजिटल भुगतानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं इन माध्यमों को अपनाने में गति लाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, के पहल 'डिजिटल पेमेंट्स उत्सव : डिजिटल पेमेंट्स से प्रगति को गति' मनाने की घोषणा की है. इस अवसर पर बैंक द्वारा दो नए उत्पादों– 'बॉब वर्ल्ड वेव ऑन–दि–गो प्रीपेड गिफ्ट कार्ड–कीचेन वेरियंट (जी20

Dear Colleagues,

I am delighted to interact with you through this latest issue of the Bank's house journal 'Bobmaitri'.

We have entered into the new financial year 2023-24. By the time this journal will be in your hand, finalization of Bank's result for the FY 2022-2023 and Q42023 would be underway. Performances for 9MFY2023 were very encouraging which reflect robust potential for positive results for the final quarter. You are aware that the Bank's Q3FY2023 net profit increased by 75.4% YOY to Rs. 3,853 crores, which is the highest ever profit reported by the Bank. Whereas, net profit in 9MFY2023 stood at Rs. 9,334 crore registering a strong YOY growth of 69.9%. Global advances registered a strong YOY growth of 19.7% in Q3FY2023. Organic retail advances grew by 29.4%, led by growth in high focus areas such as home loans, personal loans, auto loans and education loans. Gross non-performing assets (GNPA) stood at 4.53% with a reduction of 272 bps YOY and 78 bps QoQ. With the increase of 24 bps on YoY basis the Net interest margin (NIM) in Q3 FY23 stood at 3.37%. I am confident that with the efforts put in by all of you in the last quarter of the financial year, the Bank will be able to post robust annual results.

Our Bank is also making continuous efforts for the development and promotion of Hindi and Indian languages. During Jaipur Literature Festival organized recently in Jaipur on 19-23 January, 2023, Bank has announced the biggest award of the literary world 'Bank of Baroda Rashtrabhasha Samman'. Under this scheme Hindi translation works of novels written in the Indian languages which are included in the Eighth Schedule of our Constitution and the original work will be awarded. This award will play significant role in promoting Indian literature and making it available in the form of Hindi medium to large readership of the country. This will also help in popularizing the Bank among the intellectual community of the country.

With a view to promote digital banking, the bank has recently observed 'Digital Payments Utsav: Digital Payments se pragati ko gati', an initiative by the Ministry of Electronics and Information Technology, GOI, to increase awareness and accelerate the adoption of digital payments in the country. On this occasion, Bank launched two new products - 'bob World Wave On-The-

ब्रांडेड)' और रुपे के एसोशिएशन में 'बॉब वर्ल्ड अग्निवीर डेबिट कार्ड' की शुरुआत की गई है. इस अवसर पर बैंक को वित्त वर्ष 21–22 के दौरान डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया–1) डिजिटल भुगतान में समग्र कार्यनिष्पादन हेतु शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए 2) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में डिजिटल भुगतान लेन–देन की सबसे बड़ी संख्या प्राप्त करने हेतु 3) बड़े और मध्यम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में डिजिटल भुगतान लेन–देन के दूसरे बड़े प्रतिशत को प्राप्त करने हेतु. ये पुरस्कार हमारे बैंक को समय के साथ चलने वाले और भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार बैंक के रूप में स्थापित करते हैं.

बैंक में महिला सहकर्मियों की भूमिका काफी सशक्त एवं महत्वपूर्ण बनती जा रही है. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बैंक ने 10 मार्च, 2023 से 20 मार्च, 2023 तक #SaluteHerShakti कंटेस्ट के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया जिसमें सर्वश्रेष्ठ 3 विजेताओं को हमारे ब्रांड एंडोर्सर्स सुश्री पी वी सिंधु और सुश्री शेफाली वर्मा से संवाद करने का अवसर प्रदान किया जाएगा. साथ ही, समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए इस अवसर पर हमने 'उसके साथ में है पूर्णता का अहसास...' टैगलाइन, जो कि महिलाओं की संगठन एवं समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, के साथ बैंक में विभिन्न स्तरों पर महिला दिवस समारोहों का उत्साहवर्द्धक आयोजन किया. इसी क्रम में उभरती हुई भारतीय खेल प्रतिभा, विशेष तौर पर महिला खिलाड़ियों को समर्थन प्रदान करने की बैंक की सोच के अनुरूप कार्रवाई करते हुए बैंक 'वीमन प्रीमियर लीग' का एक एसोशिएट मीडिया स्पॉंसर रहा. इस लीग के शुभारंभ के अवसर पर इस खास इवेंट पर लोगों के विशेष ध्यान को मद्देनजर रखते हुए बैंक द्वारा गृह ऋण और कार ऋण के लिए #LoansWithoutDrama की शुरुआत की गई जिसका उद्देश्य बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा केवल 30 मिनटों में गृह ऋण और कार ऋण की बाधारहित मंजूरी को प्रचारित–प्रसारित करना है.

इसके साथ ही हम सर्वोत्तम मानव संसाधन प्रणालियों के साथ वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान बनने की ओर अग्रसर हैं. कर्मचारियों के अभिमत और सुझाव प्राप्त करने हेतु हमने 'वॉयस ऑफ़ बड़ौदियन' सर्वेक्षण के चौथे संस्करण के शुरुआत की घोषणा की ताकि सर्वेक्षण से प्राप्त सुझावों के आधार पर हम कर्मचारी नियोजन, शिक्षण और विकास, स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं को लागू कर सकें और कर्मचारी नियोजन नीतियों को बेहतर बनाते हुए श्रेष्ठ कर्मचारी केंद्रित पहलों की शुरुआत कर सकें.

हमारे हर कार्यकलाप के केंद्र में ग्राहक हैं. ग्राहकों की सुविधा के लिए उनकी पसंदीदा भाषा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है. इसी उद्देश्य से बैंक ने अपनी चैटबॉट सुविधा को ग्राहकों के लिए हिंदी में भी उपलब्ध करवा दिया है. साथ ही, डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म पर रिटेल एवं एमएसएमई जर्नी को ग्राहकों के लिए हिंदी में उपलब्ध करवाने के साथ–साथ स्वर्ण ऋण, बीकेसीसी, मुद्रा आदि ऋणों की जर्नी को हिंदी में भी उपलब्ध करवा दिया गया है.

हमारा बैंक डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देते हुए विभिन्न ग्राहक केंद्री पहलों के माध्यम से ग्राहकों को उनकी आवश्यकतानुरूप उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है. आप सभी के सहयोग एवं प्रयासों से बैंक द्वारा शुरू की गई हर नई पहल एवं हर नए अभियान को सफलता मिल रही है. कृपया अपने सक्रिय प्रयासों को जारी रखें.

शुभकामनाओं सहित,

संजीव चड्ढा
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

Go Prepaid Gift Card - Keychain Variant (G20 Branded)' and the 'bob World Agniveer Debit Card' in association with RuPay. Our Bank was felicitated with three awards for its outstanding performance in promoting digital payments during FY 2021-22, 1) for achieving top position in overall performance in digital payments 2) for achieving highest volume of Digital Payment Transactions - Public Sector Bank and 3) for achieving 2nd highest percentage of Digital Payment Transactions in large and medium public sector Banks. Such recognitions helps in establishing us as a Bank that is keeping pace with the time and is fully prepared for the future.

The role of women colleagues in Bank is becoming very significant and important. On the occasion of International Women's Day, our Bank launched the 3rd edition of #SaluteHerShakti contest from 10th March, 2023 to 20th March, 2023, wherein, top 3 winners got an opportunity to interact with our brand endorsers Ms. PV Sindhu and Ms. Shefali Verma. Also, on this occasion, keeping in view the important role they play in the society, we enthusiastically organized Women's Day celebrations in the Bank with a tagline 'Together is possible only with her..' which underlines the role of women in the organization and society. In line with the Bank's vision to support the Indian talent in the area of sports, especially women sportspersons, our Bank has been an Associate Media Sponsor of the 'Women's Premier League'. On the occasion of the launch of this league and special attention of the people on the event, our Bank launched #LoansWithoutDrama for Home Loan and Car Loan products with the objective to popularize and disseminate hassle-free approval of home loans and car loans in just 30 minutes by Bank of Baroda.

In addition, we are poised to become a globally recognized organization with best HR practices. We announced the launch of the 4th edition of 'VOICE OF BARODIANS' survey to get employee feedback and suggestions so that we can implement various aspects related to employee engagement, learning & development, health and safety and launch of best-in-class employee-centric initiatives by improving employee engagement policies based on the suggestions received in the survey.

Customers are at the center of our all activities. Language preference of the customers is also being taken care by us for their convenience. Towards this, our Bank has also launched its chatbot facility available in Hindi for the customers. We have provided the digital lending journey of retail and MSME loans as well as gold loan, BKCC, Mudra loans etc. in Hindi for the customers.

While promoting digital banking our Bank is committed to provide customized products and services to customers through various customer centric initiatives. With your cooperation and efforts, every new initiative and new campaign launched by the bank is getting grand success. Please continue putting in your sincere and committed efforts.

Best wishes.

Sanjiv Chadha
Managing Director & Chief Executive Officer

संपादक मंडल Editorial Board

विषय–वस्तु प्रबंधन टीम

Content Management Team

प्रकाश वीर राठी Prakash Vir Rathi

अजय कुमार खोसला Ajay Kumar Khosla

अर्चना पाण्डेय Archana Pandey

आई वी एल श्रीधर IVL Shridhar

सुधांशु कुमार सिंह Sudhanshu Kumar Singh

कार्यकारी संपादक/Executive Editor

संजय सिंह / Sanjay Singh

संपादक/Editor

पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक/Assistant Editor

महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग/Associate

बिक्रम सिंह Bikram Singh

पत्रिका संवाददाता/Magazine Correspondents

बीसीसी	BCC	उमानाथ मिश्र
अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
बेंगलुरू	Bengaluru	नीना देवस्सी एम
भोपाल	Bhopal	चंदन वर्मा
चंडीगढ़	Chandigarh	मोनिका सिंह
चेन्नै	Chennai	जी कृष्ण प्रिया
एर्णाकुलम	Ernakulam	सुमी पी यू
हैदराबाद	Hyderabad	गौरी वी एम
जयपुर	Jaipur	सोमेन्द्र यादव
कोलकाता	Kolkata	सुमित कुमार गुप्ता
लखनऊ	Lucknow	मोहम्मद इरशाद
मेंगलुरु	Mangaluru	पुष्पलता बी एन
मेरठ	Meerut	दिनेश कुमार मित्तल
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
नई दिल्ली	New Delhi	पंकज वर्मा
पटना	Patna	मानिक चंद्र तिवारी
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा – 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.
ई-मेल : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

Edited and published for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda - 390007.
E-mail : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

इस अंक में Contents

जनवरी-मार्च • January-March 2023

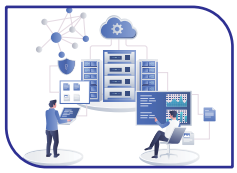

03	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
06	कार्यकारी संपादक की कलम से
07	Big Data – Application In Banking
10	डिजिटल करेंसी : अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग पर प्रभाव
12	Bank of Baroda clinches AIPS T-20 Cricket Tournament'23, Emerges as Champions of PSUs
14	ESG – Mandatory Disclosure under Sustainable and Ethical Framework
16	बैंकिंग में साइबर अपराधों के प्रकार एवं निवारक उपाय
19	राष्ट्रीयकृत बैंकों में वसूली एवं अग्रिम निगरानी की आवश्यकताएं
26	POSH Act – In the context of Corporates
28	अखिल भारतीय सेमिनार 'डिजिटल ऋण'
30	साक्षात्कार – पद्मश्री सितांशु यशश्चन्द्र
34	Cyber Talk – Role of ChatGPT in Cyber Security
36	International Women's Day, 8th March 2023
39	चैंपियन अंचल – अंचल कार्यालय, जयपुर
43	चैंपियन क्षेत्र – क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा
46	आत्मनिर्भर भारत में डिजिटल बैंकिंग का महत्व
48	Revolutionizing Agriculture: IoT in Operations
55	Kalsubai Peak – The Everest of Maharashtra
56	कौशल एवं नैतिकता से परिपूर्ण व्यवसाय प्रतिनिधि वित्तीय समावेशन की सफलता का आधार
58	Driving Economic Growth: The Indispensable Role of MSMEs in India

बॉबमैत्री, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित की जाती है. इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है.

BOBMAITRI is published for all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई – 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed at : SAP Print Solutions Pvt. Ltd., 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.

कार्यकारी संपादक की कलम से/The Executive Editor Speaks

संजय सिंह, कार्यकारी संपादक । Sanjay Singh, Executive Editor

प्रिय पाठको,

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' के इस अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. पत्रिका को बेहतर बनाने में प्रबंधन समिति और पाठक समूह से मिलने वाले सतत सहयोग/ सुझावों/ अभिमत के लिए हम उनके आभारी हैं. बॉबमैत्री के पाठकों को एक नया अनुभव प्रदान करने के लिए हमने बॉब अभिव्यक्ति मोबाइल ऐप में नई सुविधाओं का समावेश कर इसे बॉब अभिव्यक्ति 2.0 के रूप में लांच किया है. इसमें आयोजनों/ कार्यक्रमों के लघु वीडियो, दृष्टिबाधित स्टाफ सदस्यों के लिए पत्रिका के ऑडियो वर्जन आदि अपलोड करने की सुविधाओं के साथ–साथ कई अन्य सुविधाएं भी जोडी गई हैं. पत्रिका के सभी पाठकों से अनुरोध है कि बॉब अभिव्यक्ति के 2.0 वर्जन के लिए उपलब्ध अपडेट को शीघ्र इंस्टाल करें और ऐप में जोड़ी गई नई सुविधाओं का लाभ उठाएं.

वर्ष 2022–23 को शानदार उपलब्धियों के साथ पूरा करते हुए हम नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश कर गए हैं. हमारा उच्च प्रबंधन व्यवसाय संवर्धन की कार्यनीतियों को लगातार सुदृढ़ कर रहा है. बैंकिंग में तेजी से उभरते डिजिटल फर्स्ट के स्वरूप का लाभ उठाने और देश के बढ़ते डिजिटल ऋण क्षेत्र में अग्रणी बने रहने की दिशा में अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करना हमारे बैंक की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है. अपने डिजिटल लैंडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों को न्यूनतम अनिवार्य दस्तावेजों के साथ एंड–टू–एंड ऋण प्रकिया की सुविधा प्रदान कराना इस दिशा में बैंक का प्रमुख कदम है. इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र की गंभीरता को समझते हुए बैंक द्वारा दिनांक 06.02.2023 को अमृतसर में डिजिटल ऋण विषय पर अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों के साथ–साथ बीमा कंपनियों और अन्य वित्तीय संस्थानों के स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की. एक ओर जहां डिजिटल बैंकिंग की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है वहीं दिन–प्रतिदिन साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं. अत: हम सभी के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि अपने बैंकिंग कार्यों के दौरान सतर्क रहें और बैंक के दिशानिर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करें.

हमने इस अंक में श्री संजय कुमार का आलेख **'Big Data- Application in Banking'** शामिल किया है जिसमें बिग डेटा के सिद्धांत और इसके प्रमुख कारकों को स्पष्ट रूप से समझाया गया है. सुश्री रश्मि रानी ने अपने आलेख **'डिजिटल करेंसी: अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग पर प्रभाव'** में डिजिटल करेंसी के स्वरूप और इसके फायदों का उल्लेख किया है. सुश्री शिल्पा कुकरेती द्वारा लिखित आलेख **'ESG- Mandatory disclosure under sustainable and Ethical framework'**, श्री बी एस शरवणन का आलेख **'बैंकिंग में साइबर अपराधों के प्रकार एवं निवारक उपाय'** और सुश्री शिल्पा चंद्रिकापुर द्वारा लिखित आलेख **'Posh Act- In the context of Corporates'** हमारे पाठकों को विषय के विविध पहलुओं को समझने के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होंगे. सुश्री स्वपना बाई खेतवाटु का आलेख **'Cyber Tals- Role of ChatGPT in Cyber Security'** चैटजीटीपी सुविधा के बारे में विस्तृत परिप्रेक्ष्य प्रदान करेगा. साथ ही, इस अंक में अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर कई अन्य आलेख भी प्रकाशित किए गए हैं जो हमारे पाठकों के लिए उपयोगी होंगे. इस अंक में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' की झलकियां तथा तिमाही के दौरान बैंक के 'चैंपियन अंचल एवं चैंपियन क्षेत्र' की व्यावसायिक उपलब्धियां भी प्रकाशित की गई हैं. साथ ही, इस अंक में प्रकाशित पद्म श्री सितांशु यशश्चंद्र का साक्षात्कार भाषा और साहित्य के बारे में हमारे पाठकों को उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा.

उपर्युक्त के अलावा, इस अंक में बैंक स्तर पर आयोजित विभिन्न समारोह, कार्यक्रम, समाचार और आयोजन, पुरस्कार एवं सम्मान पर रिपोर्ट और राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों को शामिल किया गया है. मुझे विश्वास है उपर्युक्त विविध सामग्री का मिश्रण पाठकों के लिए इस अंक को और अधिक रोचक बना देगा. मैं अपने साथी पाठकों से अनुरोध करता हूं कि इस पत्रिका को गुणवत्तापरक बनाए रखने के लिए अपनी रचनाएं और प्रतिक्रिया भेजते रहें.

शुभकामनाओं सहित,

(संजय सिंह)

Dear Readers,

It gives me immense pleasure to present you the issue of Bank's House Journal 'Bobmaitri'. We are thankful to the Content Management Committee and readers of Bobmaitri for their constant support/ suggestions/ feedback to improve the magazine. With a view to provide a unique experience to the readers of magazine, we have revamped the 'Bob Abhivyakti' mobile app and launched it as 'Bob Abhivyakti 2.0' by incorporating new features in the app. Now, facility to upload short videos of events/programmes, audio version of magazine for visually impaired staff members etc. have been added along with many other features. All the readers are requested to install the update available for version 2.0 of 'Bob Abhivyakti' and enjoy the new features added to the app.

We have concluded the year 2022-23 with outstanding achievements and entered into the new financial year. Our top management is continuously strengthening its business expansion strategies. In order to take advantage of the fast emerging 'Digital First' approach in banking industry and also to stay competitive and front-runner in the emerging digital lending sector of the country, digitalization of our products and processes is one of the key priority of our Bank. By providing end-to-end loan processing facility to customers with minimal mandatory documentation through its digital lending platform, Bank has taken a major step in this direction. Recognizing the importance of this key sector, the Bank organized an All India Seminar on 'Digital Lending' on 06.02.2023 at Amritsar with the participation of staff members from RBI, all Public Sector Banks, insurance companies and other financial institutions. While the acceptance of digital banking is significantly increasing day by day, the cases of cyber frauds are also increasing. Therefore, it is very important for all of us to be vigilant during our banking operations and strictly follow Bank guidelines.

In this issue, we have included Mr. Sanjay Kumar's article **'Big Data- Application in Banking'** in which the principles of Big Data and its main factors are clearly explained. Ms. Rashmi Rani in his article **'डिजिटल करेंसी: अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग पर प्रभाव'** has elaborated the aspects and advantages of the digital currency. Article **'ESG- Mandatory disclosure under sustainable and Ethical framework'** by Ms. Shilpa Kukreti, **'बैंकिंग में साइबर अपराधों के प्रकार एवं निवारक उपाय'** by Mr. B S Saravanan and Ms. Shilpa Chandrikapure's article**'Posh Act- In the context of Corporates'** will definitely prove very useful to our readers for understanding various aspects. Ms. Swapna Bai Khetavatu's article **'Cyber Tals- Role of ChatGPT in Cyber Security'** provides a detailed perspective about ChatGPT tool. Additionally, many other articles on other important topics have also been included in this issue which will be useful for our readers. Glimpses of 'International Women's Day' and business achievements of 'Champion Zone and Champion Region' of the Bank during the quarter have also been published in this issue. Interview of Padma Shri Sitanshu Yashashchandra published in this issue will give useful insights about language and literature to our readers.

In addition to the above, this issue also covers various functions, programmes, news and events organized at the Bank level, reports on awards & accolades and activities related to implementation of Official Language. I am sure the combination of above mentioned varied content will make this issue more interesting for the readers. I request my fellow readers to send their articles and valuable suggestions/ feedback regularly to keep this House journal qualitative.

With best wishes,

Sanjay Singh

Big Data are extremely large data sets that can be analysed computationally to reveal patterns, trends and associations especially related to human behaviour and interactions. Banking customers generate an astronomical amount of data everyday through thousands of individual transactions. These transaction data hold untapped potential for banks and other financial institutions. This data can be used to better understand their customer base product performance and market trends.

BIG DATA - APPLICATION IN BANKING

Bank currently have enormous quantity of customer data at hand. These data sources are KYC, Transactional data, compliance checks, customer activity at ATMs, point of sales purchase and online profiles. This large volume of digital footprints provides ample scope to profile the customers.

Big data describes the data are generated from and increasing plurality of sources, including internet clicks, mobile transactions, user generated content and even social media activities. Many banks use these big data in marketing. Marketers use big data to gain a more granular understanding of customer preferences and in response, which product and services to sell to them. There are various sources from where data can be generated and analysed. These are:

- Customer personal details
- Account details
- Customer transactions
- Account complaints and service enquiries
- Social media feeds
- Market sentiments
- Product performance

CHARACTERISTICS OF BIG DATA:

There are **five** main characteristics of big data.

1. **Variety:** Variety means the data generated is of various kind like customer information, transaction information, financial statements, credit scores, loan details, etc. . Variety refers to heterogeneous sources and the nature of data, both structured and unstructured.
2. **Velocity:** Velocity relates to the speed of adding and processing new data to the database. Big Data Velocity deals with the speed at which data flows in from sources like business processes, application logs, networks, and social media sites, sensors, Mobile devices, etc. The flow of data is massive and continuous.
3. **Volume:** Data is maintained in many forms. It is the amount of space required to store large volumes of data.
4. **Veracity:** It refers to the quality and accuracy of data. Gathered data could have missing pieces, may be inaccurate or may not be able to provide real, valuable insight. Veracity, overall, refers to the level of trust there is in the collected data.
5. **Value:** This refers to the value that big data can provide, and it relates directly to what organizations can do with that collected data. Being able to pull value from big data is a requirement, as the value of big data increases significantly depending on the insights that can be gained from them.

Both value and veracity help define the quality and insights gathered from data.

Types of Big Data

The big data is divided into three parts, such as Structured Data, Unstructured Data, and Semi-Structured Data.

Structured Data - Any data that can be processed, accessed and stored as a fixed-format is named structured data. Structured data in big data is the most straightforward to work with. It's quantitative data. e.g. An 'Employee' table in a database is an example of Structured Data.

Unstructured Data - This is one of the types of big data where the data format of the relative multitude of unstructured files, for example, image files, audio files, log files, and video files, are incorporated. Any data which has an unfamiliar structure or model is arranged as unstructured data. Since the size is huge, unstructured data in big data has different difficulties as far as preparing for determining a value out of it. An illustration of this is an intricate data source that contains a mix of images, videos, and text files. e.g the output returned by 'Google Search.'

Semi-Structured Data - Semi-structured data is one of the types of big data related to the data containing both the formats referenced over, that is, unstructured and structured data. To be exact, it alludes to the data that, even though it has not been ordered under a specific database, yet contains essential tags or information that isolate singular components inside the data. e.g personal data stored in an XML file.

Application of Big Data Analytics in the banking industry:

1. **Risk Management and Fraud Detection :** Big data helps to develop customer profiles that enables one to keep track of transactional behaviour on an individual level. Big data in coming days will allow banks to make sure that no unauthorised transaction will be made, providing a level of safety and security that will reach the security standard of entire industry. It uses business intelligence and red flag on customer profile that are at higher risk than others. With the help of Big Data Analytics money laundering activities can be reduced significantly. It can help identifying doubtful activities like;
   - Single day cash deposit in large volumes
   - Transferring money to multiple accounts
   - Opening several accounts in a short period
   - Sudden activity in long dormant accounts
   - High volume international transfers
2. **Customer Acquisition and Retention:** For banks, customer acquisition is more costly than retaining old ones. In fact, it is almost eight times more expensive to get a new customer than to service existing one. Customer require lot many services. Bank cannot predict customer behaviour based on the traditional tools. Hence, banks are efficiently using Big Data Analytics to enhance customer value and better target their clients with relatable Marketing campaigns.

   Big data helps to facilitate in-depth customer profiles at fingertips thereby making it easier to build a stronger, long lasting customer relationship that drive customer retention. Retention/Winback through Soft Churn - Attrition of Savings Bank account balance, and Hard Churn - Funding of zero balance savings bank account customer
3. **Personalised Customer Experience:** Analysing big data gives insight into customer spending habit and patterns, simplifying the task of asserting their needs and wants. Based on the transaction Bank are able to categorise their clients based on various parameters, quick Resolutions, Real time recommendations, Individualized and Tailored Experience
4. **Process Optimization:** Big Data Analytics help in decision making like opening of branches and ATMs. It can also indicate to the bank which channels of Banking a customer prefers, whether it is the branch, ATM, internet or mobile banking. It helps the bank to focus on the same.
5. **Regulatory Compliance:** In the banking and financial sector, fiscal and monetary policies change frequently. Big Data Analytics can make dynamic decisions based on the latest policies. Big data algorithm also helps in dealing with compliance, audit and reporting issues.
6. **Product Innovation:** Based on the customer demographics and banking habits, bank can

design various products. It helps in increasing the profitability of a product based on the customer's estimated need.

7. **Better Monitoring and Transparency:** Big Data Analytics will help keep eye on malicious activities thereby alerting the authorities and increasing the transparency.
8. **Feedback Management:** Big data helps in collecting and analysing customer feedback. When the customer sees that bank hears and values their opinion and implements demand improvement, the customer loyalty and brand advocacy grows greatly.
9. **Data Culture cultivation and Informative Dashboards:** Creates an environment that employees look forward to working in using big data to monitor performance metrics, access employee feedback and employee satisfaction.
10. **Digital Innnovation:** Automated Credit Decisioning - Assessment , Pricing
11. **Monitoring and Collections:** Collection efficiency, early warning signals, Customer mapping with Collection agency
12. **ALM:** Forecasting Inflows/Outflows, Forecasting Premature Withdrawals/Closures,

Challenges in implementing big data:

1. **Lack of proper infrastructure:** Big data analysis requires advanced computing skill and advanced machine. Therefore, banks need to upgrade their infrastructure in line with present development.
2. **Data quality management:** To get the correct analysis of data the input data quality is very much essential. If the input data is incorrect, then the outcome will not be as per our requirement. Hence data cleaning is of prime importance.
3. **Lack of Data Governance, Data Privacy and Data Security:** Data governance policy defines the roles and responsibilities of the Bank officials, with internal and external parties, in relation to data access, retrieval, storage, disposal and availability of the Bank's data assets. Lack of Data governance in banks will result in improper data usage, data inconsistency which will affect the outcome of analytical models, improper regulatory reporting. Further Business Analytics Models involves Personally Identifiable Information (PII) data of customers, employees, vendors, stakeholders. Concerned Functional Units at times, are not fully aware of consequences that may erupt due to inadequate PII data protection measures. Upgradation of Technology has also provided increased means of security breaches. Hence robust security measures such as two-factor customer authentication, data encryption and real-time and permanent data masking is required.
4. **Data Silos, Integration of Legacy systems with Big Data Technologies:** In order to be analysed and put to effectively use the data is spread out across different segment which needs to be consolidated in Central repository. This way we can eliminate dirty data and preserve useful data.
5. **Financial Institutions are subject to more rules and regulations than ever before:** RBI has issued guidelines in June 2020 that all payment data shall be stored in system located only in India, including end-to-end transaction details and information pertaining to payment or settlement transaction that is gathered or transmitted as part of a payment instruction. Thus, we can say that financial institution is subject to more rules and regulations at present time than ever before.
6. **Lack of Skill Set – Identification of Big Data Professionals (Internal and External)**

FUTURE OF THE DATA IN BANKING:

According to a recent study by the International Data Corporation, Global revenues for big data and business analytics solution will **reach $662.63 billion by the end of 2028.** Machine learning and artificial Intelligence can be applied to loan portfolios to help banks target customers more effectively. These technologies can automatically review a Bank's customer database and highlight common data points such as credit score, household incomes, and demographics which the bank can then use to see which customer would be the right candidate for a loan or any other product. According to a survey by Business Application Research Centre, it was found that banks using Big Data Analytics reported 8% increase in revenue and 10% decrease in overall operation costs.

In the coming years, the focus will be on cyber security and other security initiatives as well as customer activity. So big data will be used for client and market optimisation, holistic risk management and regulatory compliance.

❖❖❖

Sanjay Kumar
Chief Manager,
Baroda Academy, Jaipur

डिजिटल करेंसी : अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग पर प्रभाव

बीते एक दशक में एथरियम डिजिटल मुद्राओं की बढ़ती लोकप्रियता ने विश्व भर के अधिकांश केंद्रीय बैंकों को उनके द्वारा नियंत्रित डिजिटल मुद्रा लॉन्च करने पर गंभीरता से विचार करने के लिये मजबूर कर दिया है. यह कैशलेस सोसाइटी के लक्ष्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था में डिजिटल मुद्रा की कमियों को दूर करने की दिशा में भी महत्त्वपूर्ण साबित होगी.

डिजिटल करेंसी, भारतीय रुपये का डिजिटल संस्करण है, जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के रूप में वित्तीय वर्ष 2022-23 में जारी किया गया है. भारत में पहली बार क्रिप्टोकरेंसी को टक्कर देने के लिए भारतीय करेंसी को डिजिटल रूप में लाया गया है. वित्तीय वर्ष 2022-23 में डिजिटल करेंसी अर्थात् सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू कर दिया गया है. वर्तमान में कुछ समय तक इसमें आने वाली चुनौतियों को परखा जाएगा और पूर्ण रूप से आश्वस्त होने के बाद इसके प्रयोग को पूरी तरह से शुरू किया जाएगा. देश में डिजिटल इकॉनमी को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डिजिटल रुपये की शुरूआत की है. विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह गेम चेंजर साबित हो सकता है. नकली करेंसी पर लगाम लगाने में ई रुपये की बड़ी भूमिका हो सकती है. सरकार का रुपये छापने का खर्च भी घटेगा. एक अर्थशास्त्री के अनुसार सरकार को रुपये छापने और उसके रखरखाव के लिए हर साल लगभग 6000 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं. डिजिटल रुपया लागू होने पर सरकार के इस खर्च में काफी कमी आएगी.

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अभी इसे होलसेल ट्रांजेक्शन के लिए जारी किया है. अगर सब कुछ ठीक रहा तो आने वाले समय में डिजिटल करेंसी का प्रयोग आम लोग भी करेंगे. ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि हमारी भारतीय अर्थव्यवस्था पर आखिर डिजिटल रुपया (करेंसी) के प्रचलन के क्या-क्या प्रभाव हो सकते हैं. अगर डिजिटल करेंसी को आम आदमी के लिए शुरू किया गया तो लोगों के पास में नकदी रखने की जरूरत कम हो जाएगी या फिर हो सकता है कि नकदी रखने की जरूरत ना पड़े. इसे आसानी से मोबाइल वॉलेट में रखा जा सकेगा. डिजिटल भुगतान संबंधी नवोन्मेषों के मामले में भारत दुनिया की अगुवाई कर रहा है. इसकी भुगतान प्रणालियां खुदरा और थोक दोनों ग्राहकों के लिए 24X7 उपलब्ध हैं. हमारे

यहाँ लेन–देने की लागत दुनिया में शायद सबसे कम है. पिछले पांच वर्षों में डिजिटल भुगतान में 55% के प्रभावशाली सीएजीआर पर वृद्धि हुई है.

1. **कार्यक्षमता :–** डिजिटल करेंसी कम खर्चीली होगी. ट्रांजेक्शन भी तेजी से होंगे साथ ही इसके मुक़ाबले करेंसी नोट्स की प्रिंटिंग खर्च, लेन–देन की लागत भी कम हो जाएगी. इससे बैंकों में नकदी जमा करने, नकदी निकालने की लाइनें भी कम हो जाएंगी और ई–लॉबी को ज्यादा से ज्यादा समर्थन मिलेगा.
2. **वित्तीय समावेशन :–** डिजिटल करेंसी के लिए किसी भी व्यक्ति को बैंक आने की जरूरत नहीं होगी. यह ऑफलाइन भी हो सकता है. इससे आम आदमी, दूर–दराज गाँव के हर व्यक्ति को इसका लाभ मिलेगा और उनके समय की भी बचत होगी. कोई भी सार्वजनिक अवकाश पैसे की लेन–देन में बाधा नहीं बनेगा. पैसे के लेन–देन के लिए कोई समय सीमा नहीं है, किसी भी समय किया जा सकेगा.
3. **भ्रष्टाचार पर रोक :–** डिजिटल करेंसी पर सरकार की नज़र रहेगी. डिजिटल रुपये की ट्रैकिंग हो सकेगी जो नकदी में संभव नहीं है. इससे नकली करेंसी की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा. कागज के नोट की प्रिंटिंग का भी खर्चा बचेगा. इसके अलावा सभी अधिकृत नेटवर्क के भीतर होने वाले लेन–देन सरकार की नोटिस में होंगे.
4. **मॉनीटरी पॉलिसी :–** रिज़र्व बैंक के हाथ में होगा कि डिजिटल करेंसी कब और कितना जारी करना है. मार्केट में रुपये की अधिकता या कमी को मैनेज किया जा सकेगा. अवैध मुद्रा की रोकथाम, आसान टैक्स वसूली और काले धन व मनी लॉड्रिंग पर लगाम लगेगी.
5. **जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा:** गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं के मौजूदा संकट, बैंक घोटाला और भारतीय वित्तीय प्रणाली

की मौजूदा स्थिति हमारे मौजूदा बैंकिंग मॉडल की नाजुकता का प्रमाण है.

- देश की सरकार अथवा केंद्रीय बैंक द्वारा समर्थित डिजिटल रुपया, भारतीय नियामकों को अर्थव्यवस्था में लेन–देन और ऋण प्रवाह की निगरानी में मदद करेगा, जिससे घोटालों और धोखाधड़ी की निगरानी करने में सहायता मिलेगी और जमाकर्ताओं के पैसे को भी सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी.
- इसके अलावा यह निवेशकों को मौजूदा अत्यधिक जोखिम वाली डिजिटल मुद्रा की तुलना में एक अधिक स्थिर और सुरक्षित विकल्प प्रदान करेगा.

6. **बैंकिंग प्रणाली के लिये नए आयाम:** डिजिटल रुपया बैंकों की अनुमति अथवा उनके साथ साझेदारी किये बिना भारत की लगभग सभी बड़ी प्रोद्योगिकी कंपनियों को फिनटेक कंपनी के रूप में परिवर्तित कर देगा. तकनीकी कंपनियों के लिये उन ग्राहकों को लुभाना आसान होगा, जिनकी पहुँच बैंकिंग सिस्टम तक नहीं है.
7. **कैशलेस सोसाइटी के लिये महत्त्वपूर्ण:** सरकार द्वारा समर्थित आधिकारिक डिजिटल मुद्रा आम उपयोगकर्ताओं और उपभोक्ताओं को नकदी का उपयोग न करने के प्रति प्रोत्साहित करने में महत्त्वपूर्ण हो सकती है, जोकि कर चोरी पर नियंत्रण हेतु काफी उपयोगी होगा.
   - डिजिटल रुपया स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट की मदद से कैशबैक, पैसे भेजने, ऋण देने, बीमा, शेयर खरीदने और दूसरे वित्तीय लेन–देनों को आसान बना देगा.

निष्कर्ष :– यह तो हम सभी जानते हैं कि किसी भी नई चीज के आ जाने से जितना उस चीज का फायदा होता है उतना ही नुकसान भी होता है. ठीक उसी प्रकार डिजिटल करेंसी, देश के लिए काफी अच्छा बदलाव साबित हो सकता है. आने वाले समय में डिजिटल करेंसी से भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है. यदि भारत सरकार के डिजिटल करेंसी लाँच के फैसले को कम चुनौतियों का सामना पड़े तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सही साबित हो सकता है. नई–नई टेक्नोलॉजी के प्रयोग से यह भारत के लोगों और सरकार को स्मार्ट नागरिक बनने की ओर जागरूक करता हुआ दिख रहा है. सिर्फ, सभी भारतीय नागरिकों को इसके उपयोग के लिए जागरूक करना पड़ेगा जिससे कि लोगों में इसका प्रयोग अधिक से अधिक हो सके. यह भारत की करेंसी को एक सस्ती और कुशल करेंसी प्रणाली की ओर ले जाता हुआ साबित हो सकता है. अंततः डिजिटल करेंसी से भारत कि अर्थव्यवस्था विकास की ओर बढ़ सकती है.

❖❖❖

रश्मि रानी
अधिकारी
सर्विस शाखा, नवी मुंबई क्षेत्र

Bank of Baroda clinches AIPS T-20 Cricket Tournament'23, Emerges as Champions of PSUs

Bank of Baroda has emerged as a champions of AIPS T-20 Cricket Tournament-2023 beating Air India by 3 wickets. In a nail-biting contest, BOB chased a mammoth total of 172 set by Air India. BOB after winning the crucial toss, had chosen to field first and invited Air India to Bat.

The match was dragged to a last over last ball thriller requiring 19 runs of the closing over, Bank finished it with style adding up 21 runs which included 3 magnificent sixes, one of them coming on the last ball when BOB required 4 more runs to win the match. Shri S.L. Akshay was adjudged the Player of the Match. Shri Akash Anand was the Best Batsman of the Tournament and Shri Krushang Patel was Best Bowler of the Tournament and the Captain of the Team Shri Rohan Kadam was pronounced as the Player of the tournament.

Earlier in the tournament, Bank had beaten EFPO and BSNL in the league matches and Coal India in the Semi-finals. The AIPS T-20 Cricket Tournament-2023 was conducted by Central Coalfields Ltd. (a Miniratna Company) at Ranchi. 10 Cricket Teams of various Public Sector Undertakings participated in the tournament. In the last edition of AIPS T-20 Cricket Tournament-2022, BOB team had finished runner-up.

Our heartiest congratulations to the entire Team for emerging as champions of AIPS T-20 Cricket Tournament'23 and making all Barodians proud.

Shri S.L. Akshay
Player of the Match (Finals)

Shri Akash Anand
Best Batsman of the Tournament

Shri Krushang Patel
Best Bowler of the Tournament

Shri Rohan Kadam
Player of the tournament

Presented by Team HRM, Head Office, Baroda

'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' की शुरुआत

यह सम्मान भारतीय भाषाओं में लिखे उपन्यासों पर केन्द्रित है जिसे मूल लेखक के साथ हिंदी अनुवादक को भी प्रदान किया जाएगा.

भारत जैसे बहुभाषी देश में सभी भारतीय भाषाओं का प्रयोग महत्त्वपूर्ण है क्योंकि ये राष्ट्र को विविधता प्रदान करते हुए एक समृद्ध विरासत के निर्माण में सहायक हैं. देश की सभी भाषाएं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं एवं अपने साहित्य के माध्यम से राष्ट्र की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संपन्न कर रही हैं. इसे ध्यान में रखते हुए बैंक द्वारा 20 जनवरी, 2023 को 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' स्थापित किए जाने की घोषणा की गई. हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा ने जयपुर में आयोजित जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के एक विशेष सत्र में इस सम्मान की शुरुआत की घोषणा की. इस अवसर पर हमारे कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, बुकर पुरस्कार से सम्मानित बहुचर्चित लेखिका सुश्री गीतांजलि श्री सहित देश-विदेश के साहित्य प्रेमी, भाषाविद् सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे.

बैंक द्वारा इस सम्मान की शुरुआत भारतीय भाषाओं में साहित्यिक लेखन कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है. यह 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा राष्ट्रभाषा सम्मान' भारतीय भाषाओं के बीच सामंजस्य को बढ़ाने और आम

लोगों के लिए हिंदी में श्रेष्ठ भारतीय साहित्य उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है. यह सम्मान भारत में साहित्यिक अनुवाद कार्य को भी प्रोत्साहित करेगा.

पुरस्कार के संबंध में घोषणा करते हुए हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस शुरुआत को भारतीय भाषाओं के मूल साहित्य और हिंदी में इनके अनुवाद कार्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया. उन्होंने कहा कि बैंक की इस पहल से न केवल हिंदी भाषा में भारतीय साहित्य के अनुवाद कार्य को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि इससे दूसरी भारतीय भाषाओं में भी गुणवत्तापूर्वक लेखन को बढ़ावा मिलेगा. दोनों ही रूपों में इससे भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापरक लेखन को प्रोत्साहन मिलेगा. यह पुरस्कार साहित्यिक अनुवाद कार्य को बढ़ावा देने में बेहद कारगर होगा.

कार्यपालक निदेशक श्री अजय के. खुराना ने कहा कि "यह बैंक के लिए एक ऐतिहासिक कदम है. हम इस सम्मान की शुरुआत कर भारतीय भाषा, साहित्य और अनुवाद तीनों क्षेत्रों के लिए अहम योगदान देने वाले हैं."

यह पुरस्कार मूल रूप से क्षेत्रीय भाषाओं में लिखे गए चयनित उपन्यास के मूल लेखक और इसके हिंदी अनुवादक, दोनों को ही प्रदान किया जाएगा. इसके तहत प्रति वर्ष सम्मानित उपन्यास के मूल लेखक को रु. 21.00 लाख तथा उस कृति के हिंदी अनुवादक को रु. 15.00 लाख तथा अन्य पांच चयनित कृतियों के लिए प्रत्येक मूल लेखक को रु. 3.00 लाख तथा हिंदी अनुवादक को रु. 2.00 लाख की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी.

प्रस्तुति : टीम 'बॉबमैत्री'

ESG

Mandatory Disclosure under Sustainable and Ethical Framework

ESG is a term used to represent an organization's corporate financial interests that focus mainly on sustainable and ethical impacts. ESG stands for environmental, social and governance. These are called pillars in ESG frameworks and represent the 3 main topic areas that companies are expected to report in. **The goal of ESG is to capture all the non-financial risks and opportunities inherent to a company's day to day activities.**

Why ESG ?

Presently the world is facing number of global challenges: climate change, balancing economic needs with societal needs. Investors, regulators, as well as consumers and employees are now increasingly demanding that an ethical company should be good in financial aspect as well as natural and social capital should be sound and have the necessary governance framework.

Environmental Pillar:

The Environmental Pillar explains about the company's report on Emissions such as greenhouse gases and air, water and ground pollution emissions. Resources use such as whether a company uses virgin or recycled materials in its production processes. Similarly, companies are expected to be good in water resources. Land use concerns like deforestation and biodiversity disclosures also fall under this Pillar.

Social Pillar:

Social Pillar explains about company's report on how they manage their employees development and labour practices. It also explains about the product liabilities regarding the safety and quality of the product. Supply chain, labour health and safety standards and controversial sourcing issues. The companies are also expected to report on how they provide access to their products and services to underprivileged social groups.

Governance Pillar

The main issues reported under the Governance Pillar are shareholders rights, board diversity, how executives are compensated and how their compensation is aligned with the company's sustainability performance. It also includes matters of corporate behaviour such as anti-competitive practices and corruption. Company leadership, Board composition, including diversity and structure, Donations and political lobbying, Tax strategy, including audit committee structure, internal controls and regulatory policies. Whistle blower programs are other areas of Governance Pillar.

ESG in India

In 2021, at Conference of Parties (CoP26) which addressed climate change in Glasgow, India also pledged that it would achieve the goal of net-zero emissions by 2070.

To accomplish this, Indian Government legislature has implemented many policies to adopt a more sustainable way of business and promote a Circular Economy, one of them being Environment, Social, and Governance (ESG) Reporting.

ESG related regulations in India are specified under various legislation, including -

ENVIRONMENTAL LAWS: Environment (Protection) Act, 1986, Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 and Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981, Wildlife (Protection) Act, 1972, the Forest (Conservation) Act, 1980 and the Biological Diversity Act, 2002

LABOUR LAWS: i. Factories Act, 1948 , ii. Payment of Wages Act, 1936, Minimum Wages Act, 1948 and Equal Remuneration Act, 1976 iii. Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 and Child and Adolescent Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986, iv. Trade Unions Act, 1926, provides for registration of a trade unions and the rights/liabilities

of a registered trade union., v Employees State Insurance Act, 1948, Employees Provident Fund and Miscellaneous Provision Act,1952, Payment of Gratuity Act, 1972 and Maternity Benefit Act, 1961 are other social security laws introduced for the benefit of workforce and for their overall well-being.

The First stipulation regarding **Environment, Social, and Governance (ESG)** Reporting was introduced in The Companies Act, 2013. According to section 134(3), Companies are required to include the report compiled by their Board of directors regarding the conservation of energy accompanying the annual financial statement, which is further described in Rule 8(3) (A) of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

Along with this, Regulation 34(3) of SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulation 2015 (LODR Regulations) also provides for companies to include disclosure of opportunities, risks, concerns and threats as a part of their annual report, which was further amended under Regulation 34(2)(f) which introduce the BRSR framework in 2021.

The new guideline replaces the previous BRR (Business Responsibility Report), making it mandatory for the top 1000 listed companies to annually report ESG related information from the financial year 2022-2023.

Further, the Indian Banks Association (IBA) has also published guidelines for responsible financing regarding the integration of ESG risk management into the financial institution's decision-making process, business strategy, and operations.

ESG REPORTING IN INDIA

The BRSR framework

From financial year 2022-2023, the top 1,000 listed companies in India (by market capitalisation) will need to prepare a 'Business Responsibility and Sustainability Report' (or **"BRSR"**), containing detailed ESG disclosures. The BRSR has to be a part of the annual report, which gets notified to the stock exchanges, published on official company websites, and separately provided to shareholders.

Both the BRSR and the BRR were designed around the nine business sustainability principles identified by the Ministry of Corporate Affairs in their voluntary ESG guidelines published in 2011. The BRR was not well received, since it was based on ESG disclosure requirements almost entirely on the nine sustainability principles from the MCA ESG Guidelines (often, as a Y/N questionnaire) and provided very little meaningful ESG data. The BRSR, on the other hand, built upon the framework of the MCA ESG Guidelines, derives inspiration from international reporting frameworks like the GRI standards, and provides for detailed ESG data, both qualitative and quantitative.

Other ESG disclosure requirements

The BRSR framework is not mandatory for smaller listed companies and unlisted public or private companies in India. Such companies can still voluntarily adopt the BRSR framework.

Outside of the BRSR framework, there are very few mandatory ESG disclosure requirements in India. These include, for example, disclosures regarding energy conservation in the annual reports of Indian companies and statements in board reports regarding compliance with laws prohibiting sexual harassment.

For now, ESG reporting remains a priority for large-listed companies only, but smaller companies, particularly those seeking private investments, should also start thinking about their ESG risks and opportunities. In addition, ESG considerations are expected to soon find their way into credit assessments by banks and other private lenders.

Conclusion

ESG reporting is critical for a rising economy like India because it gives all stakeholders the chance to create a system of economic measurement that goes beyond traditional financial measurements. By mandating ESG reporting by Indian corporations, SEBI is making efforts to support the fulfilment of the Paris Climate Change Convention and the Sustainable Development Goals of the United Nations. In a simple manner, the main objective of ESG norms is basically to ensure that businesses are conducted in a more responsible manner. Adoption of responsible business practices by companies to cover the ESG aspects are as vital as their financial and operational performance. Compliance with ESG norms essentially requires every business to be accountable for the responsibility it has towards the environment as well as the people who make up the entire ecosystem either as employees or customers or other stakeholders.

Reference:

- https://www.theguardian.com/world/2021/nov/01
- https://www.mca.gov.in/Ministry/pdf/CompaniesAct2013.pdf
- https://www.sebi.gov.in/legal/regulations/jan-2020/
- Indian Bank's Association, National Voluntary Guidelines for Responsible Financing, Executive https://www.cafral.org.in/sfControl/content/LearningTakeaWays

❖❖❖

Shilpa Kukreti
Sr. Manager & Faculty
Baroda Academy, Jaipur

बैंकिंग में साइबर अपराधों के प्रकार एवं निवारक उपाय

साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है, जिसमें हैकिंग, स्पैमिंग, फ़िशिंग आदि जैसे अपराधों के लिए कंप्यूटर का उपयोग किया जाता है. इंटरनेट का उपयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ने से दुनिया नजदीक आती जा रही है. वर्ल्ड वाइड वेब एक व्यापक प्रक्रिया की तरह लगती है, लेकिन आश्चर्य है कि इसका एक गुण दुनिया को अपने उपयोगकर्ताओं के लिए स्वयं की उपस्थिति हेतु एक छोटी जगह बना रहा है. तथापि, यह ऐसे लोगों के लिए साइबर अपराध जैसी समस्या पैदा करने में भी सफल हुआ है जो साइबर वर्ल्ड को ब्राउज़ करने में लंबा समय बिताते हैं. उपयोगकर्ता के व्यक्तिगत कंप्यूटर, स्मार्टफोन डेटा, सामाजिक माध्यम से व्यक्तिगत विवरण, व्यापार रहस्य, राष्ट्रीय रहस्य आदि को हैक करने के लिए कंप्यूटर अपराधी इंटरनेट और कंप्यूटर तकनीक का उपयोग करते हैं. जबकि कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस समस्या से निपटने की कोशिश कर रही हैं, फिर भी यह लगातार बढ़ रही है और कई लोग हैकिंग, चोरी, पहचान की चोरी और दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर के शिकार हो गए हैं. साइबर अपराधों का शिकार होने से बचने और अपनी संवेदनशील जानकारी की रक्षा करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक अभेद्य सुरक्षा का उपयोग करना है जो इंटरनेट पर भेजी या एक्सेस की गई किसी भी जानकारी को प्रमाणित करने के लिए सॉफ़्टवेयर और हार्डवेयर की एकीकृत प्रणाली का उपयोग करता है.

साइबर अपराध के प्रकार

जब कोई अपराध इंटरनेट पर किया जाता है, तो उसे साइबर अपराध कहा जाता है. साइबर अपराध कई प्रकार के होते हैं और उनमें से सबसे सामान्य अपराध निम्नानुसार हैं:

हैकिंग: यह एक प्रकार का अपराध है, जिसमें किसी व्यक्ति के कंप्यूटर तक पहुँचा जाता है, ताकि उसकी व्यक्तिगत या संवेदनशील जानकारी प्राप्त की जा सके. संयुक्त राज्य अमेरिका में हैकिंग को एक घोर अपराध के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह दंडनीय है. यह एथिकल हैकिंग से अलग है जिसका उपयोग कई संगठन अपनी इंटरनेट सुरक्षा की जांच के लिए करते हैं. हैकिंग में अपराधी किसी व्यक्ति के कंप्यूटर में एक्सेस के लिए कई तरह के सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है. इसमें ऐसा भी हो सकता है कि संबंधित व्यक्ति को इस बात की जानकारी न हो कि उसके कंप्यूटर को किसी दूरस्थ स्थान से एक्सेस किया जा रहा है.

चोरी (Piracy): यह अपराध तब संभव होता है, जब कोई व्यक्ति कॉपीराइट का उल्लंघन करता है और संगीत, फिल्म, गेम एवं सॉफ्टवेयर डाउनलोड करता है. यहाँ तक कि साझा करने वाली वेबसाइट भी हैं, जो सॉफ्टवेयर चोरी को प्रोत्साहित करती हैं और इनमें से कई वेबसाइट पर अब एफबीआई द्वारा निगरानी रखी जा रही है. आज न्याय प्रणाली इस साइबर अपराध की ओर ध्यान केंद्रित कर रही है और ऐसे नियम हैं जो लोगों को अवैध रूप से डाउनलोड करने से रोकते हैं.

साइबर स्टॉकिंग: यह एक प्रकार का ऑनलाइन उत्पीड़न है, जिसमें पीड़ित को ऑनलाइन संदेशों और ईमेल का व्यापक रूप से सामना करना पड़ता है. आमतौर पर, ये स्टाकर अपने शिकार को जानते हैं और ऑफलाइन स्टाकिंग का सहारा लेने के बजाय, वे स्टाक करने के लिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं. यदि उन्हें लगता है कि साइबर स्टाकिंग का अधिक प्रभाव नहीं हो रहा है, तो वे पीड़ितों के जीवन को और अधिक कष्टतर बनाने के लिए साइबर स्टाकिंग के साथ-साथ ऑफलाइन स्टाकिंग शुरू करते हैं.

पहचान-चोरी (Identity Theft): नकदी लेन-देन और बैंकिंग सेवाओं के लिए इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोगों के लिए यह एक बड़ी समस्या बन गई है. इस प्रकार के साइबर अपराध में अपराधी द्वारा संबंधित व्यक्ति के बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड, सामाजिक सुरक्षा नंबर, डेबिट कार्ड और अन्य संवेदनशील जानकारी के बारे में डेटा

का उपयोग किया जाता है ताकि पैसे लूटे जा सकें या पीड़ित के नाम पर ऑनलाइन चीजें खरीदी जा सकें. इससे पीड़ित को बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है और यहां तक कि पीड़ित की क्रेडिट रेटिंग भी खराब हो सकती है.

मलिशियस सॉफ़्टवेयर: ये इंटरनेट-आधारित सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम हैं जिनका उपयोग किसी नेटवर्क में अवरोध पैदा करने के लिए किया जाता है. इस सॉफ़्टवेयर का उपयोग संवेदनशील जानकारी या डेटा चोरी करने या सिस्टम में मौजूद सॉफ़्टवेयर को नुकसान पहुंचाने के लिए सिस्टम तक पहुंच प्राप्त करने के लिए किया जाता है.

बाल शोषण और दुर्व्यवहार: यह भी एक प्रकार का साइबर अपराध है जिसमें अपराधी बाल पोर्नोग्राफी के उद्देश्य से चैट रूम के माध्यम से नाबालिग को फंसाते हैं. एफबीआई बच्चों द्वारा बार-बार प्रयोग किए जाने वाले चैट रूम की निगरानी में बहुत समय व्यतीत कर रही है ताकि बाल शोषण को कम करने, रोकने और उन्हें फँसाने से बचाया जा सके.

साइबर अपराध के कारण

जहां कहीं निवेश पर प्रतिफल की दर अधिक हो और जोखिम कम हो, वहां आपको ऐसे लोग मिलेंगे जो स्थिति का लाभ उठाने के लिए तैयार होंगे. साइबर क्राइम में कुछ ऐसा ही होता है. संवेदनशील जानकारी और डेटा तक पहुंच बनाना तथा इसका उपयोग करना और ऐसे अपराधियों को पकड़ना मुश्किल है. इसलिए, इसने दुनिया भर में साइबर अपराध में वृद्धि की है.

साइबर अपराध का इतिहास

वर्ष 1990 के दशक में जब कंप्यूटर और नेटवर्क अस्तित्व में आए तो हैकिंग मूल रूप से सिस्टम के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए की गई थी. सर्वश्रेष्ठ हैकर का टैग जीतने के लिए हैकर्स ने एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा भी की. इसके परिणामस्वरूप, सेना से लेकर व्यावसायिक संगठनों तक कई नेटवर्क प्रभावित हुए. प्रारंभ में, चूँकि ये दीर्घकालिक खतरा पैदा नहीं करते थे, अतः हैकिंग के इन प्रयासों को केवल उपद्रव के रूप में खारिज कर दिया गया था. हालाँकि, उसी अवधि के दौरान मलिशियस सॉफ़्टवेयर सर्वव्यापी हो गए, हैकिंग ने नेटवर्क और सिस्टम को धीमा करना शुरू कर दिया. जैसे-जैसे हैकर अधिक कुशल होते गए, उन्होंने अपने ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग दूसरों का शोषण और शिकार करके लाभ प्राप्त करने के लिए करना शुरू कर दिया.

आधुनिक समाज में साइबर अपराध

आज, साइबर अपराध में शामिल अपराधी अहंकार या विशेषज्ञता से प्रेरित नहीं होते हैं. इसके बजाय, वे जल्दी से लाभ प्राप्त करने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करना चाहते हैं. वे चोरी करने, लोगों को धोखा देने और उनका शोषण करने के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि उन्हें ईमानदारी से दिन में काम किए बिना पैसा कमाना आसान लगता है.

साइबर अपराध आज वास्तविक खतरा बन गए हैं और पुराने जमाने के अपराधों जैसे लूटपाट, या चोरी से काफी अलग हैं. इन अपराधों के विपरीत, साइबर अपराध अकेले ही किए जा सकते हैं और इसके लिए अपराधियों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होती है. इस प्रकार के अपराध एक दूरस्थ स्थान से किए जा सकते हैं और अपराधियों को देश में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं होती है जहां वे अपराध कर रहे हैं. वहीं सिस्टम, जिसने लोगों के लिए ई-कॉमर्स और ऑनलाइन लेनदेन करना आसान बना दिया है, अब साइबर अपराधियों द्वारा इसका दुरुपयोग किया जा रहा है.

साइबर अपराध की श्रेणियाँ

साइबर अपराधों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित के विरुद्ध अपराध शामिल हैं:

- व्यक्ति
- संपत्ति
- सरकार

प्रत्येक श्रेणी द्वारा विभिन्न पद्धतियों का उपयोग किया जाता है और उपयोग की जाने वाली पद्धतियां एक अपराधी की दूसरे अपराधी से भिन्न होती हैं.

व्यक्ति: इस प्रकार का साइबर अपराध साइबर स्टॉकिंग, पोर्नोग्राफी वितरित करने, तस्करी (ट्रैफिकिंग) आदि के रूप में हो सकता है. आज, कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा इस श्रेणी के साइबर अपराध को बहुत गंभीरता से देखा जा रहा है और अपराधियों तक पहुंचने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेना शामिल हो रही है.

संपत्ति: जैसे वास्तविक दुनिया में जहां एक अपराधी चोरी और लूट कर सकता है, साइबर दुनिया में भी अपराधी चोरी और लूट का सहारा लेते हैं. इस मामले में, वे किसी व्यक्ति के बैंक विवरण चुरा सकते हैं और पैसे निकाल सकते हैं. ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग; भोले-भाले लोगों की मेहनत की कमाई से घोटाला; किसी संगठन की वेबसाइट को एक्सेस करने या संगठन के सिस्टम में अवरोध पैदा करने के लिए मलिशियस सॉफ़्टवेयर का उपयोग कर सकते हैं. सॉफ़्टवेयर और हार्डवेयर को भी नुकसान पहुंचाने के लिए मलिशियस सॉफ़्टवेयर का उपयोग किया जा सकता है, ठीक उसी तरह जैसे ऑफ़लाइन दुनिया में गुंडे लोग संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं.

सरकार: हालांकि अन्य दो श्रेणियों की तरह यह सामान्य नहीं है. सरकार के खिलाफ अपराधों को साइबर आतंकवाद के रूप में माना जाता है. सफल होने पर यह श्रेणी अनियमितताएँ पैदा कर सकती है और नागरिकों में दहशत पैदा कर सकती है. इस श्रेणी में अपराधी सरकारी वेबसाइट और सैन्य वेबसाइट को हैक करते हैं. अपराधी आतंकवादी संगठन या अन्य देशों की अमित्र सरकार हो सकती हैं.

साइबर अपराधों को रोकने के कुछ तरीके नीचे बताए गए हैं:

1. **मजबूत पासवर्ड का उपयोग करके:** प्रत्येक खाते के लिए अलग-अलग पासवर्ड बनाना चाहिए. कमजोर पासवर्ड को आसानी से जाना जा सकता है. निम्नलिखित पासवर्ड संयोजन, पासवर्ड को हैकिंग के प्रति अधिक प्रवृत्त बना सकते हैं:
   - पासवर्ड के लिए कीबोर्ड पैटर्न का उपयोग करना. जैसे – wrtdghu
   - बहुत आसान संयोजनों का उपयोग करना. जैसे – सन 1999, जनवरी 2000
   - डिफ़ॉल्ट पासवर्ड का उपयोग करना. जैसे – हैलो123, मधु123
   - पासवर्ड को यूजरनेम के समान ही रखना. जैसे – मधु_मधु
2. **सोशल मीडिया को निजी रखें:** सुनिश्चित करें कि आपके सोशल नेटवर्किंग प्रोफाइल (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) निजी अथवा व्यक्तिगत रहे. एक बार अपनी सुरक्षा सेटिंग्स की जांच करना सुनिश्चित करें. आपके द्वारा ऑनलाइन पोस्ट की जाने वाली जानकारी से सावधान रहें. एक बार अगर आप इंटरनेट पर कुछ पोस्ट करते हैं तो वह हमेशा के लिए बना रहेगा.
3. **अपने स्टोरेज विवरण को सुरक्षित रखें:** वित्तीय और कर से संबंधित अपनी महत्वपूर्ण राजनयिक फाइलों के लिए एन्क्रिप्शन का उपयोग करके अपने डेटा को सुरक्षित रखें.
4. **अपनी ऑनलाइन पहचान सुरक्षित करना:** जब हम व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन प्रदान कर रहे हैं तो हमें बहुत सतर्क रहना होगा. इंटरनेट पर अपना नाम, पता, फोन नंबर और वित्तीय जानकारी जैसी व्यक्तिगत आईडी देते समय आपको सतर्क रहना चाहिए. यह सुनिश्चित करें कि जब आप ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हों, तो संबंधित वेबसाइट सुरक्षित हों. इसमें सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करते समय आपकी गोपनीयता सेटिंग्स को अनुमति देना शामिल है.
5. **बार-बार पासवर्ड बदलते रहें:** जब पासवर्ड की बात हो, तो एक पासवर्ड तक ही सीमित न रहें. आप अपना पासवर्ड बार-बार बदल सकते हैं, ताकि हैकर्स के लिए पासवर्ड और संग्रहीत डेटा तक पहुंचना मुश्किल हो जाए.
6. **अपने फोन को सुरक्षित करना:** बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि उनके मोबाइल डिवाइस कंप्यूटर वायरस और हैकर्स जैसे मलिशियस सॉफ़्टवेयर के लिए भी असुरक्षित हैं. कृपया सुनिश्चित करें कि आप केवल विश्वसनीय स्रोतों से ऐप्लिकेशन डाउनलोड करते हैं. अज्ञात स्रोतों से सॉफ्टवेयर/ ऐप्लिकेशन डाउनलोड न करें. यह भी महत्वपूर्ण है कि आप अपने ऑपरेटिंग सिस्टम को अद्यतन (अप-टू-डेट) रखें. एंटी-वायरस सॉफ़्टवेयर इंस्टाल करें और सुरक्षित लॉक स्क्रीन का भी उपयोग करना सुनिश्चित करें. अन्यथा, यदि आपने फोन खो दिया है, तो कोई भी आपकी सभी व्यक्तिगत जानकारी को आपके फ़ोन पर पुनः प्राप्त कर सकता है. हैकर्स आपके जीपीएस के जरिए मलिशियस सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल करके आपके प्रत्येक कार्यकलाप को ट्रैक कर सकते हैं.
7. **सहायता के लिए सही व्यक्ति से संपर्क करना:** अगर आप पीड़ित हैं तो घबराएं नहीं. यदि आपको बाल शोषण जैसी अवैध ऑनलाइन सामग्री मिलती है या यदि आपको लगता है कि यह एक साइबर अपराध या पहचान की चोरी या एक वाणिज्यिक घोटाला है, तो किसी भी अन्य अपराध की तरह ही अपनी स्थानीय पुलिस को इसकी रिपोर्ट करें. साइबर क्राइम पर मदद पाने के लिए बहुत सारी वेबसाइट हैं.
8. **अपने कंप्यूटर को सुरक्षा सॉफ़्टवेयर से सुरक्षित रखें:** कई प्रकार के सुरक्षा सॉफ़्टवेयर हैं, जो बुनियादी ऑनलाइन सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं. सुरक्षा सॉफ़्टवेयर में फ़ायरवॉल और एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर शामिल हैं. फ़ायरवॉल आमतौर पर आपके कंप्यूटर की सुरक्षा की पहली आवश्यकता है. यह नियंत्रित करता है कि इंटरनेट पर कौन, क्या और कहां से संचार कर रहा है. इसलिए, आपके कंप्यूटर की सुरक्षा के लिए विश्वसनीय स्रोतों से सुरक्षा सॉफ़्टवेयर स्थापित करना बेहतर है.

❖❖❖

बी एस शरवणन
प्रबंधक
डिब्रूगढ़ शाखा

राष्ट्रीयकृत बैंकों में वसूली एवं अग्रिम निगरानी की आवश्यकताएं

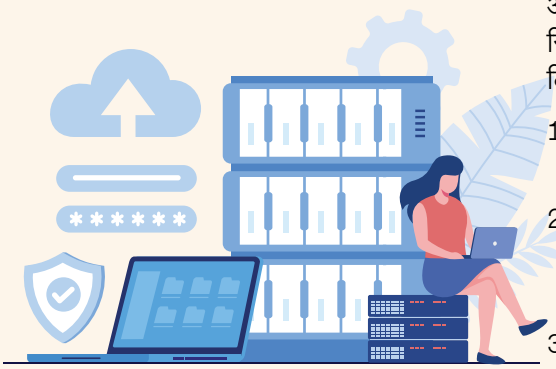

बदलते हुए वैश्विक व्यावसायिक परिदृश्य में सामाजिक उत्थान और सभी वर्ग के लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा मुद्रा लोन, स्टैंडअप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, केसीसी जैसे व्यावसायिक तथा आवास ऋण, वाणिज्यिक वाहन ऋण, पर्सनल ऋण, गोल्ड ऋण आदि प्रभावी रूप से ग्राहकों को उपलब्ध कराए गए हैं. इससे न केवल देश के युवाओं को रोज़गार के नए अवसर मिले हैं बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर भारत को नई दिशा भी मिली है.

ऋण एक वित्तीय संस्था द्वारा विशेष अवधि के लिए प्रदान किया जाता है जबकि अग्रिम कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बैंकों द्वारा व्यवसाय को प्रदान की जाने वाली ऐसी धनराशि है जो एक वर्ष के भीतर देय होनी है.

ऋण की निगरानी या अग्रिम राशियों की निगरानी को निरंतर आधार पर अग्रिम राशि के खाते की निगरानी के तौर पर समझा जा सकता है तथा मंजूरी की शर्तों और निबंधनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उधार लेने वाली इकाइयों पर नजर रखी जा सकती है. कई बार एक प्रश्न उठता है कि निगरानी की प्रक्रिया कैसे और कब शुरू की जाए. मूलतः यह पोर्टफोलियों में नए अग्रिम खातों के जुड़ने के साथ ही शुरू हो जाता है. ऋण देने के सिद्धांतों का पालन, ग्राहक की उचित पहचान, व्यापार गतिविधि/ परियोजना की व्यवहार्यता की जांच और ऋण की जरूरतों का आकलन ऐसे कार्य हैं जिनमें निश्चित रूप से समय लगता है. जबकि यह उपाय अच्छी गुणवत्ता की आस्तियों के सृजन को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है.

अग्रिम राशियों की निगरानी का मुख्य लक्ष्य निरंतर आधार पर आस्तियों की गुणवत्ता का रखरखाव करने के साथ बैंक के लिए लाभ अर्जित करना होता है. अग्रिम राशियों की नियमित निगरानी की जरूरत निम्नलिखित के लिए होती है:

1. निर्धारित उद्देश्य हेतु निधियों का उचित उपयोग सुनिश्चित करना.
2. यह पता लगाना कि मंजूरी के निर्धारित नियम और शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है या नहीं.
3. ऋण आवेदन में बताई गई गतिविधियों और निष्पादित दस्तावेजों के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए अग्रिम निधियों का उपयोग.
4. बैंक ऋण से निर्मित आस्तियों की गुणवत्ता का ध्यान रखना.
5. ऋण खातों की गुणवत्ता में कमी के बारे में शुरुआती चेतावनी संकेतों का पता लगाना और उपचारात्मक उपायों को शुरू करना.

बैंकों के वाणिज्यिक उद्देश्य में ऋण देने के व्यापार से अधिक से अधिक लाभ कमाना, ऋण पर दी गई राशि की प्रतिपूर्ति बनाए रखना शामिल है. अग्रिम राशियों की निगरानी बैंक का एक प्रभावी साधन है जो उन्हें निरंतर आधार पर अपने वाणिज्यिक उद्देश्य पूरे करने में सहायता प्रदान करता है. एक प्रकार से क्रेडिट की निगरानी को अग्रिम धनराशि के पोर्टफोलियो पर निवारक सतर्कता (Preventive Vigilance) का एक प्रकार माना जा सकता है.

अग्रिम निगरानी से अग्रिम खातों में लेनदेन की निगरानी कर सकते हैं. यह संभव है कि उधारकर्ता ने गिरवी रखे गए स्टॉक को बेच दिया बजाए इसके कि खाते में बिक्री से प्राप्त राशि को जमा किया जाए या इसे व्यक्तिगत उपयोग के लिए इस्तेमाल किया गया. वह किसी अन्य बैंक में खाता भी खोल सकता है और उस खाते के जरिए बिक्री से होने वाली प्राप्ति से नियमित तौर पर लेनदेन करना शुरू कर सकता है. यह कार्य धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है. निगरानी की वजह से हम इससे बच सकते हैं. खातों की नियमित रूप से वार्षिक समीक्षा की जानी चाहिए नकदी क्रेडिट सीमाओं का वार्षिक नवीनीकरंण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि क्या एक वर्ष पहले मंजूर की गई क्रेडिट सीमा अब तक पर्याप्त है या इसमें वर्तमान व्यापार जरूरतों से कम है. स्टॉक विवरण, तिमाही प्रगति रिपोर्ट, प्रचलन विवरण, तुलनपत्र, लेखा बही की सार्थक छानबीन करने से अन्य बैंकों के साथ रखे गए खातों का पता लगाया जा सकता है. इसी के साथ व्यापार गतिविधियों की निगरानी हम रख सकते हैं और कुछ बाहरी कारण हो सकते हैं जो खातों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकते हैं, जैसे कि मुख्य व्यक्ति की मौत, गंभीर बीमारी, स्पर्धा में अचानक वृद्धि, नई तकनीक से उभरना, सरकारी नीतियों में बदलाव, प्राकृतिक आपदा आदि ऐसी परिस्थितियों में बैंकर को वित्तीय सहायता देना अनिवार्य हो जाता है ताकि इकाई इन अस्थाई समस्याओं से उबर सके.

जिस प्रकार से ऋण की निगरानी आवश्यक है उसी प्रकार से गैर निष्पादित आस्तियों की वसूली भी होनी चाहिए. यह भी एक आवश्यक बात है. इससे बैंकों को मिलने वाले लाभ में बढ़ोत्तरी होगी, जिससे सरकार के पास राजस्व ज्यादा पहुंचेगा. सरकार की निवेश क्षमताओं में बढ़ोत्तरी होगी. निवेश बढ़ने से अर्थव्यवस्था की विकास दर बढ़ेगी. आधारभूत संरचनाओं का निर्माण होगा. कृषि की बेहतरी हेतु सरकार प्रयास कर सकेगी और अर्थव्यवस्था को एक मजबूती मिलेगी. बैंक नए ऋण बिना किसी भय के प्रदान कर सकेंगे. इससे बेरोजगारी घटेगी. बैंकों का प्रावधानीकरण कम होगा. मुनाफा बढ़ेगा और बैंक अपने विस्तार और ग्राहक सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे. गैर निष्पादित आस्तियों में वसूली एवं अग्रिम निगरानी दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए हमें दोनों पर अत्यावश्यक ध्यान केंद्रित करना होगा.

❖❖❖

वैभव संजयराव पत्की
अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय
दबावग्रस्त अस्तियां
एवं वसूली शाखा, अमरावती क्षेत्र

मुंबई अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

13 फरवरी, 2023 को मुंबई अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री संजीव चड्ढा, कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप अंचल प्रमुख श्री अर्शद खान, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जोधपुर क्षेत्र में व्यवसाय समीक्षा बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

जोधपुर क्षेत्र द्वारा 8 फरवरी, 2023 को शाखाओं के लिए व्यवसाय समीक्षा बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री ललित कु. सिपानी, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Mangaluru Zone conducts training for Bank's Armed Guards

Annual Training and Firing Practice 2022-23 for Bank's Armed Guards was conducted by Mangaluru Zone on 4-5 January, 2023 at Mangaluru. Zonal Head Mrs. Ghayathri R, Deputy Zonal Head Sri Gopalakrishna R, Deputy General Manager (Network) Shri Vinay Gupta and other staff members were present on the occasion.

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 156वीं बैठक का आयोजन

10 मार्च, 2023 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 156 वीं बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना, अंचल प्रमुख श्री कमलेश कुमार चौधरी, उप अंचल प्रमुख श्री सुधांशु शेखर खमारी, राजस्थान सरकार की प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता विभाग श्रीमती श्रेया गुहा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भावनगर क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों की बैठक का आयोजन

19 फरवरी, 2023 को भावनगर क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों की व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुधीरंजन साहु, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

चंडीगढ़ अंचल द्वारा व्यवसाय बैठक का आयोजन

18 मार्च, 2023 को चंडीगढ़ अंचल द्वारा बैंक के उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करने हेतु पंजाब प्रिज़न पुलिस के साथ व्यावसायिक बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, चंडीगढ़ क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार यादव तथा पंजाब प्रिज़न पुलिस के डीआईजी श्री सुरिंदर सिंह तथा अन्य कार्यपालकगण उपस्थित रहे.

बैंक द्वारा लखनऊ में आयोजित ग्लोबल सबमिट में प्रतिभागिता

10–12 फरवरी, 2023 के दौरान लखनऊ में आयोजित ग्लोबल सबमिट में बैंक ने अपना स्टाल लगाया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री देबदत्त चाँद, अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री ए पी दास, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

आगरा क्षेत्र द्वारा एमएसएमई बैठक का आयोजन

16 फरवरी, 2023 को आगरा क्षेत्र द्वारा उद्यमियों के लिए निर्यातक/ एमएसएमई बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री राकेश कुमार, बीसीसी, मुंबई के उप महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार झा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक शुक्ला, आगरा फुटवियर मैनूफैक्चर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पूरन डावर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बड़ौदा अंचल द्वारा ग्राहकों के लिए पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन

02 मार्च, 2023 को बड़ौदा अंचल द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के ग्राहकों के लिए पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में वडोदरा महानगरपालिका के आयुक्त श्री बंचनिधि पाणि, अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री भवानी सिंह राठौड़, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्रीमती वीणा के शाह, क्षेत्रीय प्रमुख (बड़ौदा शहर क्षेत्र) श्री ललित कुमार अदलखा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन

03 मार्च, 2023 को कोलकाता मेट्रो 2 क्षेत्र द्वारा सभी शाखाओं हेतु व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री देबब्रत दास, उप अंचल प्रमुख श्रीमती मौसमी मित्रा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री पी के दास, क्षेत्रीय प्रमुख श्री बानीब्रत बिश्वास, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री पबित्र मल्लिक, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

कोटा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन

16 फरवरी, 2023 को कोटा क्षेत्र की शाखाओं की लेखापरीक्षा समीक्षा संबंधी बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर आतंरिक लेखा परीक्षा के प्रभारी उप महाप्रबंधक श्री के. वी. चलपथी नायडू, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भरूच क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन

12 जनवरी, 2023 को भरूच क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया तथा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सचिन वर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी. के.चौधरी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भोपाल अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

06 मार्च, 2023 को कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना की अध्यक्षता में भोपाल अंचल द्वारा स्टाफ सदस्यों हेतु टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक श्री पुरूषोत्तम, अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख श्री नीलब चंद्र राय, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, भोपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के तलरेजा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बड़ौदा शहर क्षेत्र–II को प्राइड 5.0 के तहत सम्मान

06–23 फरवरी, 2023 के दौरान आयोजित विशेष स्वास्थ्य बीमा ड्राइव के तहत बड़ौदा शहर–II क्षेत्र को क्वालिफाई करने पर सम्मानित किया गया. 25 फरवरी, 2023 को कोच्चि में आयोजित सम्मान समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता रॉय द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया.

उदयपुर क्षेत्र को उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मान

12 फरवरी, 2023 को उदयपुर क्षेत्र को बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड ईएफ़ओ सीरीज़–1 एवं 2 में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी को सम्मानित किया गया.

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन

21 फरवरी, 2023 को बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा विभिन्न मानदंडों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरबिन्द कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमरेश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

नागपुर क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक तथा सम्मान समारोह का आयोजन

18 जनवरी, 2023 को नागपुर क्षेत्र द्वारा शाखाओं के लिए व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया और श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित भी किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राजेश कुमार, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भरूच क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन

06 मार्च, 2023 को भरूच क्षेत्र द्वारा शाखाओं के लिए व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सचिन वर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी. के. चौधरी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अखिल भारतीय वसूली सम्मेलन का आयोजन

12–13 फरवरी 2023 को कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार खुराना की अध्यक्षता में इंदौर में अखिल भारतीय वसूली सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बैंक के निदेशक श्री अजय सिंघल, अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी. डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख श्री नीलब चन्द्र राय, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मिड कॉर्पोरेट शाखा, भोपाल द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन

11 जनवरी, 2023 को मिड कॉर्पोरेट शाखा, भोपाल द्वारा बैंकिंग उत्पादों की जानकारी देने हेतु ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक (मिड कॉर्पोरेट) श्री अमित तुली, अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी तथा सहायक महाप्रबंधक (मिड कॉर्पोरेट, भोपाल) श्री राजेश फुलवानी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

उडुपी II क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

17 जनवरी, 2023 को स्वच्छता पखवाडा के अवसर पर उडुपी II क्षेत्र द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अंवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री रवि एच जी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रशांत कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

रतलाम क्षेत्र द्वारा व्यवसाय प्रतिनिधियों का सम्मान

18 मार्च, 2023 को रतलाम क्षेत्र द्वारा व्यवसाय प्रतिनिधियों, कॉर्पोरेट व्यवसाय प्रतिनिधियों एवं पर्यवेक्षकों हेतु प्रशिक्षण सह सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर रतलाम क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध इनामदार तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंबर जोशी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यवसाय प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया.

भोपाल क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन

18 जनवरी, 2023 को भोपाल क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भोपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार तलरेजा, टी टी नगर शाखा के सहायक महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Mangaluru Zone conducts Branch Heads Review Meeting

On 21st March, 2023 Mangaluru Zone conducted Branch Heads Review Meeting. Executive Director Shri Ajay K Khurana, Zonal Head Smt Ghayathri R, Deputy Zonal Head Shri Gopalkrishna R, Deputy General Manager (Network) Shri Vinay Gupta, dignitaries and other Staff Members were present on the occasion.

मुंबई अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

25 जनवरी, 2023 को मुंबई अंचल द्वारा विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप अंचल प्रमुख श्री अर्शद खान, क्षेत्रीय प्रमुख, उप क्षेत्रीय प्रमुख, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

औरंगाबाद क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

22 जनवरी, 2023 को औरंगाबाद क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री दीपक कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री किशोर बाबू के वी के तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजकोट अंचल को हेल्थ प्रीमियर लीग क्लैश ऑफ टाइटन में पुरस्कार

26 फरवरी, 2023 को कोच्चि में आयोजित हेल्थ प्रीमियर लीग संबंधी सम्मान समारोह में राजकोट अंचल 'क्लेश ऑफ टाइटन' का विजेता रहा. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री जे बी रोहड़ा सहित सभी क्षेत्रीय प्रमुखों को सम्मानित किया गया.

उदयपुर क्षेत्र में व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन

25 जनवरी, 2023 को उदयपुर क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों हेतु व्यवसाय समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनादि भट्ट तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजकोट अंचल द्वारा ग्राहक संवाद कार्यक्रम का आयोजन

22 फरवरी, 2023 को राजकोट अंचल द्वारा ग्राहक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई से उप महाप्रबंधक (एमएसएमई) श्री शिबाशिष मिश्रा, अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप अंचल प्रमुख श्री जे बी रोहड़ा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख (राजकोट क्षेत्र) श्री अंजनी कुमार सिंगल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

सुरेंद्रनगर क्षेत्र द्वारा किसान मेला का आयोजन

21 जनवरी, 2023 को सुरेंद्रनगर क्षेत्र की पालीयाड शाखा द्वारा कृषि मेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रशांत कुमार बल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी के ठाकुर एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जूनागढ़ क्षेत्र को 'गोल्ड लोन के सुपर स्टार' अभियान के अंतर्गत सम्मान

05 फरवरी, 2023 को जूनागढ़ क्षेत्र को अखिल भारतीय स्तर पर 'गोल्ड लोन के सुपर स्टार' कैंपेन के अंतर्गत क्वालिफाई करने पर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री पराग शिरगांवकर को कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना द्वारा सम्मानित किया गया.

भरतपुर क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान रैली का आयोजन

25 जनवरी, 2023 को भरतपुर क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया. इस रैली में क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवराम मीणा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया.

चंडीगढ़ अंचल द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन

09 फरवरी, 2023 को श्री दिनेश पंत, मुख्य महाप्रबंधक, परिचालन एवं सेवाएं विभाग ने चंडीगढ़ क्षेत्र का दौरा किया और क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, चंडीगढ़ क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार यादव तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजकोट क्षेत्र द्वारा सिक्का मेला का आयोजन

राजकोट क्षेत्र द्वारा 06-08 मार्च, 2023 के दौरान सिक्का मेला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप अंचल प्रमुख श्री जे बी रोहड़ा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंजनी कुमार सिंगल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

वलसाड क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान जागरूकता अभियान का आयोजन

वलसाड क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत 21 जनवरी, 2023 को स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री शैलेंद्र सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जोधपुर क्षेत्र की बिलाड़ा शाखा द्वारा ऋण मेले का आयोजन

13 जनवरी, 2023 को जोधपुर क्षेत्र की बिलाड़ा शाखा द्वारा ऋण मेले का आयोजन किया गया. इस अवसर पर एसएलबीसी (जयपुर) के सहायक महाप्रबंधक श्री आलोक सिंघल, नगरपालिका बिलाड़ा के श्री जितेंन्द्र भाटी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

POSH Act

- In the context of Corporates

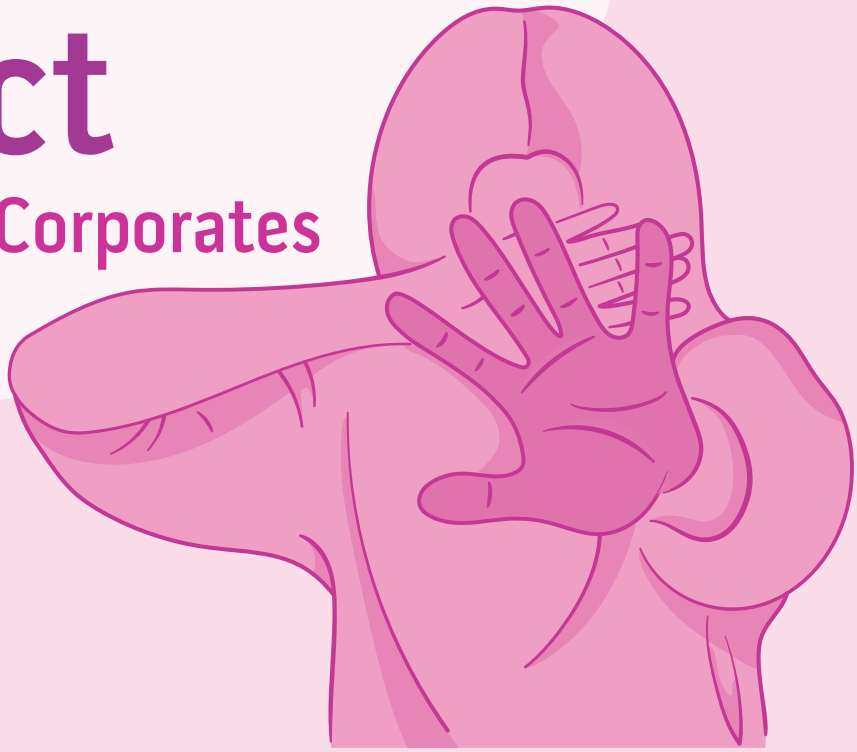

While working in corporate world, it is imperative to understand the provisions of the POSH Act, as it has significant implications for banks and financial institutions. POSH is comprehensive legislation enacted to forestall workplace sexual harassment against women and provide them with a secure working environment.

The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 ('POSH Act') was enforced by the Ministry of Women and Child Development in 2013. Prior to the POSH Act, India did not have any legislation addressing the issue of sexual harassment at the workplace.

In recent years, there have been several high-profile cases of sexual harassment and misconduct in the corporate sector in India. Let's poke in some of these incidents to understand the vulnerabilities:-

- The case of a former CEO of a leading Indian media company who was accused of sexual harassment by several female employees. The company's internal complaints committee investigated the allegations and found the CEO guilty. He was subsequently asked to step down from his position.
- In 2018, a well-known Indian businessman was accused of sexual harassment by a former employee. The woman filed a complaint with the company's ICC, which found the businessman guilty of misconduct. He was forced to resign from his position and the company issued a public apology.
- In 2020, a senior executive of a leading Indian IT company was accused of sexual harassment by a former employee. The company's ICC conducted an investigation and found the executive guilty of misconduct. He was terminated from his job and the company issued a statement condemning his behavior.
- In 2021, a senior executive of a leading Indian hospitality company was accused of sexual harassment by a female employee. The company's ICC conducted an investigation and found the executive guilty of misconduct. He was terminated from his job and the company issued a statement condemning his behavior.

All these incidents highlight the importance of having strong policies and procedures in place to prevent and address sexual harassment at the workplace. This concludes that the POSH Act is an important step towards creating safe and inclusive work environments for all employees in India.

Sexual-harassment cases have a big effect on the organization and abuse, or maybe harassment may negatively influence the corporate financially in stock market. Apart from these financial losses are incurred in several other indirect ways.

- Employees productivity declines.
- Affects Goodwill for company - It could affect the corporate much more compared to what a financial fraud will.
- Affects Employees - The prevalence of harassment makes any office environment non-conducive for the female workforce.
- An unsuitable environment results in work dissatisfaction and absenteeism.
- Women who have experienced or are affected by sexual harassment within the workplace undergo debilitating stress reactions, including depression and stress. This dramatically impacts employee growth.
- A substantial amount of personnel quit their tasks on account of the prevalence of sexual harassment.

The above discourse on the impacts of the POSH act on the corporates reveals that the POSH Act has extreme effects on the organization. The manner of implementation of the POSH act influences the way the public perceive the corporate organization.

From above we understand that the POSH Act is an essential piece of legislation that has been enacted to protect women from sexual harassment at the workplace. The POSH Act has played a crucial role in creating a safe and secure work environment for women and our bank is committed in ensuring its effective implementation. Let's understand steps taken by our Bank in this area –

- Our Bank has taken proactive steps to comply with all the discussed provisions of the POSH Act in the policy issued by our Bank. We have developed a policy on prevention and prohibition of sexual harassment at the workplace and circulated it to all employees vide **circular BCC:BR:102:284 dtd 06.10.2010** and revised guidelines issued vide **BCC:BR:106:221 dtd 12.05.2014.**
- The details of latest members of ICC has been circulated vide circular **HO:BR:111/360 dtd 21.12.2019** and HO:BR:114/162 dtd 01.08.2022 where in **Mrs. Archana Pandey, Chief General Manager – RRBs & RSETIs and FI & CSR** is currently handling the position of Chief Liasoning Officer of Our Bank for handling cases under POSH Act.
- Apart from this, inclusion of act as a part of MANDATORY COURSE to have a revision of ACT at regular interval has been implemented .
- Quizzes under Weekly quiz in GURUKUL application are being conducted frequently to make the BARODIAN understand the ACT in Q&A format.
- Conducting Special Programs for members of ICC handling the POSH cases, floating infographics, conducting awareness and sensitization programs and Webinars on the POSH Act are the other methods used to sensitize all Barodians, thus ensuring that employees are aware of the complaint mechanism and the role of the ICC.

Benefits of conducting PoSH training/Awareness Programs :-

1. Higher job satisfaction and employee engagement
2. Higher productivity and collaboration among employees
3. Higher retention of valuable employees and talent
4. Improvement in workplace culture
5. Respect for colleagues

It is not difficult to create an environment that is protected, warm, friendly and safe; it just requires focus and attention. The most effective weapon against Sexual Harassment is awareness.

- The POSH Act places significant responsibility on the employers to prevent sexual harassment at the workplace. Our Bank ensures that we have a robust mechanism in place to prevent sexual harassment. We have set up a grievance redressal mechanism to address complaints of sexual harassment. The mechanism is accessible, transparent and effective.
- Bank of Baroda has a zero-tolerance policy towards sexual harassment. Our policy clearly states the consequences of engaging in sexual harassment.

In Conclusion, the POSH Act has played a crucial role in creating a safe and secure work environment for women, and banks must do their part in ensuring its effective implementation.

Further, the legislature has to fill the gaps and loopholes present in the act. Otherwise, the act would be reduced to futile legislation.

❖❖❖

Shilpa Chandrikapure
Sr. Manager & Faculty
BA, BHOPAL

अखिल भारतीय सेमिनार

'डिजिटल ऋण'

बैंक ऑफ़ बड़ौदा में राजभाषा कार्यान्वयन की एक समृद्ध परंपरा है. बैंक अपने नवोन्मेषी कार्यों की श्रृंखला में वर्ष 2013 से अखिल भारतीय सेमिनारों का लगातार आयोजन करता आ रहा है जिसका अनुसरण अन्य बैंकों ने किया है. 'आस्ति प्रबंधन', 'खुदरा ऋण', 'ग्रामीण विपणन के विविध आयाम', 'विमुद्रीकरण और डिजिटल भारत', 'बैंकिंग में डिजिटल परिवर्तन–दशा और दिशा', 'कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की संभावनाएं', 'भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका', 'बैंकिंग में अनुपालन संस्कृति', बैंकिंग में साइबर अपराध' जैसे विषयों पर आयोजित सेमिनारों की कड़ी में बैंक द्वारा इस वर्ष भी दिनांक 06 फरवरी, 2023 को अमृतसर (पंजाब) में भारतीय रिज़र्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के लिए अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया. यह सेमिनार 'डिजिटल ऋण' विषय पर आयोजित हुआ जिसे विभिन्न बैंकों से बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला. हमारे पाठकों के लिए प्रस्तुत है इस सेमिनार की संक्षिप्त रिपोर्ट – कार्यकारी संपादक

बैंक के प्रधान कार्यालय (राजभाषा विभाग) के संयोजन में 06 फरवरी, 2023 को भारतीय रिज़र्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के लिए 'डिजिटल ऋण' विषय पर अमृतसर (पंजाब) में अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की सचिव सुश्री अंशुली आर्या, आई.ए.एस द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया. अपने मार्गदर्शी संबोधन में उन्होंने बैंक द्वारा राजभाषा के प्रचार–प्रसार हेतु किए जा रहे अभिनव पहलों की सराहना की और बैंक द्वारा राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को अन्य संस्थानों के लिए अनुकरणीय बताया.

इस अवसर पर चंडीगढ़ अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, मुख्य आयकर आयुक्त एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अमृतसर सुश्री जहांजेब अख्तर, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर–I) के उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री के पी शर्मा, प्रधान कार्यालय, वडोदरा से प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र, अमृतसर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक कुमार भी उपस्थित रहे.

इस सेमिनार के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों से 'डिजिटल ऋण से संबद्ध 2 उप–विषयों अर्थात् डिजिटल ऋण: चुनौतियां एवं संभावनाएं' तथा 'डिजिटल ऋण–जोखिम एवं विनियामक आवश्यकताएं' पर आलेख आमंत्रित किए गए थे. सेमिनार का संचालन दो सत्रों में किया गया

जिसमें चयनित प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी. प्रत्येक सत्र के समापन पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया.

उद्घाटन सत्र में सेमिनार की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह ने कहा कि बैंक द्वारा लगातार 9 वर्षों से हिंदी माध्यम में इस तरह के अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है जिसमें किसी ज्वलंत विषय पर बैंकों, वित्तीय संस्थानों एवं बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों से हिंदी में आलेख आमंत्रित किए जाते हैं एवं श्रेष्ठ आलेखों के लेखकों को प्रस्तुति हेतु सेमिनार में आमंत्रित किया जाता है. वर्तमान समय में डिजिटलीकरण को गति देने तथा इससे संदर्भित प्रक्रियाओं के विषय में जागरूकता लाने के प्रयोजन से डिजिटल ऋण विषय को हिंदी में विचार–मंथन हेतु चयनित किया गया. इस अवसर पर पिछले वर्ष के सेमिनार के लिए प्राप्त और चयनित आलेखों के संकलन की ई–पुस्तक 'बैंकिंग में साइबर अपराध तथा बैंक की एमएसएमई उत्पादों की द्विभाषिक पुस्तिका का विमोचन किया गया. साथ ही, बैंक की पत्रिकाओं से युक्त ऐप बॉब अभिव्यक्ति ऐप 2.0 का भी विमोचन किया गया.

अपने विशेष संबोधन में मुख्य आयकर आयुक्त एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अमृतसर सुश्री जहांजेब अख्तर ने एक प्रासंगिक और समीचीन विषय पर हिंदी माध्यम से सेमिनार आयोजित करने हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा की सराहना की. इसी क्रम में भारतीय रिज़र्व बैंक के महाप्रबंधक श्री हेमंत कुमार सोनी ने प्रतिवर्ष बैंक द्वारा किसी ज्वलंत विषय पर सेमिनार आयोजित करने को अनुकरणीय बताया. साथ ही, बैंक द्वारा सेमिनार के विषयों के चयन को भी सराहनीय बताया. तदुपरांत, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर–I), के उप निदेशक, (कार्यान्वयन) श्री के पी शर्मा ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा संघ की राजभाषा नीति के अनुरूप प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन की सराहना की.

सेमिनार के प्रथम सत्र में डिजिटल ऋण से संबद्ध उप–विषय 'डिजिटल ऋण: चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर आमंत्रित प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी. प्रथम सत्र की अध्यक्षता श्री हेमंत कुमार सोनी, महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, भोपाल, सह–अध्यक्षता श्री संजय सिंह, प्रमुख – राजभाषा एवं संसदीय समिति, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की तथा संचालन सुश्री बबीता उपाध्याय, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया.

सेमिनार के द्वितीय सत्र में 'डिजिटल ऋण–जोखिम एवं विनियामक आवश्यकताएं' विषय पर प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी. इस सत्र की अध्यक्षता श्री विमल कुमार नेगी, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, चंडीगढ़ अंचल और सह–अध्यक्षता श्री संजय सिंह, प्रमुख – राजभाषा एवं संसदीय समिति, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की तथा सुश्री मोनिका सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने इस सत्र का संचालन किया. सेमिनार को ज्ञानवर्द्धक और रोचक बनाने के उद्देश्य से सभी प्रतिभागियों हेतु डिजिटल ऋण विषय पर ऑनलाइन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया. अंत में आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

प्रस्तुति: टीम 'बॉबमैत्री'

देखें सुनें सब की, परंतु दिखाने वाला प्रकाश अपना हो.

पद्मश्री सितांशु यशश्चन्द्र

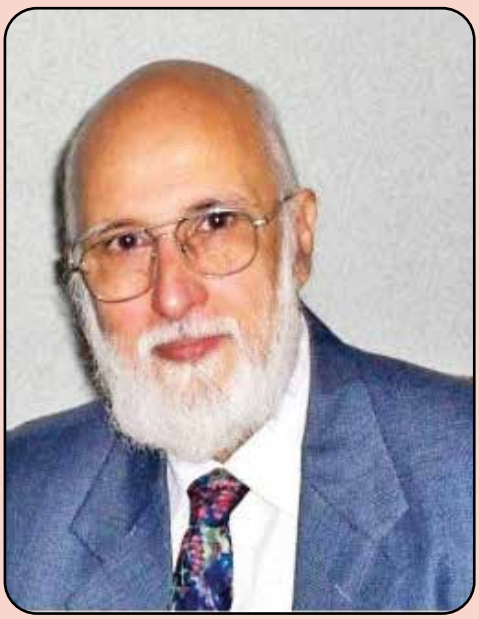

भाषा और साहित्य समाज के निर्माण और विकास में सहायक होते हैं. हमारी भाषाएं सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान के लिए दर्पण का कार्य करती हैं. इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए हमने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विविध भाषाओं के मर्मज्ञ पद्मश्री सितांशु यशश्चन्द्र जी से बातचीत की. आप प्रख्यात कवि, नाटककार और शिक्षाविद हैं. आपके अध्ययन, अध्यापन और शोध का मुख्य क्षेत्र गुजराती भाषा और साहित्य रहा है. भाषा और साहित्य के क्षेत्र में आपके विशिष्ट योगदान को रेखांकित करते हुए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2006 में आपको 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया. अन्य महत्वपूर्ण पुरस्कारों और सम्मानों के तहत 1987 में आपके काव्य संकलन 'जटायु' के लिए आपको 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' प्रदान किया गया. आपके काव्य संग्रह 'वखार' के लिए 2017 में 'सरस्वती सम्मान' से सम्मानित किया गया. आपने एमएस विश्वविद्यालय, वडोदरा में अध्यापन कार्य किया है. आपने सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट के कुलपति के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं. आपने सोरबोन विश्वविद्यालय, फ्रांस, लोयोला मैरीमाउंट विश्वविद्यालय, यूएसए और जादवपुर विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दी है. 1977 में आपको साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रकाशित भारतीय साहित्य का विश्वकोश (Encyclopedia of Indian Literature) का मुख्य संपादक नियुक्त किया गया. आपने 1993 की हिंदी फिल्म 'माया मेमसाब' की पटकथा भी लिखी है. बॉबमैत्री के इस अंक में हम इनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश अपने पाठकों के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं – कार्यकारी संपादक

कृपया आप अपने प्रारंभिक जीवन और शिक्षा के बारे में कुछ बताएं.

आपसे संवाद करना मेरे लिये अत्यंत खुशी का विषय है! इसके माध्यम से फिर आदरणीय संजय जी एवं पुनीत जी से भी मिलना होगा. हमारी यह आत्मीय बातचीत भले ही एक लघु-विश्व या माइक्रो-कोसम सी लगे, लेकिन उसमें दो बड़े विश्व के संवाद की भी कुछ संभावना है – यथा वाणिज्य विश्व और वाणी विश्व का एक छोटा सा मिलन !

मेरा जन्म कच्छ राज्य के भुज शहर में, 1941 में हुआ. पिताजी, यशश्चंद्र जी, तब कच्छ राज्य के प्रसिद्ध चीफ जस्टिस थे. वे 52 वर्ष की आयु में फरवरी, 1947 में स्वर्गवासी हो गए. मेरी माताजी, पंकजनयना तब 42 वर्ष की थीं. मेरे चार भाई और दो बहनें हैं. हमारा पैतृक निवास वडोदरा के पास पेटलाद में है. वहां हमारी बड़ी हवेली थी, पर छोटा सा शहर. मां हमें विद्याधाम जैसे वडोदरा नगर में ले आई. मेरी प्राथमिक शिक्षा वहीं से शुरु हुई. आगे की पढ़ाई मुंबई में गुजराती एवं संस्कृत साहित्य में हुई. लेकिन, भुज, पेटलाद, वडोदरा, मुंबई विस्थापनों के बीच भी माता के वत्सल वीरत्व का सातत्य बना रहा, वह भी एक पढ़ाई थी. 1968-71 में फुल्ब्राइट स्कॉलरशिप से अमरीका और 1971-72 में फोर्ड फेलोशिप से फ्रांस में पाश्चात्य साहित्य-विद्या का अध्ययन किया. फिर से मुंबई, वहां से दिल्ली (साहित्य अकादमी में 'एंसाइक्लोपीडिया ऑफ इन्डियन लिटरेचर' के चीफ एडिटर के रूप में, 1978 – 82), वडोदरा (एम एस युनिवर्सिटी में गुजराती विभाग में प्रोफेसर, अध्यक्ष, 1982-2003), राजकोट (सौराष्ट्र युनिवर्सिटी में वाइस चांसलर, 1990-93) और अब, 2022 में फिर वडोदरा में, जहां अभ्यास जारी है! मानो एक अविरत आनंद चक्र! – अथवा, मानो बार-बार फेल होने वाला विद्यार्थी एक ही स्कूल में बहुत वर्षों से पढ़ता रहा हो!

आपको लेखन और सृजन की प्रेरणा कहां से मिली.

'प्रेरणा' और 'गुरु' के बारे में दत्तात्रेय जी को एक अच्छा मॉडल मानता हूं. वे स्वयं ही एक सिद्ध गुरु थे, किंतु उन्होंने अपने अनेक गुरु बनाए थे, चौबीस के आसपास! मानो प्रेरणा देने वाली मूर्तियां चारो और हों, मृग

> *साहित्य मेरे लिये विश्व-साहित्य के रूप में प्रकट होता गया. मैं खुली आंखें, खुले कान से उसे देखता, सुनता रहा. एक आनंदमय यात्रा का अनुभव करता रहा...*

से मीन तक, पंछी से अजगर तक, शिशु से सर्प तक! – एक ही शर्त, खासतौर पर हमारे आज के इस ऑप्टिकल इलूजन के समय में देखने के लिए जो प्रकाश चाहिए वह प्रकाश मेरे भीतर से आये. 'आत्म दीपो भव', उसी उजयारे में कुछ पढ़ो, कुछ लिखो. देखें सुनें सब की, परंतु दिखाने वाला प्रकाश अपना हो.

भाषा संबंधी अध्ययन/अध्यापन कार्य के लिए विदेश जाने की शुरुआत कैसे हुई?

मुंबई विश्वविद्यालय में एम.ए. तक तो गुजराती भाषा साहित्य ही मेरे अध्ययन का मुख्य विषय रहा. लेकिन गुजराती साहित्य और भाषा को सन्निकट जाकर देखा तो जाना कि गुजराती भाषा एवं साहित्य को संपोषण देती हुई इसकी बहुतेरी जड़ें हैं और ये जड़ें कहां–कहां तक फैली हुई हैं! संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश; फारसी, अंग्रेजी, पुर्तगाली; मेवाड़ी, मेवाती, मारवाड़ी, खड़ी बोली, ब्रजभाषा; मराठी, तमिल, बांग्ला कहां–कहां तक मेरी मातृभाषा की मूल – जाल (रूट– सिस्टम) फैली हुई है; जैसे हिंदी की भी. बचपन में जब हम वडोदरा में गुल्ली डंडा खेलते थे तो गुल्ली कहां तक गई यह गिनने के लिये तेलुगू भाषा के अंक (1,2,3 आदि) जाने बिना हम बोलते थे: 'वकट, रेंट, लेंड' आदि! यह खेल मध्यकाल में आंध्र प्रदेश से गुजरात आया होगा.

हमारा भारतवर्ष काफी विस्तृत है लेकिन स्नायुबद्ध है – भीतर से पूरा जुडा हुआ है. गुजराती साहित्य के मूल – जाल या रूट सिस्टम को ढूंढते–ढूंढते, एक परिवार सा और बॉटनिस्ट की तरह मैं विविध जगह पहुंच गया. अमरीका में कंपेरेटिव लिटरेचर या साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन में एम.ए. और पीएच. डी. का अध्ययन किया जो इसी यात्रा का एक अंश है. पेरिस की सोर्बोन यूनिवर्सिटी में अध्यापन किया, शोध किया; अमरीका की पेन्सिल्वेनिया और शिकागो यूनिवर्सिटी में अध्यापन एवं शोध किया और फिर कलकत्ता की जादवपुर यूनिवर्सिटी आदि में अध्यापन किया. ये सभी एक ही विद्या–यात्रा के डेरे रहे. क्रमशः, साहित्य मेरे लिये विश्व–साहित्य के रूप में प्रकट होता गया. मैं खुली आंखें, खुले कान से उसे देखता, सुनता रहा...एक आनंदमय यात्रा का अनुभव करता रहा.

जाहिर है कि विदेश में अध्ययन–अध्यापन कार्य आपके लिए बहुत सहज नहीं रहा होगा. कृपया इस संबंध में अपने समक्ष उत्पन्न चुनौतियों के बारे में बताएं.

खान–पान आदि की छोटी–मोटी कठिनाइयों को दरकिनार (यद्यपि वो कम नहीं थीं) करें तो दो चुनौतियां मुख्य कही जा सकती हैं; पहला, दूसरों के लिये हमारे मन में एकत्रित हमारे पूर्वाग्रह और दूसरा, हमारे लिए एकत्रित दूसरों के पूर्वाग्रह. दो विकराल ग्राह या मगरमच्छ पानी में पड़े राह देख रहे हैं, नदी पार कैसे करें? ऐसे में आप दो चीजें करें; पहला, भारत से विदेश जाने वाले विद्यार्थी या शिक्षक अपने प्रवास के लिए बड़े–बड़े बक्से साथ न ले जाएं. अपने विचारों का बोझ यहीं रख कर प्रस्थान करें. दूसरा, पीटर मारित्सबर्ग रेल्वे स्टेशन का मिथ्याभिमानी मास्टर किसी विदेशी को ट्रेन से धकेल कर प्लेटफॉर्म पर गिरा दे, ये भी कत्तई ठीक नहीं! – अर्थात्, दो सावधानियां मुझे बरतनी पड़ी: साहित्य तथा संस्कृति के बारे में भारत ने मुझे जो दिया था, सब कुछ ले कर मैं

> ***आप पंछी हैं, किसी को अपने पर काटने मत देना. आप ही पेड़ भी हैं, किसी को अपनी जड़ें काटने मत देना. साहित्य आप के पंख हैं. स्वभाषा आपकी जड़ें...***

दूसरी सभ्यताओं के विद्यासंकुलों में नहीं गया, उसमें से जो अनिवार्य था, केवल उसे ही साथ ले गया. दूसरा, विदेशी सभ्यता के भी मिथ्याभिमान होते हैं. खास तौर पर उनका कोलोनियल एरोगन्स कई जगह बरकरार है. उस पर तनिक भी वश न होने का सामर्थ्य तो गांधी ने हमें दिया है – न केवल भारत को, अन्यत्र भी, किंग मंडेला, रूगोवा आदि. पहली दो चुनौतियां, इस तरह अंदर से और बाहर से आती हैं. इनसे निपटा जा सकता है. लेकिन तीसरी समस्या कठिन है: देश– विदेश के इस द्वंद्व से निकलकर एक मानवीय अखिल विश्व की ओर अग्रसर होना. 'सा विद्या या विमुक्तये'.

हमारी दोनों भाषाएं, गुजराती और हिंदी, मानवीय अखिल विश्व की भाषाएं बनें, यही उनकी सच्ची व्यापकता होगी.

शिक्षण कार्य में एक बात बहुत महत्वपूर्ण है कि जो पढ़ाया जा रहा है उसे विद्यार्थी ठीक से समझें . विद्यार्थियों में भाषा संबंधी ज्ञान की समझ सही हो, इसके लिए आपने क्या तरीका अपनाया?

भाषा संबंधी ज्ञान की समझ की बात आपने ठीक ही उठायी है. शिक्षण में प्रत्यायन की समस्या की जड़ें वहीं जाती हैं. उपाय क्या है? अध्यापक क्या कर सकते हैं? जो झुक न सके वह शिक्षक कैसा? जो दूसरे का दृष्टिकोण देख न सके वह मानव कैसा? विद्यार्थी, विशेषतः विश्वविद्यालय कक्षा के विद्यार्थी अपने साथ अपनी सोच, अपने दृष्टिकोण की शक्ति लिये हुए आते हैं, दृष्टि–मर्यादा के बड़े–बड़े बक्से भी साथ लाते हैं! शिक्षक झुक कर विद्यार्थी के हाथ को ऐसे भारी, निरर्थक बोझ से मुक्त करवाता है. 'अन–लर्निंग' (हम इसे 'दुर्विद्या–मुक्ति' कहें?) विद्याभ्यास का प्रथम सोपान है.

अध्यापन में भाषा की समस्या बड़ी है. उसका निराकरण 'लेखन–वाचन' से अधिक 'कथन–श्रवण' में मुझे मिला है. विद्यार्थी भाषा और परिभाषा, दोनों का अर्जन क्लास रूम लेक्चर्स से कहीं अधिक सिम्पोसियम, सेमिनार, गोष्ठी और वन–टु–वन बातचीत से करते हैं. प्राचीन काल के गुरुकुल की तरह अध्यापक के पास विद्यार्थी के लिये समय होना चाहिए, तभी विद्यार्थी विद्या–गिरि के पर्वतारोही बनेंगे. अन्यथा डिजनी वर्ल्ड या अन्य एम्युजमेंट पार्क की 'राइड्स' में चिल्लाते हुए, माता पिता के पैसे बर्बाद कर, भविष्य में समाज का अहित करते रहेंगे. युनिवर्सिटी में जो अध्यापक हैं उनकी अपनी विद्यासाधना ऐसी अविरत होनी चाहिए जिसे देख कर विद्यार्थी अपने आप ही सीखता जाए. इसलिए स्कूल, कॉलेज एवं पब्लिक – प्राइवेट विश्वविद्यालयों का व्यावसायीकरण अविलंब रोकने वाला शासक वर्ग होना चाहिए. लोकशाही राज व्यवस्था में ऐसे शासक वर्ग का चयन प्रजा की जिम्मेदारी है.

भाषा संबंधी ज्ञान की समस्या व्यापक है. कई लोगों के मुख में जा कर मेरी गुजराती भाषा भी परायी सी हो जाती है, समझ नहीं पाता कि सत्ताप्रमत्त

या धनप्रमत्त महानुभाव क्या बोल रहे हैं. अध्यापक कभी भी सत्ताशील नहीं होना चाहिए. झुक कर वो जो बोलेगा, विद्यार्थी समझ जायेगा, भले ही वह ग्रीक या लैटिन हो, संस्कृत या तमिल या हिंदी ही क्यों न हो!

आपके विचार में भारत से बाहर संस्कृत और हिंदी प्राध्यापन की क्या स्थिति है?

विश्वभर में हिंदी का प्राध्यापन विस्तृत हो रहा है, संस्कृत का सिमट रहा है. ऐसी स्वविघातक स्थिति ठीक नहीं है. हिंदी (तथा अन्य कई आधुनिक भारतीय भाषाओं) का प्राध्यापन सही ढंग से करने के लिए हिंदी (और अन्य भारतीय भाषाओं) के पूरे संदर्भ से अवगत होना आवश्यक है. संस्कृत साहित्य को जाने बिना यह संभव नहीं है. कंबन (तमिल) और वाल्मीकि को जाने बिना तुलसी को क्या पहचानेंगे? दूसरी बात रही केवल ऐसी हिंदी भाषा के परिचय की जो वाणिज्य में उपयोगी बने. क्या हिंदी को हम वाणिज्य की भाषा बनाना चाहते हैं? क्या कोई भी भाषा केवल वाणिज्य की भाषा या राज्य सत्ता की भाषा बने रहते हुए एक स्वस्थ, सशक्त मानवीय भाषा बन सकती है? भारत से बाहर न केवल संस्कृत का, न केवल हिंदी का, न केवल तमिल का प्राध्यापन कराने वाले केंद्रों को बढावा देना चाहिये अपितु 'भारतीय साहित्य' के प्राध्यापन को विदेशी विश्वविद्यालयों में बढावा देना चाहिये. अन्य भारतीय भाषाओं से हिंदी भाषा में जो अच्छे और विपुल अनुवाद हो रहे हैं, वे इस दिशा में हिंदी को उपकारक और आवश्यक बनायेंगे.

कृपया विदेशी भाषा को पढ़ाए जाने की सार्थकता के बारे में बताएं .

आपने थ्री-इन-वन जैसा विपरिमाण प्रश्न पूछा है, सुहृद!

प्रथम, हम सब सहमत होंगे कि विद्या को भौगोलिक सीमांकनों की मर्यादा नहीं भाती. विदेशी भाषाएं हम क्यों न पढ़ें? न केवल इंग्लिश, जर्मन, मेंडेरिन बल्कि अरबी भी. 'सर्वभाषा सरस्वती'. विश्व में कहीं भी संस्कृत, हिंदी, गुजराती, तमिल आदि भारतीय भाषाओं का अध्ययन-अध्यापन स्वयं सार्थक है.

दूसरी बात जो आपने कुशलता से पूछी है वह प्रश्न 'सार्थकता' का है. 'सार्थकता' में 'अर्थ' यानी 'वित्त' का संदर्भ भी है. इस रूप में यह प्रश्न अध्यापन के व्यवस्थापन तंत्र का है. वित्तीय व्यवस्था का भी है. कौन सी विदेशी भाषा पढ़ें, किस स्थान पर पढ़ें, कौन पढ़ाये, कौन पढ़े? भाषा के प्राध्यापक का जीवनयापन ठीक से हो और भाषा के विद्यार्थी का आर्थिक भविष्य सुरक्षित हो, यह विचारणीय प्रश्न है?

इन दोनों बातों से अलग एक तीसरी बात है शिक्षा के माध्यम की. मित्र, इस विषय में आज हम क्या बतायें? स्थिति हम सब की ये है कि 'जानामि धर्मं, न च मे प्रवृत्तिः'. एक 'भाषा-महाभारत' अपने विनाशक अंत की ओर संवेग से बढ़ता जा रहा है. आशा रखें कि इस बात का युगांत आ जाए और नये (पुनः सर्जनात्मक) युग का प्रारंभ हो.

विदेशी विद्यार्थियों द्वारा भारतीय भाषाओं और साहित्य के अध्ययन तथा इस संबंध में उनकी जिज्ञासा पर कुछ प्रकाश डालें.

विदेशी विद्यार्थियों, विद्वानों का जिज्ञासा-केंद्र तथा रसिक जनों का रस-केंद्र अब सामान्य (जनरल) नहीं, बल्कि विशिष्ट (स्पेसिफिक) रहता है, ऐसा मेरा अनुभव रहा है. उदाहरणार्थ, अमरीका या यूरोप का निवासी कोई विद्यार्थी अगर गुजराती भाषा या साहित्य का अध्ययन करना चाहता है तो वह गांधी को मूल भाषा में पढ़ना चाहता है (अंग्रेजी अनुवाद से आगे बढ़ने के लिए) और गांधी के जो संदर्भ सामग्री गुजराती भाषा के ग्रंथादि में ही उपलब्ध हैं, उसे पढ़ने के लिए उत्सुक होता है. कोई एंथ्रोपोलोजिस्ट, नृवंशविद्या का विद्यार्थी, गोंड, भील, कूकणा जैसी विशेष 'बोली' सीखना चाहेगा. लिपि विज्ञान भी इसका एक केंद्र है. ऐसे विविध विशिष्ट जिज्ञासा-केंद्रो को ध्यान में रखते हुए प्राध्यापक तथा आयोजक को आगे बढ़ना होगा. 'टनल विजन' न पैदा हो, हम सब 'जिज्ञासु' हों, यही मेरी शुभकामना है. हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए एक ऐसा विद्या-केंद्र स्थापित किया जा सकता है, जहां इन सभी विषयों के विशेषज्ञों को एकत्रित किया जाय और जिज्ञासुओं को हिंदी माध्यम से जानकारी दी जाए. वैश्विक शिक्षा का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है.

वैसे तो आपकी अनेक कृतियां अलग-अलग मंचों से सम्मानित हो चुकी हैं किंतु 'जटायु' का साहित्य जगत में विशेष स्थान है जिसके लिए आपको 1987 में राष्ट्रीय साहित्य अकादमी सम्मान प्राप्त हुआ. कृपया इस कृति की विशेषता पर प्रकाश डालें.

पुराकथाओं का नवीनीकरण करना, न कि केवल पुनःकथन (चाहे कितना भी आकर्षक हो), यही सभी भाषा-साहित्यों की हर युग में एक चुनौती होती है, जैसे जेम्स जोय्स ने 'यूलिसिस' उपन्यास में ग्रीक कवि होमर के महाकाव्य 'ओडिसी' का नवकथन ही किया है. 'जटायु' काव्य संग्रह में 'जटायु' एक काव्य रचना है, जो 'प्रह्लाद नी प्रार्थना', 'हनुमान नी एकोक्ति', 'लक्कड बजार' (शबरी और राम की बात) आदि रचनाओं से जुड़ी है. प्रत्येक रचना भारत के किसी न किसी मिथक से जुड़ी है लेकिन उस को दोहराती नहीं है. 'लक्कड बजार' के आरंभ में ही शबरी को राम का संदेश मिलता है कि उन का आना निश्चित नहीं है, हो सका तो वे अवश्य आयेंगे, परंतु नहीं भी आ सकते हैं. काव्यमर्म यह है कि मध्यकालीन भारतीय मनुष्य को मीरा, नरसिंह महेता आदि कवि भक्तों को भी पूरा विश्वास था कि 'राम आयेंगे ही'. आधुनिक पाश्चात्य मनुष्य मानता है कि कोई ऐसा 'ट्रांसेंडेंटल एश्योरेंस' अब बचा नहीं है. आज का भारतीय मानव दुविधा में है. हमारी इस मानवीय परिस्थिति का काव्य है 'लक्कड बजार'. यह एक स्केच था. 'जटायु' काव्यरचना उसी आधुनिक भारतीय दुविधा (न तो मध्यकालीन भारतीय पूर्ण न तो आधुनिक पाश्चात्य पूर्ण वायत्तता या अश्रद्धा) को एक 'नवीन पुराकथा' के रूप में कहने वाला म्युरल है.

''वखार' काव्यसंग्रह 'जटायु' का पश्चातवर्ती पुस्तक है, जिसे 'मॉडर्न' या 'अर्बन' मिथोलॉजी कहते हैं. उसकी दिशा इसी ओर है. इब्राहिम रुगोवा, युगोस्लाविया के विभाजन के पश्चात् कोसोवो रिपब्लिक के चुने गए, शांतिप्रिय गांधीमतानुयायी प्रमुख के बारे में एक रचना उस में है, जो भाषा के प्रश्न को अलग ढंग से प्रस्तुत करती है.

'जटायु, रुगोवा और अन्य कवितायें' (2022), ये सभी रचनाएं हिंदी में पुस्तक के रूप में प्रकाशित हो चुकी हैं.

आपने कई भारतीय और विदेशी भाषाओं के पुस्तकों का गुजराती अनुवाद भी किया है. कृपया साहित्य की विविध विधाओं से संबंधित सामग्री के अन्य भाषाओं में अनुवाद के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डालें .

कृति का परायापन विनष्ट किए बिना उसे एक अपनापन कैसे दिया जाए, यह मेरे लिए अनुवाद की कसौटी या चैलेंज है. यह एक तरह की हाइब्रिडिटी या 'संकरता' है. गुजराती भाषी समाज के अनुभवों की, सोच की, रसिकता की सीमाएं कुछ विस्तृत हों, कुछ मेरी भी, तो कितना अच्छा होता, ऐसा कुछ अरमान था और है भी. युजीन आयोनेस्को के नाटक 'माकबेत' (जो शेक्सपीयर के अंग्रेजी नाटक 'मेकबेथ' का फ्रेन्च नवकथन था) का मैंने गुजराती में अनुवाद किया – 'आयोनेस्को के 'माकबेत' का अंग्रेजी अनुवाद होने से पूर्व, मूल फ्रेंच में पढ़ कर और पेरिस में उनके मंचीकरण प्रयोग को देखने के बाद किया! यह बड़ा रोमांचक था. पिछले तीन साल से गुजराती साहित्य परिषद के चुने हुए अध्यक्ष के रूप में, परिषद की पत्रिका 'परब' में विविध भारतीय भाषाओं के आज के कवियों की रचनाओं का गुजराती अनुवाद, प्रत्येक रचना और कवि के बारे में दीर्घ मीमांसात्मक लेखों का अनुवाद करना, एक रोमांचक अनुभव रहा. ऐसे ही रंगमंचों पर प्रयोगात्मक एवं व्यावसायिक नाटय रूपांतरण किया.

पूरी अनुवाद यात्रा का मूल प्रयोजन है मिलना और मिलाना, अल्पपरिचय से आत्मीयता की ओर बढ़ना.

हिंदी सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के विकास को लेकर आपके क्या विचार हैं?

भारत में हिंदी भाषा का विस्तार व्यापक है. इसका अधिकाधिक उपयोग तब हो सकता है जब हिंदी भारत की अन्य भाषाओं के साहित्य के अच्छे अनुवाद एवं अभ्यास ग्रंथों द्वारा भारतव्यापी प्रस्तुति करे और साहित्य ही नहीं बल्कि अन्य विधाओं के ग्रंथों के नये संशोधन आदि भी विश्व की अन्य भाषाओं से भारत में उपलब्ध करवाए.

अनुवाद, गोष्ठियां, सुनियोजित प्रकाशनें, ब्लॉग्स आदि के माध्यम से हिंदी के आंगन में अन्य भारतीय भाषाओं का मिलन होता रहे, ऐसे आयोजन आप के संरक्षण में होते रहें, ये मेरी शुभेच्छा है. केवल साहित्य ही नहीं, विद्या के सभी क्षेत्रों का समावेश हो तो एक विद्या महोत्सव, अपितु एक दीर्घ विद्या–यज्ञ का आयोजन आपके, हम सबके 'बैंक ऑफ़ बड़ौदा' में हो सकता है. ऐसे श्रेणीबद्ध आयोजन आपकी क्षमता के दायरे में है, ऐसा मैं देख सका हूं.

भारत की अन्य भाषाओं का विकास भी इसी तरह हो सकेगा. हम सब एक ही नाव में प्रवास करते हैं. सब के साथ तैरना, आगे जाना है.

समावेशी विकास में अंग्रेजी की तुलना में भारतीय भाषाओं की भूमिका को आप कैसे देखते हैं?

अंग्रेजी भाषा की वैश्विक उपयोगिता स्वयंसिद्ध है, लेकिन भारत में इसका प्रयोग अब तक राजकीय, शासकवर्ग या वाणिज्य व्यवस्था क्षेत्र तक सीमित था. अब स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी भाषा की पहुंच का दायरा आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ाया जा रहा है. करुण बात तो ये है कि भारतीय भाषाओं के विस्तार को सिमट कर ये हो रहा है. आला अफसरों और विविध राजकीय नेतृत्व की इस नीओकोलोनियल या नव उपनिवेशवादी प्रपंच को अनुमति न हो, बल्कि पूरा सहयोग न हो, ऐसा तो हो नहीं सकता. समावेशी विकास अगर हमारी निजी संपत्ति (प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संपत्ति) के सदुपयोग के आधार पर करना हो (न कि रोड एन्ड बेल्ट या नये नव उपनिवेशवादी तरीके से) तो हमें भारतीय भाषाओं के साधनों से अपनी समृद्धियों का आकलन करना पड़ेगा और सभी भारतीय समाजों के लिए आत्मीयता, अनुकंपा और गौरव का अनुभव करना आवश्यक होगा.

इन सभी कारणों से गुजराती, मराठी, हिंदी आदि सभी भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए और विद्यार्थी यथा रुचि, यथा आवश्यक अंग्रेजी या फ्रेंच या मंदारिन या जापानी या अरबी या कोई भी भाषा सीख सकें (भले ही अगले पांच–सात दशक तक युवा भारत की विदेशी भाषाओं में अंग्रेजी को प्राथमिकता दें).

आपने अध्यापन/लेखन के साथ–साथ वाइस चांसलर जैसे बेहद महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद के दायित्व का निर्वहन किया है. एक शिक्षक / लेखक के रूप में आपने इस पद के निर्वहन में किन चुनौतियों का सामना किया?

मैं कुलपति के रूप में एवं कई विश्वविद्यालयों की सिंडिकेट, सेनेट, कोर्ट आदि के गणमान्य व्यक्ति के रूप में काम करते हुए यह देख सका हूं कि जब तक विश्वविद्यालय के कुलपति (और अन्य सत्तामंडलों के गणमान्य व्यक्ति) स्वयं अध्यापक और स्वयं निरंतर विद्यार्थी नहीं रहेंगे (किसी भी शासक वर्ग का कृपापात्र होने का स्थान स्वीकार करते रहेंगे) तब तक विद्या प्रदान करने और विद्यावर्द्धन का कार्य आगे नहीं बढ़ेगा. कुलपति और सत्तामंडलों के गणमान्य व्यक्तियों का मुख्य कार्य शासकीय नहीं है, शैक्षिक है. तंत्र–व्यवस्था द्वारा निपुण आयोजकों को रजिस्ट्रार के स्थान पर नियुक्त किया जाना चाहिए, न कि कुलपति के रूप में. यह सरल बात कोई समझता नहीं है, ऐसा नहीं है. करुणता तो वही दुःशासन वाली है– 'जानामि धर्मं, न च मे प्रवृत्तिः', कभी–कभी कबीर का थकान भरा स्वर सुनाई देता है– 'धीरे–धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय / माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आये फल होय.'

नई पीढ़ी को भाषा एवं साहित्य के संबंध में आप क्या संदेश देना चाहेंगे.

आप पंछी हैं, किसी को अपने पर काटने मत देना. आप ही पेड़ भी हैं, किसी को आपकी जड़ें काटने मत देना. साहित्य आप के पंख हैं. स्वभाषा आपकी जड़ें.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कर्मचारियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

युध्यस्व विगतज्वरः – देश का सर्वाधिक निर्णायक रणक्षेत्र आपके आंगन में है!

और सर्वोपरि बात ये है – **न हि कल्याणकृत्कश्चिदुर्गतिं तात गच्छति**

❖❖❖

Cyber Talk – Role of ChatGPT in Cyber Security

ChatGPT - Friend or Foe?

ChatGPT has received a lot of attention from technology industry & Cyber Security industry. It's a game changer. Indians are riding the tide and adapting to the latest artificial intelligence wave. And if recent reports are to be believed, we are outdoing several other countries. The Corporate Vice President and Chief Marketing Officer of Microsoft, Yusuf Mehdi in an interview revealed some interesting details. Bing recently incorporated Open AI's **ChatGPT** and according to him, **India is one of the top three markets for this search engine.**

ChatGPT is an AI driven chatbot launched by OPEN AI in November 2022 & it's a type of language model that utilises advanced Machine Learning techniques to understand & generate human like text, based on GPT (Generative Pre-Trained Transformer) architecture & has been trained on large dataset. Chat GPT is designed to be fine-tuned for variety of conversational Artificial Intelligence tasks like questioning, searching, designing, dialogue generations or text completion.

All technology can be used for good or evil. And ChatGPT is no exception. A lot has been shared on the web about how ChatGPT can effectively be used. At the end of the day, the tool has ingested a considerable amount of knowledge and – with the limitations underlined before – it can help the bad guys automate, speed up and improve existing bad intention initiatives. **On the other hand, ChatGPT technology can also be used to advance cybersecurity's agenda by organizations.**

- **ChatGPT role in CYBER SECURITY**

  ChatGPT can serve as an AI-powered cybersecurity assistant, offering users real-time, personalized advice and support when dealing with security incidents. This is especially beneficial for organizations to manage a dedicated security team as it gives them access to expert guidance when needed. ChatGPT can analyze vast amounts of data and identify potential threats, such as malware, phishing emails, and suspicious activities on networks. This gives organizations a better understanding of their security posture so that they can take proactive measures to strengthen it.By using machine learning algorithms, ChatGPT can learn from previous cyber-attacks and identify patterns in data that may indicate an impending attack. ChatGPT is a powerful tool for creating conversational AI systems, as it can be easily integrated into existing applications and platforms. ChatGPT can play a significant role in cyber security management for banks.

  On other hand, many users played with ChatGPT in those few weeks to test the innovative AI technology. Cybersecurity researchers were among those testers who found that, even though the application cannot be used to write malicious code or create bombs, it can be bypassed. For example, ChatGPT can be used

and it is very much like the concept of which that 3D printers won't print firearms but can print the parts when asked.

It is important to note that ChatGPT is a neutral tool and can be used for both legitimate and malicious purpose

Let's look at a recent example :

In late December 2022, a thread called "ChatGPT – Benefits of Malware" appeared on a popular underground hacking forum. The thread's publisher revealed that he was experimenting with ChatGPT to recreate malware strains and techniques described in research and write-ups about common malware. He even shared the code of a Python-based stealer that seeks out common file types, copies them to a random folder in the Temp folder, ZIPs them, and then uploads them to a hardcoded FTP server.

In the enterprise space, two particular flavours of cyber attack that experts believe ChatGPT will enable are **business email compromise (BEC) and phishing emails.** Most standard enterprise email security tools are designed to detect and block suspected BEC and phishing attacks. They're trained to recognize the commonly used templates, typos, and other verbiage included in such emails.

However, as we addressed earlier, ChatGPT is a remarkably fast and accurate content creator, so it could potentially allow attackers to generate more unique and convincing content for each and every email they distribute. This will make these attacks harder to differentiate from legitimate emails. To illustrate the scale and seriousness of the potential problem, a threat intelligence researcher recently told Forbes that ChatGPT will be a "great tool" for Russian hackers who're not fluent in English to craft legitimate-looking phishing emails.

THE POTENTIAL THREATS OF CHATGPT

- ✓ As ChatGPT can generate highly coherent and contextually appropriate text, it can be used to generate malicious code that is difficult to detect.
- ✓ The ChatGPT could be used to write highly convincing phishing emails, making it difficult to detect and prevent phishing attacks.
- ✓ Since ChatGPT is a publicly available tool, anyone (non-technical persons) can use it to generate malicious text.
- ✓ Accessibility of ChatGPT to script kiddies, individuals who use pre-existing scripts or tools to carry out cyberattacks without a deep understanding of the underlying technology, enables them to generate malicious code, increasing the number of cyber attacks.

BENEFITS OF CHATGPT

- ✓ Assist in identifying and assessing potential risks by analysing network logs and security alerts, to identify patterns and anomalies.
- ✓ Comply with regulations by generating compliance reports and identify compliance violations.
- ✓ Use of this technology by red teams and blue teams (partially or fully automated with ChatGPT) can be taken to the next level when it comes to cybersecurity penetration testing, vulnerability scanning, bug bounty programs, attack surface discovery/analysis and much more.

CONCLUSION — ITS THE TIME TO UP OUR DEFENSES

ChatGPT has a significant role in the cyber industry, and its influence will only increase over time. Good enough won't be enough- **Effective tools** will need to be exceptionally good just to enter the league.

ChatGPT also creates an opportunity for cybersecurity vendors. The shortage of cybersecurity professionals is a challenge that companies across the globe need to face every day, and likely for years to come. The ability to rely on highly autonomous and intelligent tools will become a need. It allows security pros to identify threats quickly and efficiently, as well as stay ahead of emerging trends and best practices within cybersecurity.

On other hand, same tool can be utilized by cybercriminals to generate convincing and personalised phishing emails or messages, in order to trick victims or data privacy attacks, bias or breaches of information etc., As the threat landscape continues to evolve, the use of ChatGPT in cyber security management for banks will become even more critical.

Deployment of cloud-based security solutions is non-negotiable as a first line of defense in preventing sophisticated mails or phishing emails from reaching the end users. This should include inbound and outbound data loss prevention, email encryption, antivirus, and anti-malware as well as training our internal employees & sensitizing them to handle trickier emails & other phishing, smishing and other attacks time to time.

In conclusion, widespread use of ChatGPT seems inevitable, but in its current avatar, it could equally be a friend or foe to society. It depends on how the application is used without any data compromise or misuse of technology. It's the time for organizations or users to closely monitor these emerging technologies and implement defences as required→ **Fighting fire with fire, with defensive AI.**

❖❖❖

Swapna Bai Khetavatu
Chief Manager (Faculty)
Baroda Academy, Hyderabad

INTERNATIONAL WOMEN'S DAY, 8th MARCH 2023

#SALUTE HER SHAKTI

International Women's Day was celebrated with much fanfare and enthusiasm on 08.03.2023 at Baroda Corporate Centre, Mumbai. All the female staff members were greeted with a rose bud and chocolate.

On this occasion, 3 corporate women General Managers addressed women staff members, working at BCC, Mumbai. The participants were deeply motivated by the specific deliberations by the General Managers on issues ranging from work life balance to achieving professional growth and continuous learning & development.

Usually, there is a practice of inviting esteemed guests from amongst successful women who have marked their success in the Industry or otherwise who have done exceedingly well in their own fields of interest. So this year too, we arranged for felicitation of some prominent and formidable women from Law Enforcement sector. Some of those exceptional women whom we felicitated were Ms. Anjali Dahiya, Lt. Commander from Material Organisation, 1 Lady Representative from Base Logistics, 1 Lady Representative from INHS Ashwini from Indian Navy and 2 Lady Representatives namely, Ms Bhagyashree Vikas Sutar and Ms Sangeeta Baban Jadhav from BKC Police Station. Further, the housekeeping staff members were felicitated by the hands of the GMs for their hard work and continuous support provided to run the office.

This year we donated 3 sewing machines to NGO Vatsalya Trust towards the cause of women empowerment and to receive the same Ms. Ranjana Narvane and Mr. Sanjay Gogate were present at the occasion. Thereafter, there were some fun filled activities with loads of games and other interactive fun activities. The event was graced by our Baroda Shakti Team as well.

The event was attended by around 130+ female staff members and was concluded with evening refreshments for all the participants. The programme received massive response and was well appreciated by one and all.

❖❖❖

Presented by Team Office Administration BCC, Mumbai

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च, 2023 को हमारे विभिन्न अंचलों/ क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. हमारे पाठकों की जानकारी के लिए कुछ कार्यक्रमों की झलकियां प्रस्तुत हैं:

अंचल कार्यालय, जयपुर

प्रधान कार्यालय एवं अंचल कार्यालय, बड़ौदा

अंचल कार्यालय, मुंबई

अंचल कार्यालय, मंगलूरु

अंचल कार्यालय, राजकोट

क्षेत्रीय कार्यालय, कटक

क्षेत्रीय कार्यालय, उडुपी

क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता मेट्रो-2

क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़

क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग

क्षेत्रीय कार्यालय, धमतरी

क्षेत्रीय कार्यालय, नवसारी

क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा जिला

क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा शहर–II

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

क्षेत्रीय कार्यालय, भरूच

क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, वलसाड

क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत शहर

क्षेत्रीय कार्यालय, गुलबर्गा

क्षेत्रीय कार्यालय, अमरावती

क्षेत्रीय कार्यालय, जलगांव

क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर

क्षेत्रीय कार्यालय, नासिक

क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जिला एवं भोलावाडी शाखा

क्षेत्रीय कार्यालय, नवी मुंबई

अंचल कार्यालय, जयपुर

हमारा बैंक सफलता के नित नए सोपान तय कर रहा है और इसके पीछे सभी बड़ौदियन साथियों का अथक परिश्रम है. जयपुर अंचल श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन हेतु बड़ौदा स्पर्श स्कोर के आधार पर जनवरी, 2023 और फरवरी, 2023 माह के दौरान अंचल कार्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान पर रहा है. टीम बॉबमैत्री की ओर से हम जयपुर अंचल की समस्त टीम को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं. आइए जानते हैं अंचल के लीडरों से सफलता के मूलमंत्र – संपादक

सफलता के मूलमंत्र

प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर लेस ब्राउन का कथन है कि - अपने सपने को पूरा करने के लिए तैयार रहें, यह जरूर पूरा होगा, आप जितना सोचते हैं, आप उससे कहीं अधिक योग्य हैं.

कमलेश कुमार चौधरी
महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, जयपुर अंचल

मेरा मानना है कि उक्त कथन जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए हमें अभिप्रेरित करता है. अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ निष्ठा, हर परिस्थिति में सकारात्मक सोच, कठोर श्रम के साथ सतत्प्रयास, हर पल अपनी टीम को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति और अपनी मातृसंस्था के प्रति सदैव निष्ठावान रहने का भाव ही सफलता के साधन हैं. इन सभी विचारों को हमने अपने जयपुर अंचल में पूरी निष्ठा से लागू करने की कोशिश की है परिणामस्वरूप जयपुर अंचल वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान लगातार 08 बार कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा आयोजित मासिक रोलिंग ट्रॉफी में प्रथम स्थान पर रहा है. इसी क्रम में अंचल के नेटवर्क उप महाप्रबंधक -1 और 2, उप अंचल प्रमुख व अंचल के 06 क्षेत्रों द्वारा वर्ष भर अधिकतम समयावधि में शीर्षतम स्थानों को अर्जित करना हमारे समन्वित व सार्थक प्रयासों का प्रतिफल है. इन उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए हमने अंचल में कुछ रणनीतियां अपनायी हैं जिन पर चलकर हमें सफलता मिली है जैसे- उच्च प्रबंधन द्वारा प्रदत्त सभी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रथम कार्य दिवस से ही उचित रणनीति बनाकर कार्य करना, आंचलिक कार्यपालकों सहित अंचल कार्यालय की टीम के द्वारा पूर्ण मनोयोग से फॉलोअप करना, विभिन्न अवसरों पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्टाफ़ सदस्यों को प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं पुरस्कार के माध्यम से अंचल के व्यवसाय वृद्धि हेतु प्रवृत्त करना ही जयपुर अंचल के उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के मूल आधार स्तम्भ हैं.

कहते हैं कि प्रकृति हमारी मेहनत का एक भी कण ज़ाया नहीं करती. उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग एवं हर क्षेत्र में बाज़ार में हिस्सा वृद्धि हमें व्यवसाय को नई ऊचाइयां देने में सहायक होती हैं. इसलिए मेरा सभी बड़ौदियन साथियों से अनुरोध है कि हर पल अपने मातृ संस्था के हित को ध्यान में रखते हुए पूर्ण निष्ठा एवं मनोयोग से कार्य करें आज नहीं तो कल सफलता अवश्य ही कदम चूमेगी.

अंचल के व्यावसायिक कार्यनिष्पादन एवं प्राप्त पुरस्कार व सम्मान की जानकारी –

Performance of Jaipur Zone as on 31.03.23																In Cr.
	FY 21-22			M-o-M				Current Level 31.03.23					Targets (FY - 2022-23)			
Parameters	Mar'22	Y-o-Y (Abs.)	Y-o-Y (Abs.)	Jan'23	Feb'23-Jan'23	Feb'23	31.03.23-Feb'23	30.03.23	31.03.23	Var over prev day	YTD (Abs.)	YTD (%)	TGT Mar'23	Gap to TGT (Mar'23)	TGT Mar'23 (Abs. Growth)	TGT Mar'23 (% Growth)
Total Business	94087	8581	10.0%	103915	1818	105624	3071	107389	108895	1506	14808	15.7%	109385	-489	15294	16.3%
DEPOSIT:																
Demand	3234	534	19.8%	3340	74	3419	362	3515	3781	266	547	16.9%	3835	-53	600	18.6%
Saving Bank	26019	3187	14.0%	27381	732	28083	488	28211	28571	360	2551	9.8%	30218	-1663	4195	16.1%
CASA Deposit	29254	3721	14.6%	30696	806	31503	650	31726	32352	626	3098	10.6%	34049	-1697	4796	16.4%
CASA Share (%)	54.3%			52.5%		52.6%	0	52.2%	52.9%				55.0%			
Term Deposit	24589	500	2.1%	27528	611	28440	689	29054	29129	55	4540	18.5%	27903	1226	3314	13.5%
Retail Time Dep.	22043	932	4.2%	23432	116	23048	486	24347	24404	57	1441	6.5%	26277	-1873	3314	14.4%
Total Deposit	53843	4226	8.5%	58025	1418	59842	1539	60790	61481	691	7638	14.2%	61952	-471	8109	15.1%
CREDIT:																
Total Advances	40244	4361	12.2%	45300	492	45682	1632	46600	47414	814	7170	17.8%	47432	-18	7188	17.8%
Agriculture	15717	1366	8.6%	16924	138	17062	247	17144	17307	163	1591	10.1%	17297	10	1581	10.1%
MSME Advances	8930	736	8.6%	9811	82	9893	361	9637	10024	487	1094	12.2%	10066	-42	1146	12.8%
Retail Credit (excl. LABOD)	11947	2064	20.8%	14400	272	14662	671	15526	15613	87	3655	30.6%	15500	113	3543	29.6%
Home Loan	6342	795	14.4%	7265	120	7385	306	7552	7591	39	1249	21.3%	7658	81	1266	20.3%
Auto Loan	1780	163	10.1%	2079	33	2112	39	2146	2151	6	373	20.9%	2116	41	336	18.9%
Mortgage Loan	1988	324	19.5%	2281	25	2306	36	2324	2343	26	355	17.9%	2260	83	282	14.7%
Education Loan	315	47	17.3%	360	8	360	4	363	364	1	78	24.8%	370	34	55	17.3%
Personal Loan	1336	707	136%	2401	88	2519	244	2753	2764	11	1428	106.9%	2790	-16	1444	108.1%
Corporate Loan	1900	-120	-6.1%	2218	83	2301	230	2519	2550	32	555	29.7%	2875	-325	910	48.3%

अंचल का कुल कारोबार मार्च 22 के रु. 94087 करोड़ से 15.7% की वार्षिक वृद्धि के साथ मार्च 2023 को रु. 108895 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है.

- अंचल ने मांग जमा में रु. 547 करोड़ रुपये (16.9%), बचत जमा में रु. 2551 करोड़ (9.8%), सावधि जमा में रु. 4540 करोड़ रुपये (18.5%), कुल अग्रिमों में रु. 7170 करोड़ (17.8%), कृषि ऋण में रु. 1591 करोड़ (10.1%), एमएसएमई ऋण में रु. 1094 करोड़ (12.2%) की वृद्धि दर्ज की है.
- अंचल में वसूली और अपग्रेडेशन में एनपीए का स्तर मार्च 22 के 3.27% कटौती के सापेक्ष मार्च 23 में 2.22% रह गया और कलेक्शन एफिसिएन्सी 31.03.2022 के 85% से बढ़कर 31.03.2023 को 90% हो गई.
- अंचल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 12.72 लाख बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन कर एक कीर्तिमान बनाया है.
- अंचल में मार्च 2023 तक 2 वर्ष और उससे अधिक पुरानी हानि दर्शाने वाली शाखाएँ शून्य हैं.
- अंचल ने वित्तीय वर्ष 23 के कई व्यावसायिक मानदंडों जिसमें मयादी जमा, कृषि अग्रिम, बीकेसीसी अग्रिम, खुदरा ऋण, गृह ऋण के लक्ष्यों को पार कर लिया है.
- अंचल ने वित्तीय वर्ष 23 के सी वी/सी एम ई अग्रिम में रु. 136 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष रु. 213.71 करोड़ की प्राप्ति की.
- अंचल में कासा जमा 10.60 % वार्षिक वृद्धि के साथ रु. 32352 करोड़ के स्तर पर पहुंचा.
- अंचल ने वित्तीय वर्ष 23 के दौरान प्राप्त 15000 इकाई फास्टैग विक्रय लक्ष्य के सापेक्ष 43000 फास्टैग विक्रय कर 279.32% की वृद्धि हासिल कर अभूतपूर्व कार्यनिष्पादन किया है.
- अंचल में पीएमजेजेबीवाई आवेदनों के 3.48 लाख पंजीकरण के लक्ष्य के सापेक्ष 3.50 लाख खाते पंजीकृत किए गए.
- वित्त वर्ष 2022-23 में अंचल में अनुपालन का स्तर भी उत्कृष्ट रहा और प्रधान कार्यालय द्वारा आयोजित अभियानों जैसे – मिशन तिजोरी, वैकेंट लॉकर केआरआई, डोर स्टेप बैंकिंग संबंधी अभियान डीएसबी मिशन- 5 लाख आदि में अंचल को अखिल भारतीय स्तर पर शीर्षतम पुरस्कार प्राप्त हुए.
- दिनांक 16.01.23 से 31.03.23 तक आयोजित चैम्पियंस ऑफ़ चैंपियन अभियान में अंचल ने अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया.
- दिनांक 16.01.23 से 31.03.23 तक एमएसएमई विभाग द्वारा आयोजित लास्ट माइल अभियान में अंचल का प्रदर्शन श्रेष्ठ रहा और प्रदत्त लक्ष्य से अधिक का व्यवसाय संग्रहित किया और अंचल के 12 क्षेत्रों में से 09 क्षेत्रों ने लक्ष्य प्राप्त किए.
- वित्त वर्ष 2022-23 में अंचल को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भी विभिन्न 06 पुरस्कार प्राप्त हुए.
- मार्च तिमाही के दौरान प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित निरीक्षण में विलक्षण अभियान में जयपुर अंचल प्रथम स्थान पर रहा.

में कुल जमा में रु 712 करोड़ की बढ़त दी है.. अलवर क्षेत्र कासा प्रीमियर लीग अभियान में सम्पूर्ण भारत में early bird चुना गया. साथ ही कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा चलाये गए सभी कासा के अभियानो में सदैव अपने ग्रुप में प्रथम -10- स्थानो में रहा.

अंचल के शीर्ष कार्यनिष्पादन वाले क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख से जाने सफलता के मूलमंत्र

मनोज गुप्ता
उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख,
जयपुर क्षेत्र

जयपुर क्षेत्र ने व्यावसायिक मापदण्डों में उत्कृष्ट व्यावसायिक प्रदर्शन के साथ इस वित्तीय वर्ष का समापन किया है. इसका श्रेय पूरी तरह से जाता है उच्च प्रबंधन के कुशल मार्गदर्शन और जयपुर शहर की शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्यरत सभी बड़ौदियन्स को जिन्होंने प्रबंधन की हर एक कॉल को न केवल पूरी गंभीरता के साथ लिया अपितु दिए

गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरे दमखम के साथ सार्थक प्रयास किए. टीम जयपुर विचारों से भरी हुई एक ऐसी ऊर्जावान टीम है जिसके पास नए विचार हैं और उन विचारों को कार्यरूप में बदलने की इच्छाशक्ति भी है. इसी का परिणाम है कि :

- क्षेत्र ने कुल व्यवसाय में 18.30% की ग्रोथ के साथ वित्तीय वर्ष 2021–22 के कुल जमा, टर्म डिपॉज़िट, चालू एवं कासा जमाओं में बेहतर वृद्धि दर के साथ लक्ष्यों को हासिल किया और कासा की बरसात तथा दृढ़ निश्चय अभियान के दौरान प्रबंधन की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन किया. मीट एण्ड ग्रीट अभियान के अंतर्गत एचएनआई एवं वर्तमान ग्राहकों के साथ मिलकर उनसे कासा संग्रहण किए जाने के प्रयासों का परिणाम हुआ कि क्षेत्र की बचत खाते खोलने की दर 5 प्रतिदिन/प्रति शाखा रही, वहीं चालू खाते की दर 6 प्रतिमाह/प्रति शाखा रही.
- बैंक की प्राथमिकताओं के अनुसार काम करते हुए क्षेत्र ने रिटेल अग्रिम, ऑटो, मॉर्गेज, शिक्षा, गोल्ड, होम और पर्सनल लोन के लक्ष्यों को अच्छे मार्जिन से पार किया तथा एमएसएमई ऋण संवितरण का लक्ष्य भी अर्जित किया. होम लोन पर विशेष फोकस करते हुए क्षेत्र ने लक्ष्य से 50 करोड़ अधिक का संवितरण करते हुए 25.70% की YOY वृद्धि के साथ वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त किया. डिजिटल पर्सनल लोन संवितरण में भी 108.5% की YTD वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष का समापन किया.
- क्षेत्र का एनपीए स्तर मार्च 2022 की समाप्ति पर रु. 397 करोड़ था जो कि मार्च–2023 की समाप्ति पर रु. 380.10 करोड़ रहा. एसेट क्वालिटी में क्षेत्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए AQI अभियान के दौरान श्रेष्ठ क्षेत्रों में स्थान सुरक्षित किया. साथ ही, कलेक्शन एफिसिएंशी में श्रेष्ठ प्रयास करते हुए 97% के बेंचमार्क के सापेक्ष 97.07% का स्तर प्राप्त किया.
- एक लाख से भी अधिक बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन्स कर बैंक के डिजिटल ऑन–बोर्डिंग के लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया. क्षेत्र की एटीएम उपलब्धता वर्षपर्यंत 90% से अधिक रही.
- क्षेत्र ने चिन्हित शाखाओं द्वारा गोल्ड लोन की प्रभावी ब्रांडिंग और निर्धारित TAT के भीतर ऋण संवितरित किए जाने की रणनीति पर काम किया. इससे क्षेत्र ने गोल्ड लोन संवितरण में 79% की YTD ग्रोथ के साथ वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त किया तथा गोल्ड रश अभियान के दौरान भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया.
- एचपीसीएल क्रेडिट कार्ड अभियान 'पावरप्ले' में लक्ष्य के सापेक्ष 147% उपलब्धि के साथ क्षेत्र अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा, वहीं धन–सम्पदा उत्पादों के विक्रय में क्षेत्र बड़ौदा प्रीमियर लीग का विजेता भी बना.
- क्षेत्र की परिचालन टीम्स ने मिशन तिजोरी के दौरान अधिकतम लॉकर आबंटन, अतिदेय लॉकर रेंट की वसूली एवं डोरस्टेप बैंकिंग में ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के साथ KRI–1, KRI–2 मानकों के अनुपालन के क्षेत्र में भी अच्छा कार्य किया.

जयपुर क्षेत्र ने शुरू से ही शाखा टीमों के साथ बेहतर सामंजस्य, उचित मोटिवेशन और स्पॉट रेकोग्निशन पर विशेष बल दिया ताकि क्षेत्र का प्रत्येक बड़ौदियन प्रसन्नचित्त होकर स्व–उत्तरदायित्व की भावना के साथ काम करे. शाखा प्रमुखों, परिचालन एवं क्रेडिट अधिकारियों के साथ साप्ताहिक आधार पर अलग–अलग ऑनलाइन बैठकों के दौरान लक्ष्यों के निर्धारण एवं दैनिक आधार पर मॉनिटरिंग के साथ क्षेत्र ने व्यवसाय के हर मापदंड पर काम किया. इस दौरान स्टाफ सदस्यों के ज्ञान संवर्धन पर भी विशेष ध्यान गया. वर्षपर्यंत विभिन्न विभागों के समन्वय में अलग–अलग विषयों पर ज्ञान सत्र आयोजित किए गए. शाखाओं एवं स्टाफ सदस्यों की व्यावसायिक उपलब्धियों को मंच प्रदान किए जाने के उद्देश्य से सितम्बर 2022 से क्षेत्र की तिमाही ई–पत्रिका 'म्हारौ जयपुर' के प्रकाशन की शुरुआत की गई. साथ ही, प्रत्येक माह के दौरान उत्कृष्ट कार्य–निष्पादन वाली शाखाओं की एलिट क्लब रैंकिंग समयानुसार जारी की गई तथा प्रथम –5– शाखाओं को मासिक अंतराल पर क्षेत्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया.

राजेश कुमार शर्मा,
क्षेत्रीय प्रमुख, अलवर क्षेत्र

अलवर क्षेत्र सदैव ही जयपुर अंचल में स्थित सभी क्षेत्रो में अपनी अलग पहचान बनाए रखता है. किसी भी क्षेत्रीय कार्यालय का निष्पादन यदि बेहतर से बेहतरीन होता है और वह ध्रुव तारे की तरह आकाश में चमकता है तो उसके पीछे सभी का योगदान होता है.

कारोबार संबंधी जितने भी मानदंड हैं, जो भी लक्ष्य आंचलिक कार्यालय द्वारा हमारे क्षेत्रीय कार्यालय को दिए गए चाहे वह खातों को खोलने से संबंधित हो, जमा राशियों को जुटाने से संबंधित हो या थर्ड पार्टी से संबंधित व्यवसाय को लेकर हो, हर क्षेत्र में हमने सफलता के साथ अपने लक्ष्य को पूरा किया है. साथ ही बैंक द्वारा चलाये जा रहे सभी अभियानों में क्षेत्र की हमेशा सक्रिय भागीदारी रहती है.

कोई भी क्षेत्र बेहतर कुशल दक्ष और प्रतिभावान टीम होने के बावजूद भी तब तक अपने प्रदर्शन को बेहतर नहीं बना सकता जब तक कि उससे जुड़ी हुई शाखाएं और शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा शाखा के सभी सदस्य किसी न किसी रूप में अपना योगदान ना दें. इसी को ध्यान में रखते हुये हमने हमेशा टीम का उत्साहवर्द्धन किया व इसी वजह से सम्पूर्ण टीम ने बैंक के सभी अभियानो में सक्रिय रूप से भाग लिया.

हमारी टीम के सहयोग से ही वित्तीय वर्ष 2022–23 में हमारा क्षेत्र GEMS रैंकिंग में अखिल भारतीय स्तर पर सदैव शीर्ष –10– स्थानों पर रहा है. मैं वित्तीय वर्ष 2022–23 में क्षेत्र के अतुलनीय प्रदर्शन हेतु अपनी समस्त टीम को हृदय से आभार एवं धन्यवाद देना चाहता हूं.

हर सपने को अपनी आंखो में रखो,
हर मंजिल को अपनी बाहो में रखो,
हर जीत आपकी है,
बस अपने लक्ष्यो को अपनी निगाहों में रखो.

अलवर क्षेत्र की शीर्ष कार्यनिष्पादन वाली शाखाओं के शाखा प्रमुख से जानें सफलता के मूलमंत्र

राजावास शाखा

जयपुर जिले में स्थित राजावास शाखा का नेतृत्व वरिष्ठ प्रबन्धक श्री कुलदीप सिंह मीना द्वारा किया जा रहा है. श्री मीना द्वारा दिनांक 01.08.2022 को शाखा का कार्यभार ग्रहण किया गया था और तभी से राजावास शाखा न ही सिर्फ अलवर क्षेत्र में अपितु जयपुर अंचल में भी ग्रामीण शाखाओं में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखी है. शाखा में कुल 6 स्टाफ सदस्य हैं. वित्तीय वर्ष 2022–23 में शाखा ने अपने चालू जमा, बचत जमा, सावधि जमा, कुल जमा, खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम, MSME, गृह ऋण, वाहन ऋण, मॉर्गेज ऋण, शिक्षा ऋण, व्यक्तिगत ऋण, रिकवरी, क्रेडिट कार्ड एवं बॉब वर्ल्ड के लक्ष्य प्राप्त किए हैं. मार्च 2023 में शाखा का कुल व्यवसाय रु 82.16 करोड़ रहा. शाखा द्वारा सदैव ही सभी अभियानों में बढ़चढ़कर भाग लिया जाता हैं जो श्री मीना के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है जिसके फलस्वरूप शाखा वित्तीय वर्ष 2022–23 में क्षेत्र में Monthly GEMS ranking में प्रथम स्थान पर रही हैं.

बगराना शाखा

जयपुर जिले में स्थित बगराना शाखा का सदैव ही अलवर क्षेत्र के व्यवसाय में अच्छा योगदान रहा है. वरिष्ठ प्रबन्धक श्री हर गोविंद मीना द्वारा दिनांक 17.08.2021 से शाखा की बागडोर सम्हाली गयी है. शाखा का वित्तीय वर्ष 2022–23 में कुल व्यवसाय रु 108.01 करोड़ रहा. वित्तीय वर्ष 2022–23 में शाखा ने अपने चालू जमा, बचत जमा, कासा जमा, सावधि जमा, कुल जमा, खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम, MSME, गृह ऋण, मॉर्गेज ऋण, शिक्षा ऋण, व्यक्तिगत ऋण, रिकवरी, क्रेडिट कार्ड एवं बॉब वर्ल्ड के लक्ष्य प्राप्त किए है. श्री मीना व उनकी शाखा में पदस्थापित सभी 10 स्टाफ सदस्यों द्वारा बैंक के सभी अभियानो में सदैव ही सक्रिय भागीदारी रही है.

बगरु शाखा

जयपुर जिले में स्थित बगरु शाखा का सदैव ही अलवर क्षेत्र के व्यवसाय में अच्छा योगदान रहा है. वरिष्ठ प्रबन्धक श्री प्रद्युम्न सिंह कुशवाहा द्वारा दिनांक 27.10.2022 से शाखा की बागडोर सम्हाली गयी है. शाखा का वित्तीय वर्ष 2022–23 में कुल व्यवसाय रु 185.02 करोड़ रहा. वित्तीय वर्ष 2022–23 में शाखा ने अपने चालू जमा, सावधि जमा, कुल जमा, खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम, MSME, गृह ऋण, मॉर्गेज ऋण एवं शिक्षा ऋण के लक्ष्य प्राप्त किए हैं. श्री कुशवाहा व उनकी शाखा में पदस्थापित सभी 14 स्टाफ सदस्यों द्वारा बैंक के सभी अभियानो में सदैव ही सक्रिय भागीदारी रही है.

बुधविहार शाखा

मुख्य प्रबन्धक श्री सी के शर्मा अलवर क्षेत्र में बुधविहार शाखा के प्रमुख हैं. श्री शर्मा जी द्वारा 17.09.2022 को बुधविहार शाखा का कार्यभार ग्रहण किया गया था. इनके द्वारा मात्र –6– महीनो में ही शाखा के कुल व्यवसाय में रु. 40 करोड़ की बढ़त दी गयी है. इनके नेतृत्व में शाखा वित्तीय वर्ष 2022–23 में 95 गृह ऋण, रु 13.53 करोड़ के साथ अलवर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर रही. साथ ही WMS व्यवसाय में इनकी शाखा का प्रदर्शन अतुलनीय रहा. Monthly GEMS ranking में मार्च 2023 में इनके कुशल नेतृत्व में, शाखा अलवर क्षेत्र में तृतीय स्थान पर रही.

हाथोज शाखा

मुख्य प्रबन्धक श्री ललित कुमार सूंथवाल अलवर क्षेत्र में हाथोज के शाखा प्रमुख हैं. श्री सूंथवाल द्वारा 28.12.2021 को हाथोज शाखा का कार्यभार ग्रहण किया गया था. वित्तीय वर्ष 2022–23 में शाखा ने अपने चालू जमा, बचत जमा, सावधि जमा, कुल जमा, खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम, MSME, गृह ऋण, वाहन ऋण, मॉर्गेज ऋण, वैयक्तिक ऋण के लक्ष्य प्राप्त किए हैं. साथ ही WMS व्यवसाय में इनकी शाखा का प्रदर्शन अतुलनीय रहा. Monthly GEMS ranking में मार्च 2023 में इनके कुशल नेतृत्व में शाखा अलवर क्षेत्र में पांचवें स्थान पर रही.

चिराग जेठवानी

मुख्य प्रबन्धक श्री चिराग जेठवानी अलवर क्षेत्र में RBDM के पद पर कार्यरत हैं. श्री जेठवानी के अथक प्रयासों की वजह से ही अलवर क्षेत्र मार्च 2023 में अपने चालू जमा, सावधि जमा, कुल जमा के लक्ष्य प्राप्त कर पाया. साथ ही अलवर क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2022–23

❖❖❖

क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा

हमारा बैंक सफलता के नित नए सोपान तय कर रहा है और इसके पीछे सभी बड़ौदियन साथियों का अथक परिश्रम है. क्षेत्रीय कार्यालयों की श्रेणी में भीलवाड़ा क्षेत्र श्रेष्ठ कार्य–निष्पादन हेतु बड़ौदा स्पर्श स्कोर के आधार पर जनवरी, 2023 और फरवरी, 2023 माह के दौरान क्षेत्रीय कार्यालयों की श्रेणी में क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहा है. टीम बॉबमैत्री की ओर से हम भीलवाड़ा क्षेत्र की समस्त टीम को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं. आइए जानते हैं क्षेत्र के लीडरों से सफलता के मूलमंत्र – संपादक

सफलता के मूलमंत्र

हमारे बैंक का व्यवसाय निरंतर उत्तरोतर वृद्धि के साथ साथ बैंकिंग जगत में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है. भीलवाडा क्षेत्र की टीम के समन्वित प्रयासों से ही क्षेत्रीय कार्यालयो की श्रेणी में हमारा क्षेत्र श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु अखिल भारतीय स्तर पर क्षेत्रों की मासिक रोलिंग रैंकिंग ट्रॉफी के आधार पर जनवरी 2023 माह में द्वितीय और फरवरी 2023 माह में तृतीय स्थान पर रहा है. भीलवाड़ा क्षेत्र की जुझारू, कर्मठ, अपने कार्य के प्रति समर्पित टीम के प्रत्येक सदस्य जिसमें प्रत्येक शाखा प्रबंधक, शाखा के स्टाफ सदस्य, क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य, बीसी मित्र, बीसी सुपरवाइजर शामिल हैं, को इस उपलब्धि का श्रेय जाता है.

आर पी मीना
सहायक महाप्रबंधक एवं
क्षेत्रीय प्रमुख

अभिषेक कमल
मुख्य प्रबंधक एवं
उप क्षेत्रीय प्रमुख

जनवरी–मार्च, 2023 तिमाही के दौरान भीलवाड़ा क्षेत्र के व्यावसायिक कार्य–निष्पादन की उल्लेखनीय बातें:

मार्च तिमाही में क्षेत्र का कुल व्यवसाय रु. 10993 करोड़ रहा.

- क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2022–23 में टर्मिनल जमा व्यवसाय में बचत जमा में रु. 306.07 करोड़ (13.48%), कुल कासा जमा में रु. 318.62 करोड़ (12.64%) रिटेल सावधि जमा में रु. 245.00 करोड़ (14.14 %) तथा कुल जमा में रु. 563.62 करोड़ (13.25%) की वृद्धि दर्शायी है. क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2022–23 मे औसत जमा व्यवसाय में कुल कासा जमा में रु. 311.14 करोड़ (13.78%) की वृद्धि दर्शायी है एवं औसत कासा जमा व्यवसाय में वार्षिक लक्ष्यों को 103% से प्राप्त किया है.
- कासा खाते : वित्तीय वर्ष 2022–23 में क्षेत्र द्वारा 6.20 खाते प्रति दिन प्रति शाखा की दर से कुल 115605 बचत खाते खोले गए हैं जिसमें से 4.20 खाते प्रति दिन प्रति शाखा की दर से 78343 नॉन एफ आई बचत खाते खोले गए हैं. साथ ही वित्तीय वर्ष 23 में 2830 चालू खाते खोले गए जिनकी दर 3.60 खाते प्रति माह प्रति शाखा है.
- वित्तीय वर्ष 22–23 में क्षेत्र द्वारा कुल अग्रिम तथा अग्रिम के सभी सेगमेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है. वित्तीय वर्ष 2022–23 में क्षेत्र ने कुल रिटेल ऋण, कुल कृषि ऋण, कुल गृह ऋण, कुल कार ऋण, कुल बंधक ऋण, कुल शिक्षा ऋण एवं कुल गोल्ड ऋण, कुल मिड कॉर्पोरेट ऋण में मार्च 23 के लक्ष्यों को प्राप्त किया है.
- ऋणात्मक वृद्धि वाली शाखाएँ : हमारे द्वारा ऋणात्मक वृद्धि वाली शाखाओं में कमी करने हेतु क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर विशेष टीम का गठन कर समीक्षा बैठक आयोजित की गयी है तथा प्रत्येक शाखा से रणनीति की चर्चा भी की गयी है. परिणाम स्वरूप क्षेत्र की ऋणात्मक वृद्धि वाली शाखा मार्च 23 में शून्य रही हैं.
- भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा डिजिटल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है.
- क्षेत्र की प्रत्येक शाखा में 97%–98% Transaction डिजिटल मोड पर निष्पादित किए जा रहे हैं.
- दिनांक 31/03/2023 तक बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन का आबंटित लक्ष्य 123130 था जिसके सापेक्ष 131067 106.40 % की उपलब्धि रही. प्राप्त किया.
- डिजिटल चेम्पियंस का समूह बनाया गया है, डिजिटल चेम्पियंस की मासिक समीक्षा बैठक की जाती है. इसमें उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने पर क्षेत्रीय समिति की बैठक में पुरस्कृत किया जाता है.
- एन पी ए वसूली में जनवरी– मार्च 23 के रु. 7.75 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष रु. 9.69 करोड़ की वसूली कर लक्ष्यों का 125% प्राप्त किया गया है.
- जनवरी से मार्च 2023 तिमाही में होम लोन के 97 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष, रु. 112.13 करोड़ का लक्ष्य हासिल कर लक्ष्यों का 115% प्राप्त किया गया है.
- जनवरी – मार्च 23 में गोल्ड लोन (कृषि) में रु. 7.92 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष रु. 15.67 करोड़ प्राप्त किया जो लक्ष्यो का 197.85% है.
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में जनवरी– मार्च 23 के रु. 47 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष रु. 56 करोड़ प्राप्त किया जो लक्ष्यो का 119% है

(राशि करोड़ों में)

कुल मांग जमा	263
कुल बचत जमा	2576
कुल कासा जमा	2839
कुल कासा %	59
कुल सावधि जमा	1977
कुल रिटेल सावधि	1875
कुल बल्क सावधि	102
कुल जमा	4817
कुल अग्रिम	6176
कुल रिटेल ऋण	1624
कुल कृषि ऋण	1966
कुल एमएसएमई ऋण	1416
कुल कॉर्पोरेट ऋण	1060
कुल लाबोड़ ऋण	36
कुल स्टाफ ऋण	73
कुल रिटेल ऋण	
रिटेल ऋण/ (लाबोड को छोड़कर)	1624
गृह ऋण	896
आँटो	158
बंधक ऋण	305
शिक्षा ऋण	20
स्वर्ण ऋण	5
व्यैयक्तिक ऋण	240

क्षेत्र की शीर्ष कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं के शाखा प्रमुखों से जानें सफलता के मूलमंत्र

सरेडी शाखा

सरेडी शाखा हमारे क्षेत्र की ग्रामीण श्रेणी की शाखा है, शाखा ने वार्षिक आवंटित लक्ष्य के विभिन्न व्यवसायिक मापदंडों को प्राप्त किया है बल्कि लक्ष्यों से अधिक व्यवसाय कर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है.

– श्री के एन मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक एवं शाखा प्रमुख, सरडी शाखा

बारूखेड़ा शाखा

बारूखेड़ा शाखा हमारे क्षेत्र की ग्रामीण श्रेणी की शाखा है, शाखा ने आबंटित वार्षिक लक्ष्य के विभिन्न व्यवसायिक मापदंडों को न केवल प्राप्त किया है बल्कि लक्ष्यों से अधिक व्यवसाय कर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है.

– श्री एस के गुप्ता, वरिष्ठ प्रबंधक एवं शाखा प्रमुख, बारूखेड़ा शाखा

शिवाजी गार्डन शाखा

शिवाजी गार्डन शाखा हमारे क्षेत्र की शहरी श्रेणी की शाखा है, शाखा ने आबंटित वार्षिक लक्ष्य के विभिन्न व्यवसायिक मापदंडों को न केवल प्राप्त किया है बल्कि लक्ष्यों से अधिक व्यवसाय कर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है.

– श्री भरत जानी, मुख्य प्रबंधक एवं शाखा प्रमुख,
शिवाजी गार्डन शाखा

सुभाष नगर शाखा

सुभाष नगर शाखा हमारे क्षेत्र की शहरी श्रेणी की शाखा है, शाखा ने वार्षिक आबंटित लक्ष्य के विभिन्न व्यवसायिक मापदंडों को न केवल प्राप्त

किया है बल्कि लक्ष्यों से अधिक व्यवसाय कर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है.

– श्री मन मोहन मीना, मुख्य प्रबंधक एवं शाखा प्रमुख,
सुभाष नगर शाखा

क्षेत्र के शीर्ष कार्यनिष्पादनकर्ता विभाग

- वसूली विभाग द्वारा जनवरी– मार्च 23 के रु. 7.75 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष रु. 9.69 करोड़ की वसूली कर लक्ष्य का 125% प्राप्त किया गया है.
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र विभाग ने आबंटित वार्षिक लक्ष्यों के विभिन्न व्यवसायिक मापदंडों को न केवल प्राप्त किया है बल्कि लक्ष्यों से अधिक व्यवसाय कर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है.
- एस एम एस टीम भीलवाड़ा द्वारा ग्रह ऋण के आबंटित वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त किया गया है व अग्रिम विभाग द्वारा रिटेल ऋण के आबंटित लक्ष्य को प्राप्त किया गया है.
- सूचना प्रौद्योगिकी एवं ईसीएम विभाग द्वारा 31/03/2023 तक बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन के आबंटित लक्ष्य 123130 के सापेक्ष 131067 106.40 % की उपलब्धि हासिल की गई है.

वसूली विभाग

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र विभाग

एसएमएस टीम, भीलवाड़ा

सूचना प्रौद्योगिकी एवं ईसीएम टीम

भीलवाड़ा क्षेत्र को प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान

Sr. No.	Name of Campaign	Achievement
1	Azadi Ka Amrit Mahotsav from 28th March to 12th June, 2022	Only Bhilwara Region in Jaipur Zone achieved the allotted target of PMJJBY, PMSBY & Account Opening.
2	BC Loan Leads Campaign from 6th April to 30th Sept 2022	Bhilwara Region achieved 1st Position in Group A
3	DFS Five Year Roadmap for Micro-Insurance Enrollment 01st June 2022 to 31st May 2023	Bhilwara Region achieved the allotted target. Bhilwara Region enrolled highest no. of PMJJBY & PMSBY in Pan India
4	Double Century (Tractor)	1st Position in our category
5	Mission 501 (BKCC)	Pan India 2nd Position
6	Gold Rush	Pan India 3rd Position
7	Gold Loan Ke Superstar	1st Position Pan India
8	BOB WORLD COUNT YOUR STARS	Pan india no. 1 in terms of activations. Pan india no. 3 in terms of percentage achievement. Highest 26 branches surpassed the100% targets.
9	DIGITAL RAFTAAR: (15-09-2022 To 14-12-2022)	Pan india number 1 in all products categories for all milestone1, 2 and 3. Overall Points Accumulated Pan India Number 1 In Digital Raftaar Campaign

❖❖❖

आत्मनिर्भर भारत में डिजिटल बैंकिंग का महत्व

भूमिका

'आत्म' अर्थात् स्वयं तथा 'निर्भर' अर्थात् आश्रित, 'आत्मनिर्भर'. इस शब्द की संरचना इन्हीं दो शब्दों से मिलकर हुई है. इस प्रकार आत्मनिर्भर' शब्द से अभिप्राय है 'स्वयं पर आश्रित होना' या अन्य शब्दों में कहा जाये तो आत्मनिर्भरता का तात्पर्य है अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु स्वयं सक्षम बनना ताकि अपनी ज़रूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित न रहना पड़े. यद्यपि यह शब्द नया नहीं है, परंतु विगत कुछ वर्षों में इसका काफ़ी प्रचार-प्रसार व उल्लेख रहा है. अक्सर अख़बारों, टेलीविज़न, मोबाइल व सूचना के अन्य माध्यमों से यह शब्द हमारा ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता रहा है. इसकी एक प्रमुख वजह है 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान. हमारे गौरवशाली भारत देश को विश्व में और भी अधिक सक्षम, मज़बूत और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया यह अभियान अपनी पूरी रफ़्तार के साथ काफ़ी सफ़र तय कर चुका है तथा अभी भी इसे काफ़ी आगे तक जाना जिसके लिए यह निरंतर गतिशील और प्रगति पथ पर अग्रसर है. इस प्रगति मार्ग में आपदा और प्राकृतिक परिवेश में परिवर्तन के साथ-साथ अन्य कई चुनौतियां हैं जिसमें से हमें छुपे हुए अवसरों को ढूँढना है और राष्ट्रहित में इस अभियान को सफल बनाना है. इसके साथ ही तेज़ी से बदलती बैंकिंग प्रणाली जो कि मैनुअल से डिजिटल दिशा की ओर अग्रसर हो चुकी है, उसका अपना ही एक अलग महत्व है जिसके बिना बैंक और बैंकिंग उद्योग एक कल्पना मात्र ही है.

डिजिटल बैंकिंग क्या है

जिस प्रकार पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को काफी हद तक प्रभावित किया है, उससे एक निष्कर्ष यह निकाला जा सकता है कि आज शायद ही कोई क्षेत्र होगा जो डिजिटल प्रणाली से अछूता रहा होगा. लोगों के बीच सूचना संचार, पढ़ाई, नौकरी एवम् बैंकिंग सब कुछ डिजिटल माध्यम से ही हो रहा है. इस प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण फायदा यह है कि कोई भी कहीं से भी सेवाओं का लाभ उठा सकता है जिसके लिये मात्र इंटरनेट की सुविधा की आवश्यकता है. यह सुविधा आजकल लगभग सभी मोबाइल फोन में बहुत ही नाम मात्र दरों पर उपलब्ध है.

मूलत: डिजिटल शब्द कंप्यूटर के 'डिजिट' शब्द से बना है जिसमें सभी निर्देश '0' और '1' के रूप में होते हैं. इसी तकनीक का उपयोग एक व्यापक डिजिटल प्रणाली को स्थापित करता है. बैंकिंग परिप्रेक्ष्य में डिजिटल बैंकिंग अपने ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं घर बैठे उपलब्ध करवाती हैं जिससे कि उन्हें अपनी दैनिक बैंकिंग आवश्यकताओं के लिये बैंकों में लाईन में न लगना पड़े. यह इंटरनेट बैंकिंग का विकसित रूप है किन्तु यह उससे कई मामलों में भिन्न एवं सुविधाजनक है. इंटरनेट बैंकिंग में कंप्यूटर द्वारा बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध तो हो जाती है किन्तु घर या ऑफिस के बाहर कंप्यूटर को हर समय साथ में रखना संभव नहीं हो पाता. वहीं डिजिटल प्रणाली द्वारा आज मोबाइल फोन पर बैंकिंग सेवायें एक स्पर्श मात्र से उपलब्ध है जिससे कि लोग सफ़र में, घर के बाहर भी चलते-फिरते बैंकिंग सेवाओं का लाभ ले सकते हैं.

भारत को आत्मनिर्भर बनाने में डिजिटल बैंकिंग की भूमिका

हालांकि हमारा भारत देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कई वर्षों से प्रयासरत रहा है किन्तु वर्ष 2020 में आई वैश्विक आपदा कोविड 19 के बाद इस सफर की गति में काफ़ी हद तक वृद्धि हुई है. इन परिस्थितयों में मास्क, सैनीटाइजर, पी पी ई किट आदि भारतीय उद्योगों ने दिन रात कार्य कर के रिकॉर्ड उत्पादन किया ताकि न सिर्फ देशवासियों के लिये बल्कि विश्व में भी मानवता की रक्षा की जा सके. इन उभर कर आये उद्योगों ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिये 'आपदा में अवसर' ढूँढ़ निकाले. महामारी के प्रकोप ने न सिर्फ भारत देश में बल्कि संपूर्ण विश्व में लॉकडाउन की स्थिति उत्पन्न कर दी थी जिससे पूरी दुनिया का कामकाज, उद्योग, और जीवन ठहर सा गया था. ऐसे में संसाधनों का आयात निर्यात और लोगों के रोज़गार भी प्रभावित हुए जिससे जीवन-यापन करने के सामने एक विकट समस्या उत्पन्न हो गई. इतने विपरीत समय में भी भारत देश अपने देशवासियों के साथ पूरे साहस और वीरता के साथ आपदा से लड़ने के लिए प्रयत्नशील रहा. इन प्रयासों में वैसे तो चिकित्सा क्षेत्र के कर्मचारियों का योगदान अतुलनीय है किन्तु आपदा काल में अपनी जान की चिंता किए बिना ग्राहक सेवाएं प्रदान करने वाले बैंक और बैंकिंग कर्मचारियों के प्रयासों को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता है.

जैसा कि विदित है कि कोई भी देश आत्मनिर्भर तभी बन सकता है जब वहां के लोग आत्मनिर्भर बनें. डिजिटल बैंकिंग ने लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई नए आयाम प्रदान किए हैं. आज लगभग सभी बैंकों की अधिकतर बैंकिंग सेवाएं डिजिटल रूप में लोगों के मोबाइल फोन पर बैंकिंग एप्लिकेशन के माध्यम से उपलब्ध हैं. लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों के अलावा हर एक भारतीय आज अपना रोजगार और बैंकिंग अपने मोबाइल से बड़ी ही सहजता से नियंत्रित कर सकता है. घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा विभिन्न सब्सिडी आदि प्रदान की जाती है जो डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से सीधे ग्राहक तक

पहुंच जाती है. कुछ इसी प्रकार की अन्य सुविधाएं जो डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से देश के उद्यमियों को और सशक्त बनाती हैं, वे निम्नानुसार हैं :

1. अधिक से अधिक लेन–देन डिजिटल रूप में होने से नकदी लेन–देन में धीरे धीरे कमी आई है जिसका सीधा फायदा सरकार द्वारा चलाए जा रहे कैशलैस इकोनॉमी के स्वप्न को पूरा करने में मददगार साबित होगा.
2. डिजिटल लेन–देन होने से नकली मुद्रा के प्रचलन को रोकने में भी सहायता मिल रही है.
3. डिजिटल लेन–देन में पारदर्शिता और उसके साक्ष्य उपलब्ध होने से काले धन को कम कर भ्रष्टाचार को रोकने में भी सहायता प्राप्त हो रही है.
4. डिजिटल बैंकिंग से आज के समय में कुछ ही मिनटों में बैंक खाता खुलने से लेकर बैंकिंग सेवाओं को उपयोग करने की सेवा उपलब्ध हो जाती है. इससे लोगों का समय निश्चित रूप से बचता है और वे अपने रोजगार एवं उद्योगों का संचालन समय से कर पाते हैं.
5. घरेलू और छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन तभी मिल सकता है जब उनकी वित्तीय आवश्यकताएं समय से पूर्ण हो सके. डिजिटल बैंकिंग से आज कहीं से कहीं पर पैसों का लेन–देन मिनटों में हो जाता है और डिजिटल डिलीवरी चैनल जैसे कि एटीएम, आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम आदि पर बड़ी ही सहजता से भुगतान भी प्राप्त किया जा सकता है.
6. देश में चल रहे "आत्मनिर्भर भारत" अभियान, मेक इन इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, विभिन्न सरकारी योजनाएं, सब्सिडी और रियायतें आदि किसी न किसी रूप से बैंकिंग से जुड़ी हुई हैं क्योंकि सही धनराशि सही खाता धारकों तक पहुंचाना बैंकों के माध्यम से ही संभव हो पाता है.
7. वैश्वीकरण के इस दौर में आत्मनिर्भरता की परिभाषा सिर्फ स्वयं के लिए सक्षम बनने तक ही सीमित नहीं रह गई है. अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ–साथ दूसरों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रयासरत रह कर सक्षम बनना देश को और आत्मनिर्भर बनाता है. माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा हमारे देश के घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए चलाया गया 'वोकल फॉर लोकल' स्लोगन का उद्देश्य यही है कि नए व छोटे उद्योगों को आगे बढ़कर अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रचार–प्रसार करना होगा क्योंकि आज जिन नामचीन विदेशी ब्रांडों के उत्पादों की ओर हम आकर्षित हो रहे हैं, उनकी शुरुआत इसी प्रकार छोटे घरेलू उद्योगों से ही हुई थी. बैंक ऐसे ही जरूरतमंद और योग्य छोटे उद्योगों को उनके सपने पूरे करने के लिए बहुत ही आसानी से घर बैठे ऋण सुविधा उपलब्ध करवाता है. डिजिटल बैंकिंग प्रणाली होने के कारण घर बैठे ही वीडियो केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड, आधार से पुष्टीकरण आदि की प्रक्रिया पूर्ण होने पर लोगों को उनकी पात्रता के अनुसार उचित दरों पर तत्काल ऋण सुविधा उपलब्ध हो जाती है. इससे निश्चित ही भारतीय उद्योगों को बढ़ावा मिलता है ताकि वे 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल से ग्लोबल' की दिशा में बढ़कर स्वयं के साथ साथ अपने देश को भी सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएं.

हालांकि देश को आत्मनिर्भर बनाने में डिजिटल बैंकिंग एक अहम भूमिका अदा कर ही रहा है किन्तु यह राह उतनी भी आसान नहीं है, इस मार्ग में कई प्रकार की चुनौतियां हैं. जितनी तेज़ी से इस तकनीक का विकास हुआ है उतनी ही तेज़ी से साइबर क्राइम और धोखाधड़ी भी बढ़ी है . लोगों को अधिक से अधिक जागरूक बनाने के लिए समय–समय पर सरकार द्वारा समाचार पत्र, टीवी आदि माध्यमों से अवगत कराया जाता है. भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार बैंकों द्वारा लोगों को सावधान किया जाता है कि वो अपना बैंकिंग पिन, सीवीवी नंबर, ओटीपी आदि किसी से भी साझा न करें. बैंक लोगों को जागरूक करते रहते हैं कि अपना मोबाइल नंबर जल्दी जल्दी न बदलें और यदि बदलने की आवश्यकता पड़े भी तो उसके लिए केवाईसी दस्तावेज़ के साथ अपनी बैंक शाखा में स्वयं जा कर मोबाइल नंबर अपडेट करवाएं क्योंकि सारी डिजिटल बैंकिंग प्रणाली मोबाइल ऐप्लीकेशन पर ही आधारित होती है. ऐसे में मोबाइल के गलत उपयोग से लोगों को साइबर अपराध के तहत भारी वित्तीय हानि होने का खतरा बना रहता है. डिजिटल बैंकिंग से संबंधित कुछ अन्य चुनौतियां निम्नलिखित हैं:

(i) डिजिटल बैंकिंग के बारे में साक्षरता के अभाव के कारण आज भी ग्रामीण क्षेत्रों के कई लोग इन सुविधाओं से वंचित हैं, जिन्हें जागरूक और साक्षर बनाकर उन्हें भी लाभान्वित किया जा सकता है.

(ii) फिशिंग यानी लुभावने ई–मेल में सूचित की गई इनाम राशि आदि के लालच में आकर साक्षर लोग भी लिंक पर क्लिक कर के खाते से संबंधित गुप्त सूचनाएं साझा कर देते हैं जिससे वे साइबर धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं.

(iii) 'विशिंग', 'फिशिंग' का ही वह रूप है जिसमें लोग फोन पर बातों बातों में गुमराह होकर अपना ओटीपी, सीवीवी आदि साझा कर देते हैं और वित्तीय हानि कर बैठते हैं.

उपसंहार

डिजिटल बैंकिंग की महत्ता को देखते हुए इस वर्ष के बजट में आजादी के 75 वर्ष के जश्न को मनाने हेतु देश के 75 जिलों में डिजिटल बैंकिंग यूनिट (डीबीयू) की स्थापना की गई है. इन डिजिटल बैंकिंग यूनिटों का उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देना एवं उसकी उपलब्धता एवं उपयोगिता को अधिक से अधिक देशवासियों तक पहुंचा कर वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को प्राप्त करना है. जिस प्रकार किसी भी देश की प्रगति और तरक्की वहां के लोगों की प्रगति और तरक्की पर निर्भर करती है, उसी प्रकार भारत देश भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर इसीलिए हो पा रहा है क्योंकि यहां के लोग आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयासरत हैं. कम से कम समय में, कहीं से भी, कहीं पर भी पैसों का डिजिटल लेन–देन होने से उद्योगों को सही समय पर कच्चे माल की उपलब्धता हो पाती है, जिससे सही समय पर उत्पाद निर्माण कार्य संपन्न हो पाता है, तैयार उत्पाद एवं सेवाओं की आपूर्ति और निर्यात हो पाता है और इसी से सही समय पर उद्योगों को आमदनी प्राप्त होती है जो कि हमारे घरेलू उद्योगों को संपन्न, समृद्ध, सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाती है जो एक व्यापक रूप में हमारे देश को आत्मनिर्भर बनाती है.

❖❖❖

चारुल सिंह
अधिकारी
डीबीयू, वाराणसी

Revolutionizing Agriculture: IoT in Operations

Internet of Things (IoT) refers to the network of physical devices, vehicles, buildings, and other items embedded with electronics, software, sensors, and connectivity which enables these objects to connect and exchange data. This allows for the collection and sharing of data from these devices, enabling new types of applications and services to be developed.

It is only logical that IoT, connected devices, and automation would find its application in agriculture, and as such, tremendously improve nearly every facet of it. How could one still rely on horses and plows when self-driving cars and virtual reality are no longer a sci-fi fantasy but an everyday occurrence.

Farming has seen a number of technological transformations in the last decades, becoming more industrialized and technology driven. By using various smart agriculture gadgets, farmers have gained better control over the process of raising livestock and growing crops, making it more predictable and improving its efficiency.

The use of IoT by Indian farmers is still in its early stages, but it is gradually gaining momentum. The Indian government has recognized the potential of IoT in agriculture and has taken steps to promote its adoption. The National e-Governance Plan for Agriculture includes a component on "Precision Agriculture" which aims to provide farmers with real-time information and advisory services through mobile and web-based platforms. In recent years, private companies have also started to develop and market IoT-enabled devices and services for Indian farmers. These include precision irrigation systems, soil moisture sensors, and crop monitoring devices.

The Internet of Things (IoT) has the potential to revolutionize the agriculture industry in India by providing farmers with real-time data and insights to improve crop yields, reduce costs, and make more informed decisions. The agriculture sector in India is a significant contributor to the country's economy, with around 50% of the population engaged in agriculture and related activities. However, the sector has been facing numerous challenges, including low productivity, inadequate access to information and technology, and limited resources. IoT can help address many of these challenges by providing farmers with real-time data and insights to improve crop yields and reduce costs.

One of the most promising applications of IoT in agriculture is precision farming. Precision farming uses real-time data and analytics to optimize crop yields and reduce costs by targeting specific areas of the field that need attention. This precision agriculture approach helps to conserve resources, reduce the use of fertilizers and pesticides.

IoT can be used for crop monitoring to collect data on crop growth, yield, and health, allowing farmers to make more informed decisions about planting, irrigation, and crop management. This data can be used to predict crop yields and identify potential issues before they become a problem, such as pests or diseases. This can help farmers to take preventive measures, such as applying pesticides or fertilizers, to protect crops from damage, and increasing their yield.

Perhaps one of the most promising agritech advancements is the use of agricultural drones in smart farming. Also known as UAVs (unmanned aerial vehicles), drones are better equipped than airplanes and satellites to collect agricultural data. Apart from surveillance capabilities, drones can also perform a vast number of tasks that previously required human labor: planting crops, fighting pests and infections, agriculture spraying, crop monitoring, etc.

IoT can also be used to improve the efficiency of irrigation systems. Smart irrigation systems use IoT- enabled sensors to monitor soil moisture levels, weather conditions, and other factors to determine the optimal time and amount of water to be applied to crops. This not only helps farmers save water and energy, but also helps to ensure that the right amount of water is applied at the right time. This can help farmers

save on costs and increase their profits.

Typically, farmers use manual intervention to control the greenhouse environment. The use of IoT sensors enables them to get accurate real-time information on greenhouse conditions such as lighting, temperature, soil condition, and humidity and other factors that are critical to crop growth. This allows farmers to optimize growing conditions and improve crop yields, even in extreme weather conditions. Smart greenhouses can also be used to reduce the use of pesticides and other chemicals, which is not only better for the environment but also for the health of the crops and consumers.

Another area where IoT can make a big impact in agriculture in India is in the supply chain management. IoT-enabled sensors and devices can be used to track the location and condition of crops from the field to the consumer, providing valuable insights into crop yields, quality, and other factors that can impact the price and demand for a particular crop. IoT can also be used to improve logistics and transportation, by providing real-time visibility into the location of trucks, trailers, and other vehicles used to transport farm harvest. This can help farmers to optimize supply chains, reduce costs and increase profits. It can also ne used to improve the efficiency of post-harvest processes, such as storage and transportation.

IoT can be used to monitor the health of livestock, including cows, pigs, and chickens, allowing farmers to detect and to take preventive measures for diseases before they spread. IoT can be used to improve the efficiency of feeding, by monitoring the weight and health of animals, and adjusting their diet accordingly.

IoT has the potential to significantly change the farming ecosystem in India by:

Improving crop yields: Provide farmers with real-time data on soil moisture, temperature, and other factors, allowing them to optimize their irrigation and fertilization practices. This can lead to better crop yields and more sustainable farming practices.

Reducing costs: Help farmers reduce costs by reducing the need for manual labor, reducing water usage, and reducing the use of chemical pesticides and fertilizers.

Enhancing precision agriculture: Help farmers to monitor crop growth and predict pests and diseases, allowing them to take preventative measures to protect their crops and increase crop yields.

Improving decision-making: By collecting and analyzing large amounts of data, farmers can make more informed decisions about crop management, leading to better yields and more sustainable farming practices.

Improving market access: Connect farmers with buyers, processors and distributors directly, by providing real-time information on crop production, quality, and prices, and enabling them to negotiate better prices for their products.

Improving supply chain visibility: Improve the traceability and transparency of agricultural products from farm to consumer, by providing real-time data on production, transportation, and storage.

Improving rural connectivity: Connect rural areas to the internet and provide farmers with access to information, services and markets, enabling them to make more informed decisions and improve their livelihoods.

The Indian government has launched several initiatives to promote the use of Internet of Things (IoT) in agriculture. One such initiative is the "Agriculture IoT and Precision Farming" scheme, which aims to provide financial assistance to farmers for the development and use of IoT-based precision farming technologies. Another initiative is the "National Agriculture Market" (e-NAM) platform, which uses IoT-enabled devices to connect farmers, traders, and buyers, and facilitates the sale of agricultural produce online. The government has also set up "Agriculture Technology Management Agency" (ATMA) at the district level to provide training and support to farmers for the adoption of new technologies, including IoT-based solutions. The use of IoT in Indian agriculture is expected to continue to grow in the coming years as the technology becomes more accessible and affordable.

❖❖❖

Hitesh Karkar
Chief Manager & Faculty
Baroda Apex Academy
Gandhinagar

भोपाल क्षेत्र द्वारा टी टी नगर शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

06 मार्च, 2023 को भोपाल क्षेत्र द्वारा टी. टी. नगर शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, भारत सरकार के सचिव श्री एस के माथुर, सरकारी संपर्क एवं पीएसयू व्यवसाय विभाग, नई दिल्ली की महाप्रबंधक श्रीमती सम्मिता सचदेव, उप अंचल प्रमुख श्री नीलब चंद्र राय, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के तलरेजा, टी टी नगर शाखा के शाखा प्रमुख श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

जामनगर क्षेत्र के तहत ओखा में नवीन एटीएम का उद्घाटन

15 मार्च, 2023 को जामनगर क्षेत्र के तहत ओखा तट रक्षक यूनिट के अंतर्गत नवीन एटीएम का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख (राजकोट अंचल) श्री विजय कुमार बसेठा, भारतीय तट रक्षक के डीआईजी श्री दीपक कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख (जामनगर क्षेत्र) श्री मनोज कुमार साहू, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मिड कॉर्पोरेट शाखा, भोपाल का उद्घाटन

13 जनवरी, 2023 को भोपाल में बैंक की मिड कॉर्पोरेट शाखा का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई के महाप्रबंधक श्री आनंद शंकर, महाप्रबंधक श्री अमित तुली, भोपाल अंचल के अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख श्री नीलब चंद्र राय, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख (भोपाल क्षेत्र) श्री एस के तलरेजा, मिड कार्पोरेट शाखा, भोपाल के सहायक महाप्रबंधक श्री राजेश फुलवानी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मंगलूरु जिला क्षेत्र द्वारा उजिरे मेन शाखा का उद्घाटन

21 मार्च, 2023 को मंगलूरु जिला क्षेत्र द्वारा उजिरे मेन शाखा का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, अंचल प्रमुख श्रीमती गायत्री आर, उप अंचल प्रमुख श्री गोपालकृष्ण आर, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

आगरा क्षेत्र द्वारा शिकोहाबाद शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

17 फरवरी, 2023 को आगरा क्षेत्र द्वारा शिकोहाबाद शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक शुक्ला, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक श्री योगेश कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मंगलूरु जिला क्षेत्र द्वारा पुत्तूर शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

18 जनवरी, 2023 को मंगलूरु जिला क्षेत्र द्वारा पुत्तूर शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्रीमती गायत्री आर, एसकेडीआरडीपी (पं), धर्मस्थला के कार्यपालक निदेशक डॉ. एल एच मंजुनाथ, क्षेत्रीय प्रमुख श्री देवीप्रसाद शेट्टी, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, रतलाम के नए परिसर का उद्घाटन

13 फरवरी, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, रतलाम के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, भोपाल अंचल के अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, रतलाम क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध इनामदार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के नए परिसर का उद्घाटन

22 मार्च, 2023 को क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख श्री नीलब चंद्र राय, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख (भोपाल क्षेत्र) श्री एस के तलरेजा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पणजी क्षेत्र द्वारा पणजी शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

20 मार्च, 2023 को पणजी क्षेत्र द्वारा पणजी मुख्य शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार झा, श्री दिलीप हमरस्कर, लेखा निदेशक, श्री मंगिरिश पै रायकर, नेशनल काउंसिल फॉर एमएसएमई, एसोचैम, शाखा प्रमुख श्री मनीष कुमार मसराम तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Gulbarga Region inaugurates new premises of Super Market Branch

On 15 February, 2023 Gulbarga Region inaugurated new premises of Super Market Branch. In the opening ceremony Deputy Zonal Head Shri Gopalakrishna R, Regional Head Shri R V Siva raja Kumar, DRM Shri Dattaprasad V Chavan and other staff members were present.

Mangaluru Zone inaugurates new premises of Udupi II Regional Office

Mangaluru Zone inaugurated new premises of Udupi II Regional Office (Now Shivamogga Regional Office) with the hands of Mrs. Ghayathri R, Zonal Head on 20th March, 2023. Shri Gopalakrishna R, Deputy Zonal Head, Sri. Ravi H.G., Regional Manager, Sri. Prashanth Kumar, Deputy Regional Manager were present on the occasion.

Ernakulam Region inaugurates new premises of MG Road Branch, Ernakulam

Ernakulam Region inaugurated new premises of MG Road Branch, Ernakulam. Dr. Renu Raj (IAS), District Collector, Ernakulam, Shri Loknath Behera (IPS), MD, KMRL, S hri Sreejith Kottarathil, Zonal Head, Shri Viswajith T S, Dy. Zonal Head, Shri Anishkumar Kesavan, Regional Manager and other dignitaries were present on the occasion.

Mangaluru Zone organizes workshop for Office bearers of various Village level committee

On 18th March, 2023 Vijaya Rural Development Foundation (VRDF) has conducted One Day Workshop for Office bearers of various Village level Committees. The programme was inaugurated by Smt Ghayathri R, Zonal Head and Chairman-VRDF in the presence of Sri Gopalakrishna R Deputy Zonal Head, Shri Premnath Alva, Deputy Chairman an others.

जयपुर क्षेत्र द्वारा वॉटर कूलर का दान

जयपुर क्षेत्र की नाहरी का नाका शाखा द्वारा सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत राजकीय डेंटल कॉलेज में छात्रों हेतु वाटर कूलर लगवाया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता, वीकेआई शाखा के शाखा प्रमुख श्री राजेश भाखर सहित कॉलेज के उच्च प्राधिकारी एवं मेडिकल छात्र उपस्थित रहे.

रायपुर क्षेत्र द्वारा एम्स हॉस्पिटल, रायपुर में व्हील चेयर का वितरण

26 जनवरी, 2023 को रायपुर क्षेत्र द्वारा कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एम्स हॉस्पिटल, रायपुर को व्हील चेयर भेंट किए गए. उक्त अवसर पर एम्स, रायपुर के निदेशक प्रो.(डॉ) नितिन म. नगरकर, उप निदेशक डॉ अंशुमान गुप्ता, बैंक ऑफ़ बड़ौदा,रायपुर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अभिषेक भारती अन्य स्टाफगण उपस्थित थे.

करनाल क्षेत्र द्वारा खाद्य सामग्री का वितरण

31 जनवरी, 2023 को करनाल क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एमडीडी बालभवन पुश्गढ़ रोड, करनाल में खाद्य सामग्री का वितरण किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी पी एस भाटिया, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Udupi Region organises health check-up camp

Regional Office Udupi and K.M.Marg Udupi branch jointly conducted Health check-up Camp for Municipality Street Cleaners on 23 January, 2023. The Health check-up camp was inaugurated by Regional Head Shri Sanatan Sathua and staff members of Regional Office and Branch were present on the occasion.

Hubballi Region organises free health check-up camp

On 23rd January, 2023 Hubballi Region organised a free health check-up camp at Merchants Association Hall APMS Yard, Hubballi for unorganised labourers of APMC. The function was inaugurated by Shri Pradeep S Desai, Regional Head in the presence of Shri Manjunath Hubballi, Secretary and Shri Muttu Patil President of Merchants Association.

Data Centre, Hyderabad Donates school bag to orphanage

On 27th January, 2023, our Data Centre, Hyderabad donated school bags and arranged lunch and dinner to 25 children at Orphanage Amma Odi Volunteer Organization, Ghatkesar, Hyderabad as a part of local community service. General Manager (IT) Shri Rakesh Nema, Assistant General Manager Shri Nallathambi A and other staff members were present on the occasion.

Hassan Region donates utensils to Deaf and Dumb School

Hassan Region donated utensils to Deaf and Dumb School at Hassan as a part of Corporate Social Responsibility. Regional Head Shri S Samuel Stephen, executives and other Staff Members were present on the occasion.

नासिक क्षेत्र द्वारा हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

25 जनवरी, 2023 को नासिक क्षेत्र की नरसिंग नगर शाखा द्वारा ग्राहकों के लिए निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया. इस अवसर पर शाखा प्रमुख श्री चैतन्य मोहनिया तथा शाखा के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भोपाल क्षेत्र द्वारा अनाथालय में कुर्सी का वितरण

भोपाल क्षेत्र की टीटी नगर शाखा द्वारा "सेवा भारती–मातृछाया, भोपाल" अनाथालय में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत कुर्सी दान की गई. इस अवसर पर टीटी नगर शाखा के सहायक महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

नासिक क्षेत्र द्वारा त्र्यंबक देवस्थान को एअर कूलर भेंट

31 जनवरी, 2023 को नासिक क्षेत्र द्वारा सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत त्र्यंबक देवस्थान को 06 एअर कूलर भेंट किए गए. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, मुख्य महाप्रबंधक श्री जे. एन. चोपड़ा, महाप्रबंधक श्री दिनेश नामदेव, महाप्रबंधक श्री ए. एन. गुप्ता, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

सुरेंद्रनगर क्षेत्र द्वारा विद्यालय में डस्टबिन का वितरण

19 जनवरी, 2023 को सुरेंद्रनगर क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाडे के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों के तहत डस्टबिन का वितरण किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रशांत कुमार बल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी के ठाकुर तथा अन्य विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे.

कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

16 से 31 जनवरी, 2023 तक बैंक द्वारा देश भर में अपने कार्यालयों और शाखाओं में "स्वच्छता पखवाड़ा" (स्वच्छ भारत को समर्पित एक पखवाड़ा) मनाया गया. 28 जनवरी, 2023 को बैंक द्वारा जुहू बीच पर 100 से अधिक कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ एक सफाई अभियान चलाया गया. इस अवसर पर हमारे कार्यपालक निदेशक श्री ललित त्यागी, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

औरंगाबाद क्षेत्र द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

औरंगाबाद क्षेत्र की कोपरगांव शाखा द्वारा 25 जनवरी, 2023 को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया. इस अवसर पर शाखा प्रमुख श्री दीपक जामरुणकर, अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

गांधीनगर क्षेत्र द्वारा दृष्टिबाधित विद्यालय में ब्रेल पेपर एवं वाटर प्यूरीफायर का वितरण

04 मार्च, 2023 को गांधीनगर क्षेत्र द्वारा कॉर्पोरेट समाजिक दायित्व के तहत दृष्टिबाधित विद्यालय में ब्रेल पेपर एवं वाटर प्यूरीफायर का वितरण किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आलोक कुमार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पुणे जिला क्षेत्र द्वारा स्ट्रीट वेंडर को डस्टबिन का वितरण

पुणे जिला क्षेत्र द्वारा 19 जनवरी, 2023 को स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पिंपले सौदागर में स्वच्छता गतिविधि का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय वानखेडे द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स को डस्ट बीन बैग एवं मास्क का वितरण किया गया.

Thrissur Region sponsors Government of Kerala programme for BPL families

On 4th March, 2023 Thrissur Region sponsored Government of Kerala programme for BPL families ENTE KANMANIKU FIRST GIFT where region gave bed for the little ones. Regional Head Shri Sanil Kumar B, MLA Shri Saneesh Joseph and the Municipality Chairman Shri Ebby Challakkudy were present on the occasion.

बैंक द्वारा संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, मुंबई में पेयजल कियोस्क का उद्घाटन

22 मार्च, 2023 को बैंक द्वारा ईएसजी गतिविधियों के तहत मुंबई के बोरीवली में स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में पेयजल के दो कियोस्क भेंट किए गए. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री ललित त्यागी, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Kalsubai Peak – The Everest of Maharashtra

Kalsubai peak is highest peak in Maharashtra at 1646 mASL in Sahyadri mountain ranges. It is situated in Kalsubai Harishchandragad Wildlife Sanctuary in Ahmednagar Distt. There are many famous trek and trail points near Mumbai. This time we tried popular Kalsubai night trekking. It has a very spectacular and scenic views.

After office, we six colleagues Naga Mantri, Sheshu Kumar, Ashwini Tiwari, Pooja Mehta, Pravesh Banduni along with his nine year old son, Rishit and me left for Kurla station to catch Kasara train at 09:00pm. Though there is option to travel by road, but we prefer train journey. Mumbai's local train journey is always an adventurous experience. We landed Kasara by 11:15 pm and hikers' group assembled outside station. Enjoyed two hours jeep-safari to reach base village at Bari with antaksri and songs. The whole route was zig-zag. We found time to rest our legs for one hour, as we arrived early.

Early morning, at 3.00 am, quickly refreshed ourselves with tea and biscuits. Did a bit of stretching to get ready for ascend. A brief introduction of group held, hikers were from different professional background. A support team of four guides, provided detailed information of route and gave instructions for Do's and Don'ts. Team leader warned us to beware of monkeys enroute. They can search bags for food or snatch food items kept in side pockets of bag.

We embarked our hiking at 03:15 am to avoid heat of sun. Though there were solar lights at many places but still it was dark. We carried our torches and headlights along. We could gaze stars in pollution free atmosphere. Half-moon was smiling with its bright light. Shops were open at small patches of plateau to sell lemon juices, soda, biscuits etc. It's a source of income for locals. Just below the top, there was tent / campsite where one can stay overnight. Railings, chains put up

on the way to make the trek safer. Iron ladders at steep climb makes the pathway trackers friendly. The last ladder was long and the air was chilled and fierce. All were climbing with holding the ladder tight as had some fear in minds.

We reached Kalsubai top well before sunrise at 05:45 am. Sunrise was gorgeous. Breath taking view was blissful and mesmerizing. The splendid 360 degree view of valley kept us amazed. Immerse yourself in the nature. One can spot many other peaks or forts. There is a small temple of Kalsubai Devi, a local deity on top. Villagers considered it a holy place. During Navratri a fair organized by villagers. Cold waves were blowing. We had to wear our jackets and took shelter behind the temple. Rishit was first to reach the top from our 26 member group. Pravesh just followed him as escort. He is an example of kid with full of energy. Due to hectic office schedule and modern lifestyle one can easily become physically inactive. Sheshu was a bit slow in group, we had to motivate him by pushing, pulling and cracking jokes.

We explored the top for one hour then had our hot breakfast, seems reward for hiking and started descending. We had great fun and nice clicks. It's easy to descend. The view was much clear. On the way we witnessed green fields, rocky terrains and high altitude forest.

Our guide told, being highest peak in Maharashtra, it's also known as The Everest of Maharashtra. It is named after one of the three sisters Kalsubai, Ratnabai and Katrabai. The other peak Ratangad is named after Ratnabai. Some years back, Indian Navy unfurled largest flag of India size 60*40 feet at the summit.

Feeling accomplished after conquering highest peak of Maharashtra, we felt like meditation on mountains. We returned with lifetime memories with us. Mountains give us lesson of patience and consistency. Ups and downs are part of life journey, not all things be in your control, enjoy whatever comes on the way. It tests not only physical endurance but also your will power to overcome the tough situations. It's peak spiritually signifies the state of absolute consciousness. It's a treat for lungs as you inhale fresh oxygen. We made a rule of no banking talk during trip.

After early lunch, Maharashtrian food, at a local village, we left for Kasara Railway station for our return journey. Feeling sleepy on the way. We all reached, before sunset, safe and sound back to our nests.

When to visit: During monsoon, from June to August is considered the best season to visit this peak. You can have a view of blanket of pre- monsoon clouds just below the peak. Sep-Oct is like trekking in flower valley. Rest of the year, night trek is better.

How to reach there: It is 150 km approx. from Mumbai. One can also reach from Nasik, 70kms by road. The point is generally crowded during weekends. Three km trek is quite accessible by beginners, needs average endurance. It is considered as moderate difficult.

❖❖❖

Yogendra Singh Saini
Asstt General Manager
Retail Banking Department,
BCC, Mumbai.

कौशल एवं नैतिकता से परिपूर्ण व्यवसाय प्रतिनिधि वित्तीय समावेशन की सफलता का आधार

हमारे बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम के बाद एसबीआई के बाद अग्रणी पीएसबी के रूप में स्वयं को स्थापित किया है. तीसरी तिमाही तक बैंक का कुल व्यवसाय बीस लाख करोड़ रुपये को पार कर गया. यह सब इसलिए हो पाया है क्योंकि हमारे पास बैंकिंग उद्योग में उत्कृष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम है और बैंक हर स्तर पर इन सभी को महत्व देता है तथा उन्हें प्रोत्साहित करता है. यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि बैंक द्वारा व्यवसाय वृद्धि का मुख्य कारण डिजिटलीकरण रहा है. साथ ही, इस वृद्धि में व्यवसाय प्रतिनिधि (बीसी) भी प्रमुख सहयोगी रहे हैं. आज बैंक, व्यवसाय प्रतिनिधियों को शाखाओं के विस्तारित भाग के रूप में देख रहा है. बैंक की रूपांतरण पहल बॉब नाऊ (BOB NOWW) की शुरूआत की गई है जिसका उद्देश्य कार्यप्रणाली को रूपांतरित करना है. इसमें व्यवसाय प्रतिनिधियों के नेटवर्क के जरिए ग्राहक संपर्क केंद्र बढ़ाने एवं शाखा स्तर पर डिजिटलीकरण पर ज़ोर दिया गया है. इस पहल के तहत बैंक ने बीसी के नेटवर्क को 24000 से बढ़ाकर दिसंबर 2022 तक 50000 कर दिया है.

व्यवसाय प्रतिनिधि बैंक द्वारा कॉर्पोरेट बीसी के माध्यम से नियुक्त ऐसे कार्मिक है जो कम लागत पर शाखा/ एटीएम के अलावा अन्य स्थानों पर मूल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं. ये सेवाएं विशेषकर ऐसे लोगों, जो वित्तीय सेवाओं से वंचित है, उन्हें उनके आस-पास के क्षेत्रों में ही उपलब्ध कराई जाती हैं. प्रारंभ में व्यवसाय प्रतिनिधियों को डीएफएस, एमओएफ एवं भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए नियुक्त किया गया था. इन विनियामकों द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार बैंकों को उनके सेवा क्षेत्रों में बैंकिंग से संबंधित सभी मूलभूत सेवाएं प्रदान करनी थी. हालांकि, बैंकों द्वारा बैंक रहित या कम बैंकिंग वाले क्षेत्रों में नई शाखा खोल कर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा पाना संभव नहीं था, क्योंकि इसमें काफी ज्यादा लागत आती है एवं किसी भी व्यावसायिक बैंक के लिए यह आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं था. अत: बैंकों ने बीसी मॉडल को एक विकल्प के रूप में देखा जो कि बैंक रहित क्षेत्रों में वहनीय लागत पर मूल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करनें में सक्षम था.

शुरूआत में अत्यंत सीमित सेवाएं जैसे खाते खोलने, नकदी जमा एवं आहरण जैसी सुविधाएं ही उपलब्ध थीं. हालांकि, क्रमवार तरीके से बहुत सी बैंकिंग सुविधाएं जैसे कि सावधि जमा, आवर्ती जमा खाते खोलने, पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, एपीवाई का नांमाकन, आधार एवं मोबाइल सीडींग, पासबुक प्रिंटिंग, एईपीएस, एनईएफटी, आईएमपीएस, डेबिट कार्ड के माध्यम से लेन-देन, डेबिट कार्ड हॉट लिस्टिंग आदि सुविधाएं जोड़ी गयीं. वर्तमान में करीब 50 तरह की बैंकिंग सुविधाएं बीसी केन्द्रों के माध्यम से लोगों के घरों पर ही उपलब्ध कराई जा रही हैं. इसके अलावा, बीसी कासा, जमा वृद्धि, वसूली एवं ऋण संबंधी व्यवसाय बढ़ाने में भी योगदान देते हैं. इस प्रकार आज के परिवेश में बीसी केंद्र एक लघु शाखा का रूप ले चुके हैं एवं न सिर्फ विभिन्न प्रकार की बैंकिंग सेवाएं लोगों को घर पर मिल रही हैं बल्कि कम लागत पर विनियामकों द्वारा तय दिशानिर्देशों का भी अनुपालन हो रहा है.

लगभग 50 प्रकार की वित्तीय एवं गैर वित्तीय लेन-देन संबंधी बैंकिंग सुविधाएं ग्राहक सीधे बीसी केन्द्रों से प्राप्त कर सकते हैं. चूंकि ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की संभावना बनी रहती है, अत: बीसी केन्द्रों के परिचालन की उचित निगरानी आवश्यक है. बैंक समय-समय पर इससे संबंधित दिशानिर्देश भी जारी करता है. हालांकि, शाखाओं की अज्ञानता अथवा लापरवाही की वजह से कुछ बीसी केन्द्रों पर धोखाधड़ी के मामले आए दिन हमें सुनने को मिलते हैं. बैंक अक्सर परिपत्रों के माध्यम से शाखाओं एवं नियंत्रण कार्यालयों अर्थात् क्षेत्रीय एवं अंचल कार्यालयों को समय-समय पर सतर्क करता रहता है. इन परिपत्रों के आधार पर बीसी केंद्रों पर बरती जाने वाली सावधानियों का उल्लेख नीचे किया गया है. बीसी केन्द्रों पर व्यवसाय प्रतिनिधियों द्वारा किए जाने वाले अनैतिक आचरण के उदाहरण निम्नानुसार हैं:

1. ग्राहक से ऑफ़लाइन जमा स्वीकार कर रहे हैं लेकिन सिस्टम से जनरेट की गई रसीद देने की जगह हस्तलिखित काउंटर-फाइल प्रदान करते हैं तथा पासबुक खुद से अद्यतन करते हैं.
   - 'एक्स' बीसी ने 'वाइ' ग्राहक से उसके बीकेसीसी खाते में जमा करने के लिए जमाराशि स्वीकार की और हस्तलिखित काउंटर-फाइल जारी

की परंतु उसे बीकेसीसी खाते में जमा नहीं किया और व्यक्तिगत हित हेतु राशि का दुरूपयोग किया.

- 'एक्स' बीसी ने 'वाइ' स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्य से वाई के ऋण खाते में किस्त जमा करने के लिए जमा राशि स्वीकार की और हस्तलिखित काउंटर–फाइल जारी की परंतु उसे स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) खाते में जमा नहीं किया और व्यक्तिगत हित हेतु राशि का दुरूपयोग किया.

2. ग्राहक एकल लेन देन अर्थात आहरण या जमा या निधि अंतरण करना चाहता है. इस लेन–देन के लिए ग्राहक को अपना आधार नंबर और बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण प्रस्तुत करना होता है. बीसी सर्वर काम नहीं कर रहा है, तकनीकी त्रुटि है आदि के बहाने कई बार ग्राहकों से उंगली के अतिरिक्त निशान ले लेते हैं. पहला लेन देन वास्तविक होता है किन्तु उंगली के अतिरिक्त निशान ग्राहकों के खाते से अतिरिक्त राशि आहरित करने के लिए प्राप्त किए जाते हैं अथवा ग्राहक के खाते से बीसी के स्वयं के बचत खाते या बीसी के रिश्तेदार अथवा उसके मित्र के खाते में निधि अंतरण हेतु लिए जाते हैं.

धोखाधड़ी की रोक–थाम के उपाय:–

बीसी केन्द्रों की निगरानी के लिए बैंक द्वारा बीसी सुपरवाइजर को नियुक्त किया गया है एवं साथ में कॉर्पोरेट बीसी के सुपरवाइजर द्वारा भी इन केन्द्रों की निगरानी की जाती है. हालांकि, ये इन केन्द्रों की निगरानी के लिए अतिरिक्त जरिया हैं एवं इससे जुड़ी मुख्य जवाबदेही लिंक शाखाओं, संबंधित क्षेत्रों एवं अंचल की है. इस संबंध में शाखाओं एवं नियंत्रक कार्यालयों के लिए मानदंड तय किए गए हैं जो निम्नानुसार है :–

शाखाएं :

1. शाखा के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक माह की 5 तारीख तक या उससे पहले अपनी शाखा से संबद्ध सभी बीसी केन्द्रों का एंड्रॉयड आधारित मोबाइल ऐप्लिकेशन के माध्यम से औचक मासिक निरीक्षण करना है और संबंधित माह की 7 तारीख तक रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यालय को प्रस्तुत करनी है.
2. बीसी केन्द्रों पर रखे जाने वाले आगंतुक रजिस्टर में बीसी के लिए टिप्पणियों एवं सुझावों का उल्लेख करना चाहिए.

विजिट कर रहे अधिकारी को निम्नलिखित स्थितियों को सुनिश्चित करना चाहिए –

- बीसी का नाम, स्थान का नाम, संपर्क नंबर, लिंक शाखा का नाम और संपर्क विवरण जैसे विवरणों के साथ बैंक की ब्रांडिंग सहित साइन बोर्ड की उचित उपलब्धता हो.
- बीसी केंद्र पर ऑफ़लाइन लेन–देन न होता हो.
- बीसी केंद्र पर बैंक की स्टेशनरी का प्रयोग नहीं होता हो.
- ग्राहकों को केवल सिस्टम जनित रसीदें ही जारी की जा रही हों.
- 'क्या करें' एवं 'क्या न करें' का बोर्ड प्रदर्शित हो.
- बीसी केंद्र पर कोई एटीएम/ व्हाइट लेबल एटीएम न हो.
- बीसी केवल हमारे बैंक के लिए कार्य कर रहे हों.
- अन्य बैंकों से संबंधित कोई बैनर, पोस्टर और लीफलेट प्रदर्शित न हों.
- बीसी केंद्र का संचालन स्वयं बीसी द्वारा ही किया जा रहा हो.
- ओडी सेटलमेंट खाते का रोजाना निरीक्षण इत्यादि.

3. निरीक्षण अधिकारी को बीसी केन्द्र पर कम से कम एक वित्तीय/ गैर–वित्तीय लेन–देन करना है तथा लेन–देन पर्ची की एक प्रति आगंतुक रजिस्टर में पेस्ट करना है. निरीक्षण रिपोर्ट के साथ चिपकाई गई लेन–देन पर्ची की प्रति सहित आगंतुक रजिस्टर के पृष्ठ की एक प्रति अनिवार्य रूप से जमा करनी है.
4. क्षेत्रीय कार्यालय को इस संबंध में संबंधित माह की 10 तारीख तक अंचल कार्यालय को एवं अंचल कार्यालय को 12 तारीख तक प्रधान कार्यालय को अनुपालन प्रमाण पत्र भेजना अनिवार्य है.

क्षेत्रीय कार्यालय:

क्षेत्रीय कार्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीसी से संबद्ध शाखाओं के अधिकारियों ने हर महीने निरीक्षण किया है और संबंधित रिपोर्ट निर्दिष्ट समय–सीमा के भीतर उनके कार्यालय को प्रस्तुत की है. क्षेत्रीय कार्यालयों को प्रत्येक तिमाही में क्षेत्र के 10% बीसी केन्द्रों का औचक एंड्रॉयड आधारित मोबाइल ऐप्लिकेशन के माध्यम से औचक लेखापरीक्षा करनी चाहिए एवं अवलोकन के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए. आगामी तिमाही में फिर से उन्हीं बीसी की लेखापरीक्षा नहीं की जानी चाहिए. अन्य शब्दों में, बीसी केन्द्रों की रोटेशन के आधार पर लेखापरीक्षा की जानी चाहिए.

लेखापरीक्षा एवं निरीक्षण प्रभाग:

संबंधित जेडआईएडी के आंतरिक लेखापरीक्षक को अपने नियमित शाखा निरीक्षणों के दौरान औचक रूप से कुछ बीसी केन्द्रों का भी निरीक्षण करना चाहिए. निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बैंक द्वारा जारी संबंधित दिशानिर्देशों का पालन बीसी केंद्र पर हो रहा है. यदि कोई अनियमितता पायी जाती है तो रिपोर्ट में इसका उल्लेख किया जाना चाहिए.

व्यवसाय प्रतिनिधि हमारी शाखाओं के विस्तारित भाग के रूप में हैं एवं हर तरह से हमारी व्यवसाय वृद्धि में सहायक हैं. हमारा हमेशा ये प्रयास होना चाहिए कि हमारा बीसी न केवल कुशल हो बल्कि अच्छे आचरण वाला भी हो. चूंकि अनेक तरह की वित्तीय एवं गैर वित्तीय लेन–देन संबंधी बैंकिंग सेवाएं बीसी केन्द्रों पर ग्राहकों को दी जाती है, अत: बैंक स्वत: ही वित्तीय, परिचालन, प्रतिष्ठा एवं अन्य जोखिमों के अधीन आ जाता है. अत: बैंक द्वारा जारी किए गए उल्लिखित नियमों का पालन करके न सिर्फ धोखाधड़ी से बचा जा सकता है बल्कि हितधारकों की नजर में हम अपनी छवि बेहतर कर सकते हैं.

❖❖❖

श्री सचिन वर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक
बड़ौदा अकादमी, बड़ौदा

Driving Economic Growth: The Indispensable Role of MSMEs in India

World MSME day is observed on 27th June every year. MSMEs contribute significantly to the Indian economy, accounting for more than 30% of GDP (6% to manufacturing & 24% to service sector) and providing employment to over 110 million people. They are also responsible for 45% of India's total exports and play a critical role in driving innovation, entrepreneurship and economic growth.

The MSME sector is facing several challenges, including limited access to finance, lack of digital integration and poor competitiveness in the global market.

To address these challenges, the government has launched several initiatives, including the Atmanirbhar Bharat Abhiyan and the Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises. The continued growth and success of the MSME sector is vital for achieving the government's vision of a self-reliant and prosperous India, creating more jobs and driving inclusive economic growth.

MSMEs face many challenges in India despite being important for the economy and receiving government support. Some of the main challenges are:

High input costs: MSMEs are facing challenges due to high input costs such as raw materials, fuel and electricity. The increase in input costs is putting pressure on MSMEs' profit margins and affecting their ability to remain competitive. COVID-19 pandemic and the Russia-Ukraine war added fuel to this fire. Despite government interventions to support MSMEs, the high input costs remain a major challenge for them to sustain and grow their businesses.

Limited access to capital: MSMEs has limited access to capital, which restricts their ability to expand and grow their businesses. The lack of capital prevents

many potential MSMEs from starting their business or scaling up their operations. Despite the government's efforts to provide financial support, MSMEs continue to face challenges in raising capital, with traditional sources like banks and financial institutions showing reluctance to lend to them.

Limited geographical reach: Limited capital and lack of technological know-how restrict the geographical reach of MSMEs, limiting their market to a specific region. Many MSMEs are unable to participate in global value chains due to a lack of resources and technology, which restricts their business to a limited geographical area. To expand their business and tap into new markets, MSMEs need to invest in technology and skills development and seek financial support from the government and other sources.

Poor integration of digital technologies: Indian MSMEs are lagging in the integration of digital technologies such as artificial intelligence, big data, and cloud computing. The lack of digital integration is affecting their competitiveness in the global market and limiting their ability to innovate and grow. To remain competitive and stay relevant in the digital age, MSMEs need to invest in digital technologies, develop new skills and adopt new business models to leverage the benefits of digitalization.

Poor competitiveness in domestic markets: Indian MSMEs face stiff competition from cheaper imports from countries like China, Thailand, and Bangladesh, which has affected their competitiveness in the domestic market. Due to the high costs associated with factors of production, MSMEs

struggle to compete with low-cost imports and a few dominant players in the market. To enhance their competitiveness in the domestic market, MSMEs need to focus on product innovation, quality improvement and cost reduction through adoption of new technologies and business models.

Lack of skilled workforce: MSMEs in India face a shortage of skilled manpower, making it difficult for them to adopt new technologies and expand their operations. Due to the limited size of operations and inability to offer higher salaries, MSMEs find it challenging to attract and retain skilled manpower. To address this issue, the government and industry associations need to focus on skills development, training programs, and incentivizing the workforce to join and remain in the MSME sector.

Boosting the MSME sector: Key government initiatives

Recognizing the significance of MSMEs, the Government of India has implemented several measures to enhance the growth of this sector. These measures aim to make the Indian MSME segment more competitive at a global level and contribute significantly to the country's GDP. Some of the prominent initiatives include:

Atmanirbhar Bharat Abhiyan: Launched in 2020, this initiative aims to promote self-reliance and economic growth in India by providing support to various sectors, including MSMEs. The government has allocated INR 3 lakh crore collateral-free loans and provided a 20% increase in the Emergency Credit Line Guarantee Scheme (ECLGS) to support the growth and recovery of MSMEs.

National Small Industries Corporation (NSIC): NSIC is a government body that promotes the growth and development of MSMEs by providing financial and technical support. The corporation provides various services, including marketing assistance, technology transfer, and raw material procurement, to help MSMEs become more competitive and sustainable.

Udyog Aadhaar: Udyog Aadhaar is a government registration platform for MSMEs that simplifies the process of obtaining various certifications and licenses required to start and operate a business. The registration is entirely online and MSMEs can obtain a unique identification number (Udyog Aadhaar) that helps them access various government schemes and benefits.

Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises (CGTMSE): CGTMSE is a government credit guarantee scheme that aims to facilitate credit flow to MSMEs by providing collateral-free loans up to INR 2 crore. The scheme covers both new and existing MSMEs and provides a guarantee of up to 75% on the loan amount.

Technology Upgradation and Quality Certification (TEQUP) scheme: This scheme provides financial assistance to MSMEs for

upgrading their technology and acquiring quality certifications to improve their competitiveness in the global market. The scheme provides reimbursement of up to 75% of the cost of acquiring certifications and up to INR 1 crore for technology upgradation.

Stand-Up India: Launched in 2016, Stand-Up India is a government scheme that provides financial support to women and SC/ST entrepreneurs to start and grow their businesses. The scheme provides loans between INR 10 lakh to INR 1 crore to eligible entrepreneurs and aims to promote entrepreneurship and innovation among underprivileged sections of society.

Single Window Clearance: To simplify the process of setting up MSMEs, the government has launched a Single Window Clearance Portal where entrepreneurs can apply for various approvals and clearances required for setting up and operating their businesses. This portal integrates the approval process of various departments and provides a single platform for obtaining all necessary clearances.

The government has also launched centralized portals to gather skilled manpower for MSMEs. Here are two such initiatives:

CHAMPIONS Portal: The CHAMPIONS (Creation and Harmonious Application of Modern Processes for Increasing the Output and National Strength) portal is an initiative launched by the Ministry of MSME in India to support and promote the growth of MSMEs in the country. The portal provides a one-stop solution for all the needs and queries of MSMEs, including finance, marketing, technology, and other support services. It is designed to resolve the issues faced by MSMEs and help them become more competitive in the market. The portal aims to enhance the productivity and efficiency of MSMEs, and make them an integral part of the global supply chain. By providing a platform for MSMEs to connect with various stakeholders, the CHAMPIONS portal is expected to play a key role in shaping the future of the MSME sector in India.

Skill India: The Skill India initiative was launched to provide vocational training and skill development to the Indian workforce, including those working in MSMEs. The initiative aims to train 400 million people by 2022 and equip them with industry-relevant skills. MSMEs can benefit from this initiative by recruiting skilled workers trained under the Skill India program.

National Career Service: The National Career Service (NCS) is a centralized online platform launched by the government to connect job seekers with potential employers. The platform provides information about job opportunities, career guidance, and skill development programs. MSMEs can use this platform to recruit skilled workers for their businesses. NCS also offers a range of services such as job matching, career counselling, and vocational training.

WAY FORWARD:

The way forward for MSMEs in India involves adopting a multi-pronged approach that addresses various challenges and opportunities faced by this sector.

Embracing technology: MSMEs need to leverage the latest technologies such as cloud computing, artificial intelligence, and blockchain to improve their operational efficiency, quality of products/services, and customer experience. This can help them stay competitive and grow their business.

Enhancing access to finance: MSMEs need to have greater access to finance to expand their business, invest in technology, and upgrade their production processes. This can be achieved through innovative financial products, better credit availability, and simplification of loan application processes.

Fostering entrepreneurship: The government and other stakeholders should encourage entrepreneurship and innovation among MSMEs. This can be done through programs and initiatives that promote skill development, mentoring, incubation, and access to markets.

Encouraging exports: MSMEs should be encouraged to tap into global markets and diversify their customer base. This can be achieved through initiatives such as export promotion schemes, market access support, and participation in trade fairs and exhibitions.

Strengthening institutional support: MSMEs require robust institutional support, including access to technology, marketing, and finance. The government should create a conducive environment for MSMEs to thrive by improving infrastructure, simplifying regulations, and creating an ecosystem that fosters innovation and growth.

By focusing on these key areas, MSMEs in India can overcome their challenges and leverage new opportunities for growth and development.

❖❖❖

Satish Chand Jindal
Asst. General Manager
Baroda Academy, Jaipur

जोधपुर क्षेत्र द्वारा बड़ौदा अचीवर्स अवार्ड का आयोजन

21 जनवरी, 2023 को जोधपुर क्षेत्र द्वारा बड़ौदा अचीवर्स अवार्ड का आयोजन किया गया. इसमें 12 मेधावी विद्यार्थियों को नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया. इस अंवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया,धाम नारायण व्यास विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. अजय शर्मा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बड़ौदा अंचल द्वारा सशस्त्र गार्ड के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बड़ौदा अंचल द्वारा 05-07 जनवरी, 2023 के दौरान अंचल के सशस्त्र गार्डो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री भवानी सिंह राठौड़ तथा अंचल के सुरक्षा अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार पड़वाल द्वारा सशस्त्र गार्डो को मार्गदर्शन प्रदान किया गया.

वीकेआई शाखा, जयपुर क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर क्षेत्र की वीकेआई शाखा द्वारा 09 फरवरी, 2023 को ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता, शाखा प्रमुख डॉ. राजेश भास्कर, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

उदयपुर क्षेत्र को वसूली में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु सम्मान

उदयपुर क्षेत्र को इंदौर में 12-13 फरवरी, 2023 को आयोजित आरओएसएआरबी की समीक्षा सह कार्यनीति बैठक के दौरान एनपीए वसूली का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनादि भट्ट को कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना और निदेशक श्री अजय सिंघल द्वारा ट्रॉफी भेंट की गई.

अमृतसर क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन

04 फरवरी, 2023 को अमृतसर क्षेत्र में शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में शाखाओं द्वारा किए जा रहे व्यवसाय की समीक्षा की गई तथा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पुणे अंचल द्वारा स्वच्छता रैली का आयोजन

पुणे अंचल द्वारा 19 जनवरी, 2023 को स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक श्री एम अनिल, उप महाप्रबंधक मो. महमूद निशात, पुणे शहर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री एन वेंकट सुब्रमणियन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

कोल्हापुर क्षेत्र द्वारा 21 जनवरी, 2023 को स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रशांत आवाढ, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री देवीदास पालवे तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Mangaluru Zone organizes Swachata Pakhwada

Mangaluru Zone organized cleanliness programme on the occasion of Swachata Pakhwada on 15th January, 2023. Zonal Head Smt. Ghayathri R, Deputy General Manager (Network) Shri Vinay Gupta, Regional Head (Mangaluru City Region) Shri. Sanjay S Wali and other staff members were present during the cleanliness programme.

अहमदाबाद अंचल द्वारा एग्री कॉन्क्लेव का आयोजन

18 जनवरी, 2023 को अहमदाबाद अंचल द्वारा एग्री कॉक्लेव का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु अंचल प्रमुख श्री एम एम बंसल द्वारा अहमदाबाद क्षेत्र–1 के क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय कुमार चौधरी को सम्मानित किया गया.

भोपाल क्षेत्र द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए "प्रेरणा" लाउंज का शुभारंभ

06 मार्च, 2023 को भोपाल क्षेत्र द्वारा टी. टी. नगर शाखा के परिसर में वरिष्ठ नागरिकों को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने हेतु "प्रेरणा" लाउंज का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना, अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, महाप्रबंधक (सरकारी संपर्क एवं पीएसयू व्यवसाय विभाग,नई दिल्ली) श्रीमती सम्मिता सचदेव, भारत सरकार के सचिव श्री एस के माथुर, उप अंचल प्रमुख श्री नीलब चंद्र राय, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस. के. तलरेजा, टी टी नगर शाखा के शाखा प्रमुख (सहायक महाप्रबंधक) श्री अशोक कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा बड़ौदा अचीवर्स अवाड्र्स समारोह का आयोजन

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा 26 जनवरी, 2023 को मेधावी छात्रों के सम्मान में बड़ौदा अचीवर्स अवाड्र्स समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरबिन्द कुमार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

नवी मुंबई क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

3 मार्च, 2023 को नवी मुंबई क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप अंचल प्रमुख श्री अर्शद खान, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बड़ौदा शहर क्षेत्र–II को वसूली हेतु सम्मान

अक्तूबर–दिसंबर, 2022 तिमाही में शत–प्रतिशत एनपीए वसूली लक्ष्य प्राप्त करने के उपलक्ष्य में एनपीए वसूली विभाग, कॉर्पोरेट कार्यालय, बीसीसी द्वारा बड़ौदा शहर क्षेत्र–II को 12 फरवरी, 2023 को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना द्वारा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज कुमार को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया.

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस), गांधीनगर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस), गांधीनगर द्वारा ग्रामीणों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करने के क्रम में महिलाओं के लिए 13 दिवसीय कास्ट्यूम ज्वेलरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर 14 फरवरी, 2023 को बड़ौदा एपेक्स अकादमी के प्रमुख श्री दीपांकर गुहा द्वारा सभी प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए.

बेंगलूरु अंचल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

26 जनवरी, 2023 को बेंगलुरु अंचल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आशा निलय अनाथाश्रम को स्वच्छता सामग्री सहित सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, उप अंचल प्रमुख श्री बी शिवराम, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रितेश कुमार उपस्थित रहे.

बेंगलुरु मध्य क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

बेंगलुरु मध्य क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग के प्रति जागरुकता रैली आयोजित की गयी. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री सुधाकर डी नायक ए, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रितेश कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रवीण कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजकोट अंचल द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर वाहन रैली का आयोजन

18 जनवरी, 2023 को स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर राजकोट अंचल द्वारा स्वच्छता जागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप अंचल प्रमुख श्री जे बी रोहड़ा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

लखनऊ अंचल द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन

लखनऊ अंचल द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत जनेश्वर मिश्र पार्क, लखनऊ में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री ए पी दास, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रंजीत कुमार झा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अहमदाबाद अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

27 जनवरी, 2023 को अहमदाबाद अंचल द्वारा कार्यपालक निदेशक श्री अजय के. खुराना की अध्यक्षता में टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम एम बंसल, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पूर्णिया क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

18 जनवरी, 2023 को पूर्णिया क्षेत्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्थानीय जिला स्कूल के प्रांगण में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजीव कुमार, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मुंबई मेट्रो पश्चिम क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

16 जनवरी, 2023 को मुंबई मेट्रो पश्चिम क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप अंचल प्रमुख श्री अर्शद खान, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री पी के राउत, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मयंक कुमार, मुंबई अंचल से प्रमुख (मानव संसाधन) श्रीमती लिपिका पाढ़ी, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

18 जनवरी, 2023 को मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप अंचल प्रमुख श्री अर्शद खान, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री पी के राउत, मुंबई अंचल से प्रमुख (मानव संसाधन) श्रीमती लिपिका पाढ़ी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री टी. पी. तुलस्यान, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

गोरखपुर क्षेत्र द्वारा बीसी सखी की बैठक का आयोजन

24 फरवरी, 2023 को गोरखपुर क्षेत्र द्वारा बीसी एवं बीसी सखियों के लिए बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री बृजेश सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

लखनऊ जिला क्षेत्र द्वारा बैंक मित्र एवं बीसी सखी के लिए बैठक का आयोजन

लखनऊ जिला क्षेत्र द्वारा 19 फरवरी, 2023 को बैंक मित्र एवं बीसी सखी के लिए बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री ए पी दास, क्षेत्रीय प्रमुख श्री शंकर महतो, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

सम्मान

अंचल कार्यालय, भोपाल को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु पुरस्कार

अंचल कार्यालय, भोपाल को वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 'क' क्षेत्र में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ. यह पुरस्कार 03 मार्च, 2023 को रायपुर में आयोजित संयुक्त राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री अजय कुमार मिश्रा के कर-कमलों से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की सचिव श्रीमती अंशुली आर्या, संयुक्त सचिव श्रीमती मीनाक्षी जौली की उपस्थिति में अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी और मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) श्री चंदन कुमार वर्मा ने ग्रहण किया.

क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु पुरस्कार

03 मार्च 2023 को रायपुर में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम) के अंतर्गत 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्रीय सरकार के बैंकों में 2020-21 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. गृह राज्यमंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा के कर-कमलों से पणजी क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक श्री निर्निमेष भंसाली और राजभाषा अधिकारी श्री आनंद सिंह ने ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र ग्रहण किए.

12वें विश्व हिंदी सम्मेलन, फ़िजी में बैंक की प्रतिभागिता

15-17 फरवरी, 2023 के दौरान नांदी, फ़िजी में 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस सम्मेलन में बैंक की भी सक्रिय भागीदारी रही. इस वर्ष 'हिन्दी- पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन विदेश मंत्री श्री एस जयशंकर ने किया. हिंदी भाषा की दृष्टि से आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में देश-विदेश से प्रसिद्ध भाषाविद्, विद्वान, लेखक, पत्रकार, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे. इस सम्मेलन में बैंक का प्रतिनिधित्व प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह ने किया तथा इस सम्मेलन के थीम पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक विषय पर अपनी प्रस्तुति दी. उन्होंने बैंक के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं में कृत्रिम मेधा के उपयोग के जरिए हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार संबंधी पहलों पर विस्तृत जानकारी दी.

इसके अलावा 15 फरवरी, 2023 को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की सचिव सुश्री अंशुली आर्या एवं निदेशक श्री बी एल मीना द्वारा बैंक की फिजी स्थित नांदी शाखा का राजभाषायी निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान बैंक की ओर से प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, फ़िजी टेरिटरी प्रमुख सुश्री लक्ष्मी आनंद, शाखा प्रमुख श्री अभिनव और शाखा के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

हार्दिक बधाइयां

पदोन्नतियां

हम जनवरी–मार्च, 2023 के दौरान पदोन्नत हुए महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं. – संपादक

महाप्रबंधक

श्री शैलेंद्र कुमार सिन्हा
सीएफ़एस, मुंबई

श्री धीरेन महेंद्र ललाई
कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री संजय कुमार तिवारी
एसएएमबी, मुंबई

श्री राजेश खन्ना
एसएमई शाखा–1,
नरीमन पॉइंट, मुंबई

नेटवर्क विस्तार / Network Expansion

कालिकट क्षेत्र द्वारा चालपुरम शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

16 जनवरी, 2023 को कालिकट क्षेत्र द्वारा चालपुरम शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री श्रीजित कोट्टारत्तिल, उप मेयर (कालिकट) श्री सी पी मुसाफर अहमद, क्षेत्रीय प्रमुख श्री कण्णन बी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती आशा कुरुप तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पणजी क्षेत्र द्वारा बाली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

2 मार्च, 2023 को पणजी क्षेत्र द्वारा बाली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार झा, कुपे के विधायक श्री एल्टोन डीकोस्टा, शाखा प्रमुख श्री प्रभाकर इनामके और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Ernakulam Zone inaugurates First Digital Service Outlet (DSO)

Ernakulam Zone inaugurated its First Digital Service Outlet (DSO) at Kinfra Hitech Park, Kerala startup mission complex, Kalamassery. Zonal Head Shri Sreejith Kottarathil, Shri Tom Thomas, Chief Operating Officer, Kerala Startup Mission, Dy. Zonal Head Shri Viswajith T S, Network DGM Shri Nagasubrahmanyam M, Regional Head (Ernakulam Region) Shri Anish Kumar, Dy. Regional Manager Ernakulam Region Shri Binoj Bhaskar along with other dignitaries were present on the occassion.

कॉर्पोरेट एल्बम
Corporate Album

गोवा में राज्य सभा की सरकारी आश्वासनों संबंधी संसदीय समिति के साथ बैंक की बैठक

23 जनवरी, 2023 को गोवा में माननीय सांसद (राज्य सभा) डॉ. एम. तंबिदुरै की अध्यक्षता में राज्य सभा की सरकारी आश्वासनों संबंधी संसदीय समिति के साथ बैंक की बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री ललित त्यागी, पुणे अंचल की अंचल प्रमुख सुश्री मिनी टी एम, विभिन्न बैंकों के कार्यपालकगण तथा गोवा राज्य सरकार के अधिकारियों ने इस बैठक में भाग लिया.

बैंक के संस्थापक सर सयाजीराव गायकवाड III की 161वीं जन्मजयंती पर संगीत संध्या का आयोजन

बैंक के संस्थापक सर सयाजीराव गायकवाड III की 161वीं जन्म जयंती के अवसर पर 11 मार्च, 2023 को बड़ौदा अंचल के समन्वय में वडोदरा में संगीत संध्या "सुर मिलाप" का आयोजन किया गया. इस अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक (सीआईएडी) श्री अजय कुमार खोसला, अंचल प्रमुख (बड़ौदा अंचल) श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Bank of Baroda wins Best PSU Bank award at Dhanam BFSI Summit & Awards 2023

On 22nd February, 2023 Bank was named as the "Best PSU Bank of the Year" at the Dhanam BFSI Summit & Awards 2023 organised by Dhanam Business Magazine in Kochi. The Bank was adjudged the winner based on its 12-month performance from January 1, 2022 to December 31, 2022 and the year-on-year growth. Shri Naga Subramanyam Mandava, Network Deputy General Manager, Ernakulum Zone and Shri Anish Kumar Kesavan Regional Head, Ernakulum Region received the award from Shri KV Shaji, Chairman, NABARD.

bob World

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA | देना DENA

आज़ादी का अमृत महोत्सव

घर लाएं अपने सपनों की कार

डिजिटल पूर्व-स्वीकृत कार ऋण के साथ केवल आपके लिए!

- ₹20 लाख का ऋण
- 84 महीने तक की चुकौती अवधि
- ब्याज दर 8.70%* प्रति वर्ष से आरंभ
- प्रक्रिया में लगने वाला समय- 15 मिनट
- सीधे डीलर को संवितरण

क्यूआर स्कैन करें और आवेदन करें

*नियम व शर्तें लागू.

मिस्ड कॉल दें:* कार ऋण: 846 700 1133 | www.bankofbaroda.in | हमें फॉलो करें